राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 | चाय की खेती से आत्मनिर्भर बनेंगे सीमांचल...

वंदे मातरम् विधेयक का राज्यसभा से पारित... | 12

वर्ष : 14 | अंक : 111 | पटना, गुरुवार, 30 जुलाई, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

सूबे में 32,388 शिक्षकों की होगी बहाली, टीआरई-4 को मंजूरी

- सीएम सम्राट ने शिक्षकों की भर्ती के लिए बीपीएससी को भेजी अधियाचना
- युवाओं को रोजगार और विकसित बिहार के संकल्प को साकार करने के लिए लगातार काम कर रही है सरकार
- इंतजार कर रहे लाखों अभ्यर्थियों की उम्मीदों को मिली नई गति

प्रात : किरण

पटना। बिहार में शिक्षक बनने की तैयारी कर रहे लाखों अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। राज्य सरकार ने शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-4) की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए 32,388 शिक्षकों के पदों पर नियुक्ति के लिए शिक्षा विभाग की अधियाचना बिहार लोक सेवा आयोग को भेज दी है। इसके साथ ही चौथे चरण की शिक्षक भर्ती प्रक्रिया शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। युवाओं के लिए एक और ऐतिहासिक सौगात

32,388 रिक्त पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी

सरकार की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, टीआरई-4 के तहत विभिन्न स्तरों पर शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। इसमें कक्षा पहली से पांचवीं तक के लिए 3,847 पद, कक्षा छठी से आठवीं तक के लिए 8,563 पद, कक्षा नौवीं से दसवीं तक के लिए 3,877 पद तथा कक्षा ग्यारहवीं से बारहवीं तक के लिए 16,101 पद निर्धारित किए गए हैं। इस प्रकार कुल 32,388 रिक्त पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। शिक्षा विभाग द्वारा अधियाचना भेजे जाने के बाद अब अभ्यर्थियों की निगाहें बीपीएससी के आधिकारिक विज्ञापन पर टिकी हैं। आयोग की ओर से विज्ञापन जारी होने के बाद ऑनलाइन आवेदन की तिथि, पात्रता, विषयवार रिक्तियां, आरक्षण, परीक्षा कार्यक्रम, चयन प्रक्रिया, परीक्षा शुल्क तथा अन्य आवश्यक दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी सार्वजनिक की जाएगी। गौरतलब है कि बिहार में पूर्व के तीन चरणों की शिक्षक भर्ती के माध्यम से बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों की नियुक्ति की जा चुकी है। ऐसे में टीआरई-4 की अधियाचना जारी होने के साथ ही लंबे समय से भर्ती का इंतजार कर रहे लाखों अभ्यर्थियों की उम्मीदों को नई गति मिली है।

बीपीएससी जल्द ही विस्तृत भर्ती विज्ञापन जारी करेगा

मुख्यमंत्री ने बताया कि शिक्षा विभाग ने टीआरई-4 के लिए कुल 32,388 पदों की अधियाचना बीपीएससी को भेज दी है। अब आयोग भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगा। उम्मीद की जा रही है कि बीपीएससी जल्द ही विस्तृत भर्ती विज्ञापन जारी करेगा, जिसके बाद ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ होगी।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए इसे बिहार के युवाओं के लिए एक और ऐतिहासिक सौगात बताया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, युवाओं को रोजगार और विकसित बिहार के संकल्प को साकार करने के लिए लगातार काम कर रही है। उनके अनुसार यह भर्ती अभियान विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के साथ-साथ हजारों युवाओं को सरकारी सेवा का अवसर भी उपलब्ध कराएगा।

सीएम सम्राट की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्री परिषद की बैठक, 24 प्रस्ताव पर लगी मुहर

आंगनबाड़ी सेविका या सहायिका के 22 हजार 891 पद पर जल्द होगी भर्ती

- कैबिनेट ने इस प्रस्ताव पर दी मंजूरी, आंगनबाड़ी सेविका/सहायिका चयन मार्गदर्शिका-2026 को दी गई स्वीकृति

प्रात : किरण

पटना। बिहार में जल्द ही आंगनबाड़ी केंद्रों पर 22 हजार 891 सेविका/सहायिका का चयन होने जा रहा है। इसकी प्रक्रिया जल्द ही शुरू हो जाएगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस बैठक में 24 एजेंडों पर मुहर लगी। इसमें लिए गए निर्णयों के बारे में मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने सूचना भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों सेविया-सहायिका के चयन को लेकर आंगबाड़ी सेविका/सहायिका चयन मार्गदर्शिका- 2026 की स्वीकृति दी गई। इसमें सेविका के पद पर 6141 और सहायिका के पद पर 16750 यानी कुल 22 हजार 891 रिक्त पदों पर चयन किया जाएगा। नई मार्गदर्शिका के तहत पोषक क्षेत्र के बाहुल्य वर्ग की महिलाओं का चयन इन दोनों पदों पर किया जाएगा।

बिहार खेल नीति, 2026 को मंजूरी अपर मुख्य सचिव ने कहा कि बिहार में पहली बार बिहार खेल नीति, 2026 लाई गई है। इसके तहत नई खेल नीति (मेडल लाओ, नौकरी पाओ), बिहार राज्य खेल छात्रवृति योजना, प्रतिभा पहचान कार्यक्रम (मशाल) जैसी अन्य नीतियों को लागू किया गया है। राज्य में खेलों के समग्र विकास, खिलाड़ियों की क्षमता वृद्धि, राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के अलावा बिहार को एक अग्रणी खेल राज्य के रूप में विकसित करने के लिए बिहार खेल नीति, 2026 को मंजूरी दी गई है।

इसके तहत खिलाड़ी को ट्रेनिंग से लेकर अन्य सभी तरह की सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। बिहार सहकारिता नीति, 2026 को भी मंजूरी श्री चौधरी ने कहा कि बिहार सहकारिता नीति, 2026 को भी कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। इसके लागू होने से सहकारिता समितियों को सशक्त करने के साथ ही इनका आधुनिक तरीके से विस्तार करने और नई तकनीकों से लैस करने की व्यवस्था बहाल हो सकेगी। इस नीति के माध्यम से समाज के सभी वर्गों खासकर युवा पीढ़ी एवं महिलाओं को सहकारी आंदोलन एवं सहकारी उद्यमों से जुड़ने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया जा सकेगा। समृद्ध एवं विकसित बिहार की परिकल्पना को साकार करने में यह नीति बेहद सहायक साबित होगी।

न्यायालयों में कुल 19 पदों के सृजन की स्वीकृतिः कैबिनेट के एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय के तहत बिहार के 19 न्यायमंडलों पश्चिम चंपारण (बेतिया), मधुबनी, भोजपुर (आरा), सिवान, अररिया, सुपौल, खगड़िया, जहानाबाद, बक्सर, जमुई, कैमूर, कटिहार, सीतामढ़ी, मुंगेर, मधेपुरा, बांका, शेखपुरा, औरंगाबाद और लखीसराय में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत लंबित मामलों का जल्द निपटारा करने के लिए अनन्य विशेष न्यायालयों (एक्सक्लूसिव स्पेशल कोर्ट) का गठन किया जाएगा। इन न्यायालयों में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश के एक-एक पद यानी कुल 19 पदों के सृजन की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा-3 के अंतर्गत पटना में दो और मुजफ्फरपुर में एक अतिरिक्त विशेष न्यायालयों का गठन किया जाएगा। ताकि भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों का निपटारा तेजी से किया जा सके।

ई-कैबिनेट प्रणाली लागू करने से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी : अपर मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य में ई-कैबिनेट प्रणाली लागू करने से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इससे अब कैबिनेट के सभी कार्यों का क्रियान्वयन पेपरलेस होगा।

आगामी दो महीने में यह व्यवस्था लागू हो जाएगी। इसके तहत एक नए पोर्टल का निर्माण कराया जाएगा। सभी विभागों से फाइनल होकर कैबिनेट में आने वाले तमाम प्रस्ताव या एजेंडों को इस विशेष पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाएगा। इसके बाद सभी प्रस्ताव कैबिनेट से मंजूर या नामंजूर होकर वापस विभागों को इसी पोर्टल के माध्यम से लौट जाएंगे। फाइल की प्रक्रिया ही समाप्त कर दी जाएगी।

रैयाम और सकरी में नई सहकारी चीनी मिलों की स्थापना कराए जाने की मंजूरी

सात निश्चय-3 के तहत समृद्ध उद्योग-सशक्त बिहार की अवधारणा के अंतर्गत दरभंगा जिले के रैयाम और मधुबनी जिले के सकरी में गन्ना उद्योग विभाग की बंद चीनी मिल की जमीन पर नई सहकारी चीनी मिलों की स्थापना की जानी है। इन दोनों स्थानों पर नई चीनी मिलों की स्थापना और गन्ना के बाय-प्रोडक्ट आधारित अन्य इकाईयों की स्थापना एवं परिचालन इंडियन पोटाश लिमिटेड (आईपीएल), नई दिल्ली से कराए जाने की मंजूरी दी गई है। इस परियोजना की लागत की 40 फीसदी वित्तीय सहायता राज्य सरकार करेगी। इस पहल से गन्ना उत्पादक किसानों की आय में वृद्धि होगी और क्षेत्र की आर्थिक संपन्नता बढ़ेगी।

राजस्व विभाग की बड़ी कार्रवाईः 12 अधिकारियों और कर्मियों पर गिरी गाज

- अब तक 82 अधिकारियों व कर्मियों पर हुई विभागीय कार्रवाई
- राजस्व मंत्री ने कहीः लापरवाही, भ्रष्टाचार और अनियमितता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी

प्रात : किरण

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए 12 राजस्व अधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की है। विभिन्न मामलों की समीक्षा और जांच के बाद कई अधिकारियों के विरुद्ध आरोप पत्र गठित किए गए हैं, जबकि अन्य पर वेतन वृद्धि रोकने सहित विभिन्न दंड लगाए गए हैं। कुछ अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया भी जारी है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार, लापरवाही और विभागीय निदेशों की अवहेलना के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध सेवा हर हाल में सुनिश्चित की जाएगी तथा दोषी अधिकारियों और कर्मियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि भू अर्जन कार्यालय, मुंगेर के राजस्व अधिकारी-सह-कानूनगो अरविंद कुमार, राघोपुर (वैशाली) के अंचल अधिकारी दीपक कुमार तथा बिस्फी (मधुबनी) की तत्कालीन अंचल अधिकारी वंदना कुमारी के विरुद्ध विभागीय आरोप पत्र गठित किए गए हैं। इसके अलावा गोपालगंज सदर के अंचल अधिकारी रजत कुमार वर्णवाल, एकमा (सारण) के अंचल अधिकारी अमलेश कुमार, गोह (औरंगाबाद) के तत्कालीन अंचल अधिकारी विश्वजीत नीलांकर, औरंगाबाद के तत्कालीन अंचल अधिकारी अंशु कुमार सिंह तथा कल्याणपुर (समस्तीपुर) के तत्कालीन अंचल अधिकारी राजन कुमार पर वेतन वृद्धि रोकने सहित विभिन्न दंड अधिरोपित किए गए हैं। वहीं रामनगर (पश्चिम चंपारण) के तत्कालीन अंचल अधिकारी उदय शंकर मिश्रा, कुढ़नी (मुजफ्फरपुर) के तत्कालीन अंचल अधिकारी रणभू ठाकुर, हाजीपुर (वैशाली) की तत्कालीन अंचल अधिकारी अंजली कुमारी तथा सासाराम के तत्कालीन अंचल अधिकारी सुधीर कुमार ओंकारा के विरुद्ध विभागीय स्तर पर अनुशासनात्मक कार्रवाई संचालित की जा रही है। डॉ. जायसवाल ने कहा कि पिछले दो माह के कार्यकाल में अब तक 82 अधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध विभिन्न मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है। इनमें भ्रष्टाचार, दाखिल-खारिज में अनियमितता, सरकारी कार्यों में लापरवाही, अनुशासनहीनता तथा विभागीय निदेशों की अवहेलना जैसे गंभीर मामले शामिल हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि राजस्व विभाग में ईमानदारी से काम करने वालों को पूरा संरक्षण मिलेगा, लेकिन भ्रष्टाचार, लापरवाही और अनियमितता करने वालों के लिए विभाग में कोई जगह नहीं है। जनता के हितों से खिलवाड़ करने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

लोकसभा में बोलने नहीं दिया, माफी मांगने को कहा गयाः राहुल

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि उन्हें लोकसभा में अपनी बात रखने की अनुमति नहीं दी गई। उनका दावा है कि उनसे कहा गया था कि यदि वे गृह मंत्री अमित शाह को लेकर दिए गए बयान पर माफी मांग लें तो उन्हें बोलने दिया जाएगा, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया। बुधवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने कई बार लोकसभा अध्यक्ष से सदन में व्यवस्था बहाल करने और उन्हें बोलने का अवसर देने का आग्रह किया। उनके अनुसार, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत अन्य मंत्रियों को कई बार बोलने का मौका मिला, लेकिन उन्हें अपनी बात रखने की अनुमति नहीं दी गई। राहुल गांधी ने कहा, मुझे कहा गया कि अगर मैं माफी मांग लूं तो मुझे बोलने दिया जाएगा। लेकिन मैं भाजपा, आरएसएस या उनसे जुड़े किसी भी व्यक्ति से कभी माफी नहीं मांगूंगा। नेता प्रतिपक्ष होने के नाते देश के महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाना मेरा अधिकार है। राहुल गांधी ने कहा कि उनके लिए इस समय सबसे अहम मुद्दा दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ हुई कथित बर्बरता है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों पर पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया और उनके साथ अत्यधिक बल प्रयोग हुआ। उन्होंने कहा, प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पैलेट गन से गोली चलाई गई। एक छात्र की आंख में पैलेट लगी है और संभव है कि उसकी आंख की रोशनी चली जाए। मैंने एम्स का मेडिकल सर्टिफिकेट देखा है, जिसमें पैलेट लगने की पुष्टि हुई है। सिर्फ सामान्य लाठी नहीं, बल्कि कीलों वाली लाठियों और इलेक्ट्रिक बैटन का भी इस्तेमाल किया गया। राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह पर सीधे सवाल उठाते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस गृह मंत्रालय को रिपोर्ट करती है और ऐसे मामलों में कार्रवाई गृह मंत्रालय की जानकारी या अनुमति के बिना नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, गृह मंत्री अमित शाह हैं। पैलेट गन का इस्तेमाल उनकी जानकारी या आदेश के बिना नहीं किया जाता। मैंने संसद भवन में खुद अमित शाह को पुलिस अधिकारियों से फोन पर बात करते देखा। केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह को भी लगातार उनके फोन आ रहे थे। इसका मतलब उन्हें पूरी जानकारी थी कि सड़क पर क्या हो रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि इस मामले में केवल दो ही संभावनाएं हैं। या तो उन्होंने पैलेट गन चलाने, कीलों वाली लाठियों और इलेक्ट्रिक बैटन के इस्तेमाल का आदेश दिया, या फिर उन्हें अपने ही मंत्रालय में क्या हो रहा है इसकी जानकारी नहीं थी। अगर उन्होंने आदेश दिया तो वे जिम्मेदार हैं और अगर उन्हें जानकारी नहीं थी तो वे अयोग्य हैं। दोनों ही स्थितियों में उन्हें पद छोड़ देना चाहिए। राहुल गांधी ने दोहराया कि नेता प्रतिपक्ष के तौर पर देश के महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाना उनका संवैधानिक अधिकार है और वे छात्रों के साथ हुई कथित बर्बरता तथा पेपर लीक जैसे मुद्दों पर अपनी आवाज उठाते रहेंगे।

नीट यूजी पेपर लीक मामलाः सीबीआई की चार्जशीट कोर्ट में पेश, अगली सुनवाई 3 अगस्त को

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को राऊज एवेन्यू कोर्ट को बताया कि इस मामले में दाखिल की गई चार्जशीट करीब 20,000 पेज की है। कोर्ट ने चार्जशीट को रिकॉर्ड पर ले लिया है लेकिन उससे जुड़े एनेक्स्चर (संलग्न दस्तावेज) दाखिल करने के लिए सीबीआई को अतिरिक्त समय दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने नोट किया कि चार्जशीट के साथ दस्तावेजों, गवाहों के बयानों और जब्त की गई वस्तुओं की सूची संलग्न की गई है। हालांकि, कोर्ट ने सीबीआई से पूछा कि चार्जशीट में जिन बयानों और अन्य दस्तावेजों का हवाला दिया गया है, वे रिकॉर्ड पर कहां हैं।

इस पर सीबीआई ने अदालत को बताया कि चार्जशीट से जुड़े करीब 20,000 पेज के एनेक्स्चर दस्तावेज अभी स्कैन किए जा रहे हैं। इसी कारण उन्हें दाखिल करने के लिए कुछ और समय की जरूरत है। अदालत ने सीबीआई की इस मांग को स्वीकार करते हुए दस्तावेज दाखिल करने के लिए समय दे दिया। अब इस बहुचर्चित मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त को राउज एवेन्यू कोर्ट में होगी। उम्मीद है कि तब तक सीबीआई चार्जशीट के सभी एनेक्स्चर भी अदालत के समक्ष पेश कर देगी।

इसी बीच, इस मामले में अभियोजन पक्ष को और मजबूत करने के लिए सीबीआई ने महत्वपूर्ण नियुक्तियां भी की हैं। एडवोकेट वीके पाठक और एडवोकेट अर्जुन आनंद को नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई की ओर से राऊज एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट में लोक अभियोजक नियुक्त किया गया है। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामला देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। मामले की जांच सीबीआई कर रही है और अदालत में दाखिल की गई 20 हजार पेज की चार्जशीट को इस जांच का एक अहम चरण माना जा रहा है। अब सभी की नजर 3 अगस्त को होने वाली अगली सुनवाई पर टिकी है।

पिछले 10 सालों में रेल दुर्घटनाओं में 90 प्रतिशत की कमी आई हैः सरकार

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। सरकार ने बुधवार को संसद को बताया कि भारतीय रेलवे में सुरक्षा में काफी सुधार हुआ है। ट्रेन दुर्घटनाओं की संख्या 2014-15 में 135 से घटकर 2025-26 में 16 हो गई है, और चालू वर्ष में जून तक केवल दो दुर्घटनाएं हुई हैं। लोकसभा में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 'कॉन्सिक्वेंशियल एक्सीडेंट इंडेक्स' (प्रति मिलियन ट्रेन-किलोमीटर दुर्घटनाएं) 2014-15 में 0.11 से घटकर 2025-26 में 0.01 हो गया है, जो लगभग 91 प्रतिशत की कमी है। रेल मंत्रालय के बयान में उन कई उपायों और निवेशों का जिक्र किया गया, जिनसे ट्रेन संचालन में सुरक्षा बेहतर हुई है। सुरक्षा से जुड़े कामों पर खर्च लगातार बढ़ा है। यह 2013-14 में 39,200 करोड़ रुपए से बढ़कर 2026-27 में 1,20,389 करोड़ रुपए हो गया है। 6,671 स्टेशनों पर सेंट्रलाइज्ड ऑपरेशन वाले इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम लगाए गए हैं और इन सभी स्टेशनों पर पूरी तरह से ट्रैक सर्किटिंग की सुविधा दी गई है। सुरक्षा बढ़ाने के लिए 10,395 लेवल क्रॉसिंग (एलसी) गेट्स पर इंटरलॉकिंग की सुविधा दी गई है। बयान में आगे कहा गया है कि सभी लोकोमोटिव में विजिलेंस कंट्रोल डिवाइस लगे हैं, और कोहरे वाले इलाकों में लोको पायलटों को जीपीएस-बेस्ड फॉग सेफ्टी डिवाइस दिए गए हैं। जब कोहरे के मौसम में विजिबिलिटी कम होती है, तो क्रू को आगे के सिग्नल के बारे में अलर्ट करने के लिए इलेक्ट्रिफाइड इलाकों में सिग्नल से दो ओएचई मास्ट पहले मास्ट पर रेट्रो-रिफ्लेक्टिव सिग्मा बोर्ड दिए गए हैं। कमियों का पता लगाने और खराब रेल को समय पर हटाने के लिए रेल की अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन (यूएसएफडी) टेस्टिंग, साथ ही लंबी रेल बिछाना, एल्युमिनो थर्मिक वेल्डिंग का इस्तेमाल कम करना और रेल के लिए बेहतर वेल्डिंग टेक्नोलॉजी अपनाना, सेफ्टी बढ़ाने वाली दूसरी कोशिशों में से हैं। स्टाफ को सेफ तरीकों का पालन करने के लिए मॉनिटर करने और एजुकेट करने के लिए रेगुलर इंटरवल पर इंस्पेक्शन किए जाते हैं। मिनिस्टर ने कवच - देश में बना ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (एटीपी) सिस्टम झ्र के इम्प्लीमेंटेशन का भी जिक्र किया, जो लोको पायलट को ऑटोमैटिक ब्रेक लगाकर तय स्पीड लिमिट में ट्रेन चलाने में मदद करता है।

राहुल के 'गोली चलाने' के आरोपों पर जितेंद्र सिंह का पलटवार, 'कोई मंत्री ऐसे आदेश नहीं दे सकता'

- तथ्यों और सबूतों के बिना इस तरह के आरोप लगाना विपक्ष के नेता के पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है : जितेंद्र

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। लोकसभा में पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आरोपों पर तीखा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बिना तथ्यों की पुष्टि किए गंभीर आरोप लगा रहे हैं और उन्हें प्रशासनिक प्रक्रियाओं की बुनियादी जानकारी भी नहीं है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि इतने महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष का रवैया निराशाजनक रहा। उन्होंने कहा कि यह कानून सार्वजनिक परीक्षाओं में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है, लेकिन विपक्ष रचनात्मक सुझाव देने के बजाय इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहा है। उन्होंने कहा, सबसे पहले विपक्ष का आचरण बेहद निराशाजनक है। इतने अहम विधेयक पर सार्थक चर्चा करने और सुझाव देने के बजाय विपक्ष राजनीति कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोकसभा में राहुल गांधी द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा अनुचित थी और सदन की गरिमा के अनुरूप नहीं थी। उन्होंने कहा, मुझे विपक्ष के नेता के व्यवहार पर आश्चर्य है। संसद में जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया, वह उचित नहीं थी। यदि कोई सांसद अपने बारे में किसी तरह की टिप्पणी करना चाहता है तो वह संसद के बाहर कर सकता है, लेकिन सदन के भीतर ऐसी भाषा का कोई स्थान नहीं है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि विपक्ष के नेता का पद अत्यंत सम्मानजनक होता है और यह हैरानी की बात है कि राहुल गांधी को संसदीय मयार्दाओं की बुनियादी जानकारी भी नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि राहुल गांधी का दावा है कि उनकी टिप्पणी किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं थी, तो फिर क्या वह छात्रों के लिए थी। ह्लयदि देश के छात्रों के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया है, तो इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण कुछ नहीं हो सकता। राहुल गांधी द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर छात्रों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश देने के आरोपों को खारिज करते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया गया।

मतदान | **मतदान केदो पर शांतिपूर्ण वोटिंग के लिए सुरक्षा व्यवस्था की चाक चौबंद व्यवस्था**

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव : 3.79 लाख मतदाता आज करेंगे मतदान

- 25 प्रत्याशियों के राजनीतिक भविष्य का होगा फैसला

प्रात : किरण

पटना। बिहार की राजधानी पटना की प्रतिष्ठित बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान गुरुवार को होगा। चुनाव मैदान में कुल 25 प्रत्याशी हैं, जिनके भाग्य का फैसला 3 लाख 79 हजार 616 मतदाता करेंगे। इस उपचुनाव में मुख्य मुकाबला जन सुराज के प्रत्याशी प्रशांत किशोर, राष्ट्रीय जनता दल की उम्मीदवार रेखा गुप्ता और एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा के बीच माना जा रहा है। चुनाव प्रचार मंगलवार शाम समाप्त हो गया। इसके बाद प्रशासन ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया है। बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 422 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। सभी मतदान केंद्रों पर केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों और बिहार पुलिस के जवानों की तैनाती की गई है। प्रशासन के अनुसार, मतदान केंद्रों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय बलों की 14 कंपनियां लगाई गई हैं। इनमें 9 प्लाटून स्वायड, 18 स्टैटिक सर्विलांस टीम, 6 वीडियो सर्विलांस टीम, 3 वीडियो व्यूइंग टीम और 42 सेक्टर पदाधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और दंडाधिकारियों की तैनाती की गई है। मतदान के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए विशेष निगरानी की व्यवस्था की गई है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मतदान केंद्र के आसपास किसी भी प्रकार की भीड़ या अनावश्यक गतिविधि की अनुमति नहीं होगी। मतदाताओं की सुविधा के लिए सभी मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। नगर निगम की ओर से 1,266 कर्मियों की तैनाती की गई है, जो साफ-सफाई, पेयजल और अन्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करेंगे। मतदान केंद्रों पर दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। मतदान सुबह 7 बजे से डाले जाएंगे। तीन अगस्त को मतगणना होगी। मतगणना के लिए बोरिंग रोड स्थित एएन कॉलेज में केंद्र बनाया गया है। प्रशासनिक अधिकारियों ने मतगणना स्थल की तैयारियों की समीक्षा की है। मतगणना केंद्र पर सुरक्षा और निगरानी के लिए विशेष व्यवस्था रहेगी।

प्रशासन ने मतदाताओं से निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की है। मतदान प्रक्रिया पर नजर रखने के लिए कंट्रोल रूम भी बनाया गया है, जहां से चुनाव संबंधी गतिविधियों की निगरानी की जाएगी। बांकीपुर उपचुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। अब चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद मतदाता तय करेंगे कि क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किसके हाथों में जाएगा। गुरुवार को होने वाले मतदान के साथ ही 25 प्रत्याशियों के राजनीतिक भविष्य का फैसला ईवीएम में कैद हो जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

एक साल से फरार अपहरण कांड के आरोपित के घर चिपकाया गया इश्तेहार

फतुहा। थाना कांड संख्या-227/25 के अपहरण मामले में पिछले एक वर्ष से फरार चल रहे आरोपित सोनारू निवासी रिशु कुमार के घर बुधवार को पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर इश्तेहार चिपकाया। मामले के अनुसंधानकर्ता संजय कुमार मिश्रा ने बताया कि आरोपित लगातार फरार चल रहा है। पुलिस ने उसे शीघ्र आत्मसमर्पण करने की चेतावनी देते हुए कहा है कि निर्धारित समय के भीतर सरेंडर नहीं करने पर उसके विरुद्ध कुर्की-जब्ती समेत आगे की कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हथियारों के जखीरे के साथ पिता-पुत्र गिरफ्तार, साजिश नाकाम

फतुहा। पटना ग्रामीण पुलिस ने एसटीएफ से मिली गुप्त सूचना के आधार पर पंडारक थाना क्षेत्र के भगवतीपुर करमौर गांव में बुधवार तड़के छापेमारी कर बड़ी आपराधिक साजिश को विफल करते हुए पिता-पुत्र दयानन्द पासवान एवं अभिषेक कुमार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से 3 देशी कट्टा, 1 पिस्टल (7.65 एमएम), 140 से अधिक विभिन्न बोर के जिंदा कारतूस, गोलियां रखने की 5 बिनडोलियां, 56,200 रुपये नकद तथा 2 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पटना ग्रामीण पुलिस की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह कार्रवाई रात करीब 1:30 बजे की गई। पुलिस का कहना है कि दोनों किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी में थे। गिरफ्तार मुख्य आरोपी दयानन्द पासवान का हत्या, लूट, डकैती सहित कई संगीन मामलों में पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। बरामद हथियारों और कारतूसों को जब्त कर दोनों आरोपितों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

भूमिहीन और भवनहीन विद्यालयों की सूची 24 घंटे में उपलब्ध कराने के निर्देश

पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी की पहल के बाद शिक्षा विभाग ने राज्य के सरकारी भूमिहीन एवं भवनहीन विद्यालयों की अद्यतन सूची 24 घंटे के भीतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। निदेशक, प्राथमिक शिक्षा कुमार निशांत विवेक ने राज्य के सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को पत्र भेज कर ऐसे प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों की समेकित सूची मांगी है।

क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 87वीं समीक्षा बैठक का आयोजन

राजभाषा से संबंधित अनुदेशों का अनुपालन दृढ़तापूर्वक किए जाने की आवश्यकता है: महाप्रबंधक

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर ।पूर्व मध्य रेल, मुख्यालय/हाजीपुर में क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 87वीं बैठक अमरेन्द्र कुमार, अपर महाप्रबंधक की अध्यक्षता में आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री कुमार ने कहा कि पूर्व मध्य रेल क क्षेत्र में स्थित होने के कारण यहाँ अधिकांश कार्य हिंदी में ही होता है फिर भी राजभाषा से संबंधित अनुदेशों का अनुपालन दृढ़तापूर्वक किए जाने की आवश्यकता है. यदि अधिकारीगण छोटे-छोटे आदेश/टिप्पणी हिंदी में लिखें तो हिंदी के प्रयोग-प्रसार की दिशा में एक सकारात्मक माहौल बनेगा और इससे अधीनस्थ कर्मचारी भी हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे. हिंदी की व्यापकता और सार्थकता सभी स्वीकारते हैं. अब समय आ गया है कि हम अपना दैनिक कामकाज हिंदी में करें. सरल और

सहज शब्दों का प्रयोग करें, क्योंकि भाषा प्राथमिक रूप से अभिव्यक्ति और संवाद का माध्यम है. एक टीम के रूप में कार्य करते हुए हम यह सुनिश्चित करें कि धारा 3 (3) समेत राजभाषा के सभी महत्वपूर्ण निर्देशों का अनुपालन कड़ाई से किया जाए तभी बैठक की सार्थकता सिद्ध होगी.

इस अवसर पर राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए कार्मिक विभाग को अपर महाप्रबंधक द्वारा अंतर्विभागीय राजभाषा चल शील्ड प्रदान किया गया. इसे श्री सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी ने प्राप्त किया.

सविता गेडाम, मुख्य राजभाषा अधिकारी सह प्रधान मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर ने अपने वक्तव्य में कहा कि राजभाषा के प्रयोग-प्रसार में आज दृढ़ इच्छाशक्ति की आवश्यकता है. ऐसे बहुत से क्षेत्र हैं जहाँ और अधिक प्रयास करके हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ाए जाने की आवश्यकता है. संघ की राजभाषा नीति के अनुरूप सभी कामकाज शत-प्रतिशत हिंदी में किए जाएं. उन्होंने राजभाषा विभाग द्वारा पिछली तिमाही में किए गए कार्यों का संक्षिप्त ब्यौरा भी दिया.बैठक का संचालन करते हुए उप महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री केशव त्रिपाठी ने कहा कि राजभाषा का प्रचार-प्रसार आपसी सहयोग से ही संभव हो सकता है. मुख्य राजभाषा अधिकारी महोदय के मार्गदर्शन और महाप्रबंधक महोदय के संरक्षण में राजभाषा विभाग हिंदी के प्रयोग-प्रसार को गति प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत है. राजभाषा प्रयोग-प्रसार के इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में पूर्व मध्य रेल के मंडलों, कारखानों आदि के उच्च अधिकारी उपस्थित थे, उन्होंने अपने विभागों, मंडलों आदि में राजभाषा के प्रचार-प्रसार की स्थिति के संबंध में समिति को सूचित किया. इस अवसर पर कई वरिष्ठ रेल अधिकारियों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए. इसके अलावा क्षेत्रीय राजभाषा प्रतियोगिता में सफल अधिकारी/कर्मचारियों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किया गया. बैठक के अंत में धन्यवाद ज्ञापन श्री अनिल कुमार शर्मा, राजभाषा अधिकारी द्वारा दिया गया.

आरडीएसएस स्कीम को लेकर कार्यशाला आयोजित

वितरण कंपनियों के परिचालन क्षमता की हुई समीक्षा

- आरईसी क्षेत्रीय कार्यालय, पटना द्वारा आरडीएसएस अंतर्गत गुणवत्ता आश्वासन कार्यशाला का आयोजन
- विद्युत वितरण कंपनी की गुणवत्ता निगरानी हेतु हुई फील्ड विजिट

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। आरईसी के क्षेत्रीय कार्यालय, पटना के बैनर तले पुनर्निर्मित वितरण क्षेत्र योजना के अंतर्गत गुणवत्ता आश्वासन विषय पर उत्तर बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड एवं दक्षिण बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य आरडीएसएस के अंतर्गत संचालित विभिन्न परियोजनाओं में गुणवत्तापूर्ण कार्य निष्पादन, प्रभावी गुणवत्ता नियंत्रण, मानकों के अनुपालन तथा परियोजनाओं के समयबद्ध एवं पारदर्शी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना था।कार्यशाला में ठइढउ्छ के निदेशक (परियोजना) श्री आई. सी. यादव तथा रइढउ्छ के निदेशक (परियोजना) श्री दीपक कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अधिकारियों ने अपने संबोधन में गुणवत्ता को परियोजनाओं की सफलता का आधार बताते हुए सभी संबंधित एजेंसियों से निर्धारित तकनीकी मानकों एवं गुणवत्ता प्रोटोकॉल का पूर्णतः पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण अवसंरचना न केवल विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ाती है, बल्कि उपभोक्ता संतुष्टि एवं दीर्घकालिक परिसंपत्तियों के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कार्यक्रम में साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड से मुख्य अभियंता रंजीत कुमार , रिजवान अहमद, श्रीराम सिंह , जयशंकर सहनी नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड से मनोज कुमार, भानु प्रसाद समेत दोनों डिस्कॉम से 150 विद्युत अभियंताओं ने भाग लिया।इसके अलावा टर्नकी कॉन्ट्रैक्टर्स प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एजेंसी विभिन्न विनिमार्ता तथा अन्य संबंधित हितधारक शामिल रहे।

कार्यशाला के दौरान गुणवत्ता परीक्षण, निरीक्षण प्रक्रिया, सामग्री की गुणवत्ता, दस्तावेजीकरण, सुरक्षा मानकों, तकनीकी विनिर्देशों के अनुपालन तथा परियोजनाओं में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों एवं उनके समाधान पर विस्तृत चर्चा की गई।आरईसी की ओर से मुख्य कार्यक्रम प्रबंधक एस. के. बागे, योगेन्द्र सिंह , पंकज कपासिया, गुरप्रीत कौर सहित अन्य अधिकारियों ने कार्यशाला में गुणवत्ता निगरानी की सर्वोत्तम प्रक्रियाओं, निरीक्षण व्यवस्था एवं प्रभावी समन्वय पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

उन्होंने आरडीएसएस परियोजनाओं में गुणवत्ता आश्वासन को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु सभी हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय एवं जवाबदेही पर विशेष बल दिया। कार्यशाला का संचालन अभय भारती द्वारा किया गया।

कार्यशाला के उपरांत प्रतिभागियों के लिए परियोजना स्थलों का फील्ड विजिट भी आयोजित किया गया, जिसमें गुणवत्ता निगरानी एवं दस्तावेजीकरण की वास्तविक प्रक्रियाओं का स्थल पर अवलोकन कराया गया।

श्रावणी मेला के मद्देनजर दानापुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर कुछ ट्रेनों का ठहराव

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुरः श्रावणी मेला के दौरान दानापुर मंडल के फतुहा, हरदास बीघा, खुसरूपुर, करौटा, अथमलगोला, मनकठा एवं गांधी हाल्ट/स्टेशनों पर निम्नलिखित ट्रेनों का 30.07.2026 से 28.08.2026 तक अस्थायी ठहराव प्रदान किया जा रहा है -

1.गाड़ी सं. 13402 दानापुर-भागलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस 17.18/17.20 बजे हरदास बीघा तथा 17.23/17.25 बजे खुसरूपुर रुकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

2.गाड़ी सं. 13401 भागलपुर-दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस 09.57/09.59 बजे खुसरूपुर तथा 10.02/10.04 बजे हरदास बीघा रुकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।3. गाड़ी सं. 13332 पटना-धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस 08.53/08.55 बजे फतुहा तथा 09.38/09.40 बजे अथमलगोला स्टेशन पर रुकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

4.गाड़ी सं. 13331 धनबाद-पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस 15.04/15.06 बजे अथमलगोला तथा 15.42/15.44 बजे फतुहा रुकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

5.गाड़ी सं. 18183 टाटा-बक्सर एक्सप्रेस 17.34/17.36 बजे अथमलगोला तथा 17.51/17.53 बजे करौटा स्टेशन पर रुकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

6.गाड़ी सं. 18184 बक्सर-टाटा एक्सप्रेस 06.49/06.51 बजे करौटा तथा 07.08/07.10 बजे अथमलगोला स्टेशन पर रुकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

7.गाड़ी सं. 13287 दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस 04.11/04.13 बजे मनकठा स्टेशन पर रुकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।8.गाड़ी सं. 13288 आरा-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस 22.37/22.39 बजे मनकठा स्टेशन पर रुकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

9.गाड़ी सं 13419 भागलपुर-मुजफ्फरपुर जनसेवा एक्सप्रेस 16.38/16.40 बजे मनकठा स्टेशन पर रुकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

10.गाड़ी सं 13420 मुजफ्फरपुर-भागलपुर जनसेवा एक्सप्रेस 02.35/02.37 बजे मनकठा स्टेशन पर रुकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

11.गाड़ी सं. 13235 साहिबगंज-दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस 19.53/19.55 बजे मनकठा स्टेशन पर रुकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

12.गाड़ी सं. 13236 दानापुर-साहिबगंज इंटरसिटी एक्सप्रेस 08.08/08.10 बजे मनकठा स्टेशन पर रुकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

13.गाड़ी सं. 03235 साहिबगंज-दानापुर स्पेशल 19.53/19.55 बजे मनकठा स्टेशन पर रुकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।14.गाड़ी सं. 03236 दानापुर-साहिबगंज स्पेशल 08.08/08.10 बजे मनकठा स्टेशन पर रुकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

15.गाड़ी सं. 13019 हावड़ा-काठगोदाम बाघ एक्सप्रेस 05.35/05.37 बजे मनकठा स्टेशन पर रुकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

पूरी निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ भयमुक्त माहौल में सम्पन्न करायें चुनावः डीएम

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। मतदान कार्य से जुड़े सभी कर्मी एवं पदाधिकारी पूरी निष्पक्षता एवं पारदर्शिता से अपनी-अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें। बाँकीपुर बालिका उच्च विद्यालय स्थित डिस्पैच सेंटर पर मतदान अधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुये जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री कुन्दन कुमार ने उक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि रात्रि में अपने बूथों पर ही रहें, वहाँ सभी आवश्यक सुविधा की व्यवस्था कर दी गई है। मतदान समय पर शुरू हो जाए इसे अवश्य सुनिश्चित किया जाए. जिलाधिकारी ने मतदान पदाधिकारियों को ई.वी.एम. एवं वी.वी.पैट. जोड़ते समय पूरी सावधानी रखने को कहा। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप मॉकपोल समय पर किया जाये।

सेक्टर दंडाधिकारियों को पूरी सजगता एवं तत्परता से विधि-व्यवस्था एवं असामाजिक तत्वों पर नजर रखने को कहा गया। बाँकीपुर विधान सभा उप चुनाव के अवसर पर 16 जोनल दंडाधिकारी एवं 8 सुपर जोनल दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। वाहन चेक पोस्ट, सीमा सील, नाकेबंदी, नदी गश्ती, अश्वरोही गश्ती तथा जिला के प्रमुख स्थलों पर ड्रॉप गेट के माध्यम से सघन जाँच की व्यवस्था भी की गई है। प्रतिनियुक्त सभी 42 सेक्टर दंडाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारी से खास तौर से कहा गया है कि वे मतदान के दिन गतिशील रहकर अपने क्षेत्र में हर गतिविधि पर नजर रखें एवं भयमुक्त एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करावें।

वरीय पुलिस अधीक्षक श्री कार्तिकेय के. शर्मा ने केन्द्रीय बलों के पदाधिकारियों एवं जिला पुलिस बलों के पदाधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित कराने को कहा। उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्रों पर लगने वाली वोटरों की लाईन को सुव्यवस्थित रखें। यह ध्यान रखने को कहा गया कि मतदाताओं को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। साथ ही अवांछित तत्वों पर कड़ी नजर रखें।

इस अवसर पर पुलिस प्रेक्षक श्री राकेश अग्रवाल, उप विकास आयुक्त श्री शुभम कुमार, निवार्ची पदाधिकारी श्री राघवेन्द्र प्रताव सिंह, उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री विपिन कुमार समेत मतदान दल के सभी पदाधिकारी, सेक्टर दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी, केन्द्रीय बलों के पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

विश्व लिवर दिवस पर बच्चों एवं युवाओं में बढ़ते यकृत रोगों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता

पटना। विश्व लिवर दिवस की पूर्व संध्या पर अमृत आयुर्वेद एवं पंचकर्म क्लिनिक, शेखपुरा (बेली रोड), पटना द्वारा आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम में यकृत (लिवर) से संबंधित रोगों, उनके कारणों एवं आयुर्वेदिक समाधान पर विस्तृत चर्चा की गई।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल, पटना के पूर्व प्राचार्य वैद्य प्रो. दिनेश्वर प्रसाद ने कहा कि बदलती जीवनशैली के कारण आज यकृत विकार न केवल वयस्कों में, बल्कि बच्चों में भी तेजी से बढ़ रहे हैं, जो अत्यंत चिंताजनक है।

यकृत विकार के प्रमुख कारण

वैद्य प्रो. प्रसाद ने यकृत रोगों के प्रमुख कारणों का उल्लेख करते हुए बताया किअत्यधिक तैलीय, मसालेदार एवं जंक फूड का सेवन, रासायनिक युक्त पेय पदार्थ (कोल्ड ड्रिंक, पैकेज्ड जूस), अनियमित दिनचर्या एवं देर रात तक जागरण, बिना चिकित्सकीय परामर्श के दवाओं का अत्यधिक उपयोग, मद्यपान एवं धूम्रपान, विभिन्न प्रकार के संक्रमण (विशेषकर वायरल हेपेटाइटिस), मानसिक तनाव तथा पाचन तंत्र की कमजोरी—ये सभी कारक यकृत में विकृतियां उत्पन्न करते हैं।

बच्चों में यकृत रोग—एक उभरती गंभीर समस्याः उन्होंने विशेष रूप से बताया कि वर्तमान समय में बच्चों में फैटी लिवर, पीलिया (जॉन्डिस), पाचन कमजोरी, भूख में कमी, बार-बार पेट दर्द एवं उल्टी जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं।साथ ही, जन्मजात यकृत विकारों के संदर्भ में उन्होंने चेतावनी दी किबचपन में उपेक्षित यकृत विकार आगे चलकर गंभीर एवं जटिल रोगों का कारण बन सकते हैं। आयुर्वेदिक दृष्टिकोण एवं उपचार

आयुर्वेद में यकृत को ह्लयकृतह्व कहा गया है, जो मुख्यतः पित्त दोष से संबंधित है। पित्त के असंतुलन से यकृत की कार्यक्षमता प्रभावित होती है।उपचार के संदर्भ में उन्होंने बताया किपंचकर्म के अंतर्गत विरेचन कर्म द्वारा पित्त का शोधन अत्यंत लाभकारी है।भुम्यामलकी, कुटकी एवं कालमेघ जैसी औषधियां यकृत रोगों में प्रभावी हैं।रसायन चिकित्सा द्वारा यकृत की कार्यक्षमता को पुनः सुदृढ़ किया जा सकता है। आहार एवं जीवनशैली में सुधार आवश्यकउन्होंने बताया कि बच्चों एवं वयस्कों दोनों के लिहल्का, सुपाच्य एवं ताजा भोजन, हरी सब्जियां, आंवला, नारियल पानी, समय पर भोजन एवं पर्याप्त जल सेवन अत्यंत आवश्यक है।वहीं जंक फूड, कोल्ड ड्रिंक्स, अत्यधिक तला-भुना भोजन, बाजारू स्नैक्स एवं कृत्रिम रंग-फ्लेवर युक्त पदार्थों का सेवन पूर्णतः त्याग करना चाहिए।

साथ ही, नियमित दिनचर्या, पर्याप्त नींद, बच्चों में स्क्रीन टाइम की सीमा तथा योग एवं हल्की शारीरिक गतिविधियों को अपनाना भी जरूरी है।

वो सात दिन के भावपूर्ण मंचन के साथ संपन्न हुआ आदि शक्ति प्रेमनाथ खन्ना नाट्य उत्सव

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। आदि शक्ति प्रेमनाथ खन्ना स्मृति नाट्य उत्सव 2026 के समापन दिवस पर सामयिक परिवेश द्वारा आयोजित नाटक ह्लवो सात दिनह्व का मंचन प्रेमचंद रंगशाला, पटना में किया गया। रंग गुरुकुल द्वारा प्रस्तुत इस नाटक ने माँ-बेटी के रिश्ते, बदलते सामाजिक परिवेश और मानवीय संवेदनाओं को बेहद मार्मिक ढंग से दर्शकों के सामने रखा। वरिष्ठ लेखिका ममता मेहरोत्रा की संवेदनशील कहानी पर आधारित इस नाटक का नाट्यरूपांतरण ब्रह्मानंद पांडेय ने किया है। डिजाइन राजवीर गुंजन और निर्देशन अनामिका का था। ह्लवो सात दिनह्व एक ऐसी माँ और बेटी की कहानी है जिनके बीच प्रेम अटूट है, लेकिन समय, परिस्थितियाँ और जीवन के संघर्ष उनके संबंधों की परीक्षा लेते हैं। जीवन की भागदौड़ में रिश्ते कई बार शब्दों से नहीं, बल्कि मौन, त्याग और एहसास से जीवित रहते हैं। नाटक इन्हीं अनकहे जज्बातों को सशक्त अभिनय और मार्मिक दृश्यों के माध्यम से प्रस्तुत करता है। यह प्रस्तुति दर्शकों को परिवार, माता-पिता और रिश्तों के महत्व पर आत्ममंथन करने के लिए प्रेरित करती है। नाटक का संदेश है कुछ रिश्ते समय से नहीं, प्रेम, विश्वास और संवेदनाओं से जीवित रहते हैं। नाटक के कलाकारों मे महिमा, राजीव दत्ता, अविनाश कुमार, अनामिका, प्रियंका, पूजा, अंजली तिवारी, दिव्यांश एवं खुशबू ने अपनी प्रस्तुति दी। वो सात दिनह्व केवल एक नाटक नहीं, बल्कि रिश्तों, स्मृतियों और मानवीय संवेदनाओं का ऐसा अनुभव है जो दर्शकों के मन में लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ गया।

केन्द्रीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में फायर मॉक ड्रिल का सफल आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुरः केन्द्रीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पूर्व मध्य रेल, पटना में अग्निशमन विभाग, कंकड़बाग, पटना, बिहार सरकार द्वारा एक व्यापक फायर मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य अस्पताल के चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारियों को आग लगने जैसी आपातकालीन परिस्थिति में त्वरित एवं सुरक्षित बचाव कार्यों व अग्निशमन उपकरणों के सही उपयोग तथा आपदा प्रबंधन की प्रक्रियाओं के संबंध में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था।

अग्निशमन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उपस्थित सभी कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में अपनाई जाने वाली सावधानियों एवं प्राथमिक प्रतिक्रिया व सुरक्षित निकासी तथा अग्निशामक यंत्रो के प्रभावी उपयोग का प्रदर्शन कर विस्तार से जानकारी दी। मॉक ड्रिल के दौरान अस्पताल परिसर में आपदा प्रबंधन की तैयारियों का भी आकलन किया गया।

इस अवसर पर अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. सुबोध कुमार मिश्र सहित अस्पताल के सभी चिकित्सक व नर्सिंग अधिकारी, पारामेडिकल स्टाफ एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे तथा उन्होंने मॉक ड्रिल में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने बिहार सरकार के अग्निशमन विभाग, कंकड़बाग, पटना की टीम का आभार व्यक्त किये तथा उन्होंने बताया कि इस प्रकार का नियमित प्रशिक्षण एवं मॉक ड्रिल अस्पताल की आपदा प्रबंधन क्षमता को सुदृढ़ करने तथा मरीजों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारतीय रेलवे ने मिशन-मोड भर्ती के माध्यम से अपने कार्यबल को मजबूत किया

पटना। भारतीय रेलवे के आकार, भौगोलिक वितरण और संचालन की गंभीरता को देखते हुए रिक्तियों का उत्पन्न होना और उन्हें भरना एक निरंतर प्रक्रिया है। नियमित संचालन, प्रौद्योगिकी में परिवर्तन, मशीनीकरण और नवोन्मेषी प्रक्रियाओं के अनुरूप पर्याप्त और उपयुक्त जनशक्ति उपलब्ध कराई जाती है। परिचालन और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार रेलवे द्वारा भर्ती एजेंसियों को अनुरोध भेजकर रिक्तियों को भरा जाता है।आरआरबी परीक्षाएं तकनीकी प्रकृति की होती हैं, जिनमें बड़े पैमाने पर मानव संसाधन और कर्मचारियों की तैनाती और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। रेलवे ने इन सभी चुनौतियों का सामना करते हुए सभी निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करते हुए पारदर्शी तरीके से भर्ती प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न की।रेल मंत्रालय ने इसके अलावा व्यवस्था में सुधार के रूप में ग्रुप सी पदों की विभिन्न श्रेणियों में भर्ती के लिए 2024 से वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित करने की प्रणाली शुरू की है। वार्षिक कैलेंडर की शुरूआत से उम्मीदवारों को निम्नलिखित प्रकार से लाभ हो रहा हैःउम्मीदवारों के लिए अधिक अवसरहर साल योग्य उम्मीदवारों के लिए अवसर,परीक्षाओं की निश्चितता,भर्ती प्रक्रिया, प्रशिक्षण और नियुक्तियों में तेजी।

पूर्व मध्य रेल

ई—निविदा सूचना

उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति/पूर्व मध्य रेल / समस्तीपुर कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे लिखे गये कार्यों के लिए अनुभवी एवं वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से भारतीय रेल के आई.आर.ई.पी.एस वेब पोर्टल पर खुली ई—निविदा के रूप में आमंत्रित करती है।

क्र.सं. : 1, **निविदा सूचना सं.** : SPJ-GSU-2026-27-001, **कार्य का नाम** : (1) Phase-1 Balance work of Parking, Drain, Boundary wall, Landscaping of ABSS station at SLNA, SBV, BNKI, SOU, LSI in the jurisdiction of Dy. CPM/GSU/SPJ. (2) Work of Parking, Drain, Boundary wall, Landscaping of ABSS station at JYG, JNR, SKI & Part-III station building at SKI and holding area at JYG. (3) At Jhanjharpur - Provision of new station building along with facade, CA and improved PA for development of station under ABSS., **निविदा लागत (रूपये में)** : 51,81,93,310.03, **ब्याना की राशि (रूपये में)** : 1,03,63,900.00, **कार्य की समाप्ति अवधि** : 10 माह

1. आई.आर.ई.पी.एस वेब पोर्टल पर ई—निविदा के रूप में निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर पूर्व एवं समय : 04.08.2026 को 15:00 बजे से बढ़ाकर 28.08.2026 को 14:00 बजे तक की जाती है। **2.** बोली आरंभ की तिथि को बढ़ाकर 21.07.2026 से 14.08.2026 किया जाता है। **3.** बोली—पूर्व सम्मेलन की तिथि और समय 05.08.2026 को 11:00 बजे रखा गया है। **4.** वेबसाईट की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है :— वेबसाईट **www.ireps.gov.in** उपरोक्त निविदा से संबंधित यदि कोई भी संशोधन/परिवर्तन किया जाता है तो उसकी सूचना समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं की जायेगी, बल्कि वेबसाईट पर अपलोड कर दी जायेगी।

उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति,
पूर्व मध्य रेल/समस्तीपुर

पीआर/0636/एसपीजे/जीएस/टी/26–27/48

BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT

बिहार सरकार

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
CENTRAL BUILDING DIVISION No.- 01, PATNA

SHORT TIME RATE INVITING TENDER NO.- **01** YEAR 2026-27

(For Special Condition and Description are available in Website :- State.bihar.gov.in/prdbihar)

Rate Invited From Registered Contractors/Reputed Firms/Companies for the Following Items on Dated **11.08.2026** at 1:00 PM in Sealed Envelope. The Place of Submitting Rate Will be Office at Undersigned, Office of Superintending Engineer, S.B.C., B.C.D., Patna. Received Rate will be Opened on Same Day at 3:00 PM in front of Agencies or Their Representatives.

Details of Items :-

Sl No.	Item/Specification
01.	Invitation of Rates for the Supply of Various Materials Required for Different Works Under Central Building Division No.- 01, Patna For the Year 2026-27.

➤ विशेष जानकारी हेतु अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में कार्यावधि में सम्पर्क करें।

Executive Engineer,
Central Building Division No.- 01, Patna

PR. No. 008940 (BCD) 2026-27

For further details please visit : **www.state.bihar.gov.in/prdbihar**

अगर मन में हो एच.आई.वी. अथवा यौन जनित रोग से जुड़े सवाल तो तुरन्त 1097 पर करें कॉल।

भवन निर्माण विभाग

बिहार सरकार

विद्युत कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
विद्युत भवन प्रमंडल संख्या—1, पटना।

शुद्धि—पत्र / आवश्यक सूचना

इस कार्यालय का कोटेशन आमंत्रण सूचना आमंत्रण सं0—26 वर्ष 2026—27, जिसका PR No.008209(BCD) 2026-27 है, के क्रमांक 1 में वर्णित कार्य में Vishweshariya Bhawan Golamber को विलोपित समझा जाय।

शेष अन्य पूर्ववत रहेगा।

विद्युत कार्यपालक अभियंता
विद्युत भवन प्रमण्डल संख्या—01, पटना

PR- 008963 (BCD) 2026-27

विस्तृत सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

महिलाओं के मन से पुलिस का भय दूर करना जरूरी : कृष्णा

बिहटा थाना परिसर में जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम पर जागरूकता कार्यक्रम

- पुलिस और पंचायत प्रतिनिधियों ने महिलाओं को किया जागरूक

प्रातः किरण संवाददाता

पटना, 29 जुलाई। महिलाओं एवं किशोरियों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने और जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम को लेकर बुधवार को बिहटा थाना परिसर में सहयोगी संस्था द्वारा जागरूकता एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस पदाधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों, महिलाओं और किशोरियों ने भाग लिया। इस दौरान महिलाओं की सुरक्षा, कानूनी अधिकार, बाल विवाह, दहेज, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध तथा सरकारी सहायता सेवाओं की जानकारी साझा की गई। वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा केवल पुलिस या कानून की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।कार्यक्रम का शुभारंभ सहयोगी संस्था की प्रतिनिधि रजनी ने किया। उन्होंने कहा कि जेंडर आधारित भेदभाव की शुरूआत जन्म से पहले ही हो जाती है, जिसका असर लड़कियों के पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य और अवसरों पर दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि घरेलू हिंसा, दहेज, यौन हिंसा और भ्रूण हत्या जैसी घटनाएं सामाजिक सोच और पितृसत्तात्मक व्यवस्था का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं और पुरुषों के अधिकार समान हैं और समाज में इस सोच को व्यवहार में उतारने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि थाना परिसर में इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करने का उद्देश्य महिलाओं और किशोरियों के मन से पुलिस एवं थाना के प्रति भय और झिझक को समाप्त करना है, ताकि वे किसी भी समस्या की स्थिति में बिना संकोच पुलिस की मदद ले सकें।

मुख्य वक्ता पु०अ०नि० कृष्णा कुमार ने कहा कि समाज में समानता लाने का सबसे प्रभावी माध्यम शिक्षा है। उन्होंने कहा कि जब बेटियां शिक्षित और आत्मनिर्भर बनती हैं, तब वे दहेज जैसी कुरीतियों के खिलाफ स्वयं उदाहरण बनती हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बेटियों की शादी के लिए संपत्ति बेचने के बजाय उनकी शिक्षा पर निवेश करें।उन्होंने कहा कि पुलिस जनता की मित्र है और हर व्यक्ति की सुरक्षा एवं सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। यदि किसी महिला को पुरुष पुलिस पदाधिकारी से अपनी बात कहने में असहजता महसूस होती है ।

प्रधानमंत्री 20 नवंबर को रखेंगे सकरी और रैयाम चीनी मिल की आधारशिला : मंत्री

- पांच वर्ष में लगेगी 25 नई चीनी मिलें, जिलों में खोजी जा रही भूमि
- राज्य में गन्ना विस्तार पर जोर, किसानों के हित में चलाई जा रही कई योजनाएं
- बिहार गन्ना उद्योग प्रोत्साहन नीति 2026 के आने के बाद बढ़ी निवेशकों की दिलचस्पी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार ने कहा कि मधुबनी जिले के सकरी और दरभंगा जिले में स्थित रैयाम चीनी मिल की 20 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा आधारशिला रखी जाएगी। इसके लिए तैयारी की जा रही है। सरकार द्वारा पांच वर्ष में 25 नई चीनी मिलें स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सकरी और रैयाम की चीनी मिल सहकारिता विभाग के माध्यम से चलाई जाएगी। मंत्री संजय कुमार बुधवार को सूचना भवन के सभाकक्ष में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार की सात निश्चय-3 के ह्यसशक्त उद्योग, सशक्त बिहारह्ण योजना के तहत बिहार में बंद सभी चीनी मिलों को खोलने के साथ ही नई चीनी मिलें स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। ताकि बिहार के अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गन्ना आधारित उद्योगों की स्थापना एवं गन्ना फसल क्षेत्र विकास के लिए बिहार गन्ना उद्योग निवेश प्रोत्साहन नीति 2026 की स्वीकृति प्रदान की गई है। इससे राज्य में गन्ना से जुड़ी उद्योगों को लगाने के लिए निवेशक आकर्षित हो रहे हैं। गन्ना उद्योग मंत्री ने कहा कि गन्ना विस्तार के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। किसानों को अनुदानित दर पर 45 तरह के आधुनिक यंत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। गन्ना की खेती करने के लिए किसानों को प्रेरित किया जा रहा है ताकि गन्ना का पैदावार बढ़ सकें और मिलों को पर्याप्त मात्रा में गन्ना उपलब्ध हो सकें। किसानों को गन्ना की खेती से जोड़ने के लिए कई योजनाएं स्वीकृत की गई है। वहीं गन्ना उद्योग विभाग के सचिव धर्मेंद्र सिंह ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि किसानों के हित के लिए कई योजनाएं शुरू की गई है, जिसमें मुख्यमंत्री गन्ना बीज विकास योजना, गन्ना यांत्रिकरण योजना, गन्ना नर्सरी योजना, नई चीनी मिल क्षेत्रों में गन्ना विस्तार अभियान शुरू किया गया है। राष्ट्रीय स्तर की तीन संस्थानों के साथ एमओयू किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में चीनी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए चीनी मिलों को सुगर कॉम्पलेक्स के रूप में स्थापित किया जाएगा, जिसमें चीनी के साथ ही इथेनॉल, बिजली और बायोगैस का उत्पादन होगा। उन्होंने कहा कि गोपालगंज जिले में स्थित सासामुसा चीनी मिल का पुनः परिचालन के लिए उस क्षेत्र के गन्ना किसानों को पूर्ववर्ती पेराई सत्रों का बकाये गन्ना मूल्य का भुगतान करने के लिए सरकार ने 43 करोड़ की स्वीकृति दी उन्होंने कहा कि इस वर्ष गन्ना की रिकवरी दर 10.3 फीसदी था। जो पिछले वर्ष की तुलना में राष्ट्रीय औसत से अधिक है। विभाग द्वारा संचालित गन्ना विकास की योजनाओं से गन्ना उत्पादन, उत्पादकता और रकबा में बढ़ोतरी होगी। इस मौके पर ईखायुक्त अनिल कुमार झा, संयुक्त ईखायुक्त वेदव्रत सहित विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

चाय की खेती से आत्मनिर्भर बनेंगे सीमांचल के किसान: मंत्री

- चाय विकास योजना के लिए 6.55 करोड़ रुपए स्वीकृत, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार को मिलेगा लाभ

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बुधवार को कहा कि सीमांचल क्षेत्र में चाय की खेती को प्रोत्साहित करने एवं किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार ने किशनगंज, पूर्णिया एवं कटिहार जिलों में 6.55 करोड़ रुपये की लागत से चाय विकास योजना को स्वीकृति प्रदान की है। यह योजना सीमांचल में कृषि विविधीकरण को नई गति देने के साथ-साथ किसानों के लिए रोजगार एवं आय के नए अवसर सृजित करेगी। कृषि मंत्री ने कहा कि बिहार सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए परंपरागत खेती के साथ-साथ उच्च मूल्य वाली फसलों को बढ़ावा दे रही है। सीमांचल की जलवायु एवं प्राकृतिक परिस्थितियां चाय की खेती के लिए अत्यंत अनुकूल हैं। सरकार इस क्षेत्र की प्राकृतिक क्षमता का अधिकतम उपयोग कर किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इस योजना से सीमांचल में चाय की खेती का विस्तार होगा, नए किसानों का जुड़ाव बढ़ेगा तथा क्षेत्र में कृषि आधारित उद्यमिता और स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे किसानों की आमदनी बढ़ने के साथ-साथ सीमांचल की पहचान देश के उभरते चाय उत्पादक क्षेत्र के रूप में और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता एवं मूल्य संवर्धन को विशेष प्राथमिकता दे रही है। बिहार सरकार उसी सोच को आगे बढ़ाते हुए किसानों को नई एवं लाभकारी फसलों से जोड़ने का कार्य कर रही है। चाय विकास योजना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो सीमांचल के कृषि विकास में मील का पत्थर सिद्ध होगी। मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना का क्रियान्वयन पूर्ण पारदर्शिता एवं समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र किसानों को इसका लाभ शीघ्र प्राप्त हो तथा योजना के सभी लक्ष्य प्रभावी रूप से हासिल किए जा सकें।

सहकारिता के माध्यम से मछली पालन को दिया जाएगा बढ़ावा, इससे रुकेगा पलायन : मंत्री

- सहकारिता के जरिए मछली पालन और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बामेती में हुई कार्यशाला

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राज्य सरकार के डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग और सहकारिता विभाग कदम से कदम मिलाकर काम करेंगे। इससे बिहार से पलायन रुकेगा और बेरोजगारी कम होगी। ये बातें डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के मंत्री नंद किशोर राम ने बुधवार को बामेती सभागार में कही। वे बिहार में सहकारिता आधारित मात्स्यिकी विकास एवं मत्स्य निर्यात की संभावना विषय पर बामेती सभागार में हुई एक कार्यशाला-सह-संगोष्ठी में बोल रहे थे।

इसका उद्घाटन डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के माननीय मंत्री नंद किशोर राम और सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम (एनसीडीसी) एवं मत्स्य निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इसमें डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के मंत्री ने कहा कि सिवान में हमारा विभाग वेटलैंड क्लस्टर बनाकर चौर विकास करने जा रहा है। नाबार्ड से हमने 195 करोड़ रुपए सिवान के लिए प्राप्त कर लिए हैं। अब हम सिवान के बाद छपरा, मधुबनी और मोतिहारी में भी कार्य शुरू करने वाले हैं। छपरा में झींगा पालन का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत में सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास का सशक्त माध्यम है। देश के विकास का जो सपना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देखा है, उसे सहकारिता के सहयोग से डेयरी, मत्स्य, पशु संसाधन विभाग साकार करेगा। हम गांवों की गलियों तक विभाग की योजनाएं पहुंचाने का काम करेंगे। मछली पालन आज कृषि के सबसे तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में से एक है। हम मत्स्य पालन में बिहार को आत्मनिर्भर ही नहीं बनाना चाहते हैं, बल्कि इसकी मछली को देश के दूसरे प्रदेशों तक पहुंचाने का काम करेंगे।

प्रगति का सशक्त आधार सहकारिता

इस अवसर पर सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा कि यह कार्यक्रम मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ बिहार को मत्स्य निर्यात के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की महत्वपूर्ण पहल भी है। सहकारिता गांवों की प्रगति का सशक्त आधार है। इसके माध्यम से लाखों परिवारों की आय में वृद्धि की जा सकती है। बिहार के पास नदियां, तालाब, जलाशय जैसे प्रचुर जल संसाधन उपलब्ध हैं। इनका समुचित उपयोग कर हम मत्स्य उत्पादन बढ़ा सकते हैं तथा लोगों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से छोटे-छोटे मत्स्य पालकों को संगठित कर उन्हें नई ताकत देने की कोशिश की जा रही है। आधुनिक तकनीक, नवाचार और सहकारिता के माध्यम से बिहार को मत्स्य उत्पादन एवं निर्यात में अग्रणी राज्य बनाना हमारा संकल्प है। सहकारिता की शक्ति, आधुनिक तकनीक और सामूहिक प्रयासों के बल पर बिहार को मत्स्य उत्पादन, प्रोसेसिंग और निर्यात का अग्रणी राज्य बनाया जा सकता है। इस मौके पर सहकारिता विभाग के सचिव श्री धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम विभाग की फिशरीज सोसाइटीज के ट्रांसफॉर्मेशन और उनके सुदृढ़ीकरण के लिए रखा गया है। भारत सरकार ने सहकारिता के क्षेत्र में कई पहल की हैं, उसमें फिशरीज सेक्टर एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें एनएफडीबी, एनसीडीसी, नाबार्ड इत्यादि सभी संस्थानों का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। वहीं, डेयरी-मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के सचिव शीर्षत कपिल अशोक ने मछली पालकों की समस्याओं को सुना और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए मत्स्य निदेशक तुषार सिंगला को आवश्यक निर्देश दिए। कार्यक्रम में राज्य मत्स्यजीवी संघ के अध्यक्ष ललन कुमार, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रमेश सिंह, मत्स्य निदेशक तुषार सिंगला, नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक गौतम सिंह और एनसीडीसी के निदेशक अतार सिंह मीणा और एनएफडीबी के कार्यकारी निदेशक सहित बड़ी संख्या में मछली पालक मौजूद थे।

प्रकृतिक का संतुलन बनाए रखने के लिए बाघों का संरक्षण जरूरी : मंत्री

- मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय व्याघ्र दिवस के मौके पर पटना जू में चार शावकों का किया नामाकरण
- पेंटिंग प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों और उत्कृष्ट कार्य करने वाले जू कर्मियों को भी किया सम्मानित
- जैव विविधता के संरक्षण के साथ-साथ वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवासों को सुरक्षित करना भी हमारी सामुहिक जिम्मेदारी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। प्रकृतिक और पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने में बाघों की अहम भूमिका है। बाघों का संरक्षण सिर्फ एक वन्यजीव को सुरक्षित करने के नाते करना जरूरी नहीं है। बल्कि, इनका संरक्षण आने वाली पीढ़ियों को इनके बारे में जानकारी देने और दिखाने के लिए भी आवश्यक है। ये बातें पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डॉ. रामचंद्र प्रसाद ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय व्याघ्र दिवस के अवसर पर पटना जू के थ्री-डी थिएटर में आयोजित कार्यक्रम में कही।

इस अवसर पर मंत्री ने पटना जू में जन्म लिए चार बाघ शावकों का नामाकरण रूद्र, तेजस, पूर्णिमा और सृष्टि किया। इस कार्यक्रम में राज्य जैव विविधता पर्षद के अध्यक्ष भरत ज्योति ने कहा कि बाघ संरक्षण के क्षेत्र में पटना जू का योगदान उल्लेखनीय रहा है। पिछले 53 वर्षों में यहां 53 बाघों का पालन-पोशन किया गया। इनमें 36 बाघों का जन्म पटना जू में ही हुआ था। जैव विविधता के संरक्षण के साथ-साथ वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवासों को सुरक्षित करना भी हमारी सामुहिक जिम्मेदारी है।

सफेद बाघों के संरक्षण में बिहार देश में दूसरे स्थान पर : निदेशक

जू के निदेशक हेमंत पाटिल ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि बाघ पारिस्थितिकी तंत्र की खाद्य श्रृंखला को संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्ष 2006 में भारत में बाघों की संख्या 1 हजार 411 थी, जो 2010 में बढ़कर 1 हजार 706 और वर्ष 2022 की गणना में इनकी संख्या बढ़कर 3 हजार 682 तक पहुंच गई। सफेद बाघों के संरक्षण के मामले में बिहार देश में दूसरे स्थान पर है। इस मौके पर मंत्री ने चिड़ियाघर और वन्यजीवों की बेहतर देखभाल करने वाले कर्मियों की सराहना की और उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। चित्रांकन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को भी पुरस्कार प्रदान किया। मंत्री ने जू प्रशासन से ऐसे सराहनीय कार्य करने वाले कर्मचारियों और बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करते रहने की अपील की।

चित्रांकन प्रतियोगिता के विजेता

चित्रांकन प्रतियोगिता में संत करेंस स्कूल की अपराजिता कुमारी ने कैटेगरी-ए, संत माइकल्स स्कूल की आरोही सिंह ने कैटेगरी-बी, कृतिका अमृत ने कैटेगरी-सी तथा ऋषिता सिंह ने कैटेगरी-डी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को समारोह में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभाग के विशेष सचिव आलोक कुमार, मुख्य वन संरक्षक (प्रशासन एवं मानव संसाधन विकास) अमित कुमार, वन संरक्षक (मुख्यालय) सत्यजित कुमार, मंत्री के आप्त सचिव रविश कुमार सहित विभाग के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा पर रामाश्रम सत्संग पहुंचे प्रो. रणबीर नंदन, दिया बड़ा संदेश

पटना। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के अध्यक्ष प्रो. रणबीर नंदन ने सोमवार को वैशाली जिले के हाजीपुर स्थित शाही कॉलोनी में आयोजित रामाश्रम सत्संग के गुरुपूजन समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. ज्योति प्रसाद के आवास पर हुआ। इस दौरान उन्होंने पारंपरिक विधि से गुरुपूजन किया और गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर अपने विचार रखे। समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और साधक मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आध्यात्मिक परंपरा का सम्मान करना और गुरु तत्व के प्रति श्रद्धा प्रकट करना रहा। समारोह को संबोधित करते हुए प्रो. रणबीर नंदन ने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल धार्मिक अनुष्ठान का दिन नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति में आत्मिक जागरण और गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि जीवन में सही मार्गदर्शन का आधार गुरु तत्व है और इसी के माध्यम से आत्मबोध की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। उनके अनुसार गुरु व्यक्ति के भीतर सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करते हैं और जीवन को संतुलित दिशा देते हैं। प्रो. रणबीर नंदन ने कहा कि गुरुपूजन केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक है।

सरकार ने मात्र 32,388 पदों की अधियाचना को भेजकर शिक्षक अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया है: अरुण

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने कहा कि बिहार सरकार ने ळफए-4 के अंतर्गत मात्र 32,388 शिक्षकों के पदों की अधियाचना बिहार लोकसेवा आयोग को भेजकर राज्य के लाखों शिक्षक अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री रहते हुए सम्राट चौधरी ने चौथे चरण में 1 लाख 20 हजार से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति करने का घोषणा कई बार किया था। लेकिन अब केवल 32,388 पदों की अधियाचना बिहार लोकसेवा आयोग) को भेजकर अपने ही घोषणा से पीछे हट गई है सरकार। यह स्पष्ट रूप से बिहार के शिक्षक अभ्यर्थियों के साथ वादाखिलाफी है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि बिहार के सरकारी विद्यालयों में आज भी बड़ी संख्या में शिक्षकों के पद रिक्त हैं।

लोकतंत्र के महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लें मतदाता भाजपा रचेगी जीत का नया कीर्तिमान : सरावगी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए 30 जुलाई को होने वाले मतदान से पूर्व मतदाताओं से लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता अपने घर से निकलकर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। उन्होने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है, जब अधिक से अधिक लोग मतदान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। हर एक वोट बांकीपुर के उज्ज्वल भविष्य, सुशासन और निरंतर विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा बांकीपुर उपचुनाव में जीत का एक नया कीर्तिमान स्थापित करने जा रही है। जनता का व्यापक समर्थन भाजपा के साथ है और मतदाताओं का आशीर्वाद एक बार फिर कमल के पक्ष में मिलेगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी ने एक समर्पित, कर्मठ और जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध कार्यकर्ता नीरज कुमार सिन्हा को विधानसभा में जनता का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया है। विजयी होने के बाद बांकीपुर में विकास की जो रफ्तार पिछले वर्षों में बनी है, उसे और अधिक गति देने का कार्य करेंगे तथा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

रैयाम एवं सकरी की बंद पड़ी चीनी मिलों को पुन: शुरू करने का निर्णय मिथिलांचल के विकास में मील का पत्थर

पटना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय सरावगी ने दरभंगा के रैयाम एवं मधुबनी के सकरी में बंद पड़ी चीनी मिल परिसरों में नई सहकारी चीनी मिलों तथा गन्ना उपोत्पाद आधारित उद्योगों के लिए स्वीकृत परियोजनाएं प्रदान करने के निर्णय के लिए बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया है। सरावगी ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय गन्ना किसानों, स्थानीय युवाओं और मिथिलांचल के औद्योगिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे किसानों को गन्ने की बेहतर बाजार व्यवस्था और नए अवसर मिलेंगे, वहीं स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

नीतीश कुमार के 'सुशासन मॉडल' को आगे बढ़ा रही है एनडीए सरकार : उमेश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि नीतीश कुमार ने अपनी दूरदर्शी नीतियों के बल पर पिछले दो दशकों में विकास, सुशासन और न्याय के साथ विकास की लंबी लकीर खींचकर बिहार की नई पहचान गढ़ी है। उस विकास यात्रा को मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी के नेतृत्व में एनडीए सरकार पूरी प्रतिबद्धता और निरंतरता के साथ आगे बढ़ा रही है। श्री कुशवाहा ने कहा कि वर्ष 2005 के बाद नीतीश कुमार ने बिहार की बड़ी आबादी को गरीबी, पिछडेपन और बदहाल व्यवस्था से निकालकर विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनके नेतृत्व में सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन हुए, जिससे आम जनजीवन में सकारात्मक बदलाव आया।

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के कुशल मार्गदर्शन तथा सम्राट चैधरी के नेतृत्व में एनडीए सरकार सात निश्चय-3 के संकल्पों को धरातल पर उतारते हुए विकसित बिहार के निर्माण की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ रही है। श्री नीतीश कुमार ने सात निश्चय-1 और सात निश्चय-2 के माध्यम से प्रदेश के सुदूर गांवों ताक विकास की किरणें पहुंचाईं। हर घर नल का जल, पक्की गली-नाली, निर्बाध बिजली आपूर्ति तथा आधारभूत संरचना के व्यापक विस्तार ने गांवों की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल दी हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश कुमार के करिश्माई नेतृत्व का ही परिणाम है कि लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद गत विधानसभा चुनाव में एंटी-इनकम्बेंसी नहीं, बल्कि प्रो-इनकम्बेंसी फैक्टर दिखाई दिया और एनडीए ने 202 सीटों पर ऐतिहासिक विजय प्राप्त की। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार जनता के उसी विश्वास और भरोसे पर खरा उतरते हुए विकसित बिहार के संकल्प को साकार करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उपसभापति प्रो रामवचन राय के आवास पहुँचे नीतीश कुमार

बड़ी बहन से भी मिले, लिया आशीर्वाद एवं जाना कुशलक्षेम

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार ने बुधवार को बिहार विधान परिषद के उपसभापति प्रो. रामवचन राय के भूतनाथ रोड स्थित निजी आवास पर पहुँचकर उनसे आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रो. राय एवं उनके परिवारजनों का भी हालचाल जाना। मुलाकात के दौरान नीतीश कुमार और प्रो रामवचन राय के बीच विभिन्न समसामयिक विषयों पर भी चर्चा हुई। इसके साथ ही नीतीश कुमार अपनी बड़ी बहन के निजी आवास पहुँचे, उनका आशीर्वाद लिया तथा उनका कुशलक्षेम भी जाना। इस अवसर पर जदयू के आईटी प्रकोष्ठ के प्रभारी मनीष कुमार भी मौजूद रहे। इन मुलाकातों के दौरान बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन कुमार सर्राफ साथ रहे।

फेसलेस तरीके से छह माह में बने साढे नौ लाख आरसी

- परिवहन विभाग की 50 सेवाएं अब पूरी तरह ऑनलाइन
- आवेदकों को कार्यालय आने की जरूरत खत्म

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। परिवहन विभाग ने डिजिटल क्रांति के तहत अपनी प्रमुख सेवाओं को पूर्ण रूप से ऑनलाइन और फेसलेस बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वर्तमान में विभाग की 50 परिवहन सेवाएं (लाइसेंस, परमिट और पंजीकरण) पूरी तरह फेसलेस हैं। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, विगत छह माह में 9.49 लाख रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी), 51 हजार परमिट, 4.94 लाख लर्निंग लाइसेंस और 3.72 लाख ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) सफलतापूर्वक निर्गत किए गए है। विभाग ने जनसुविधा केंद्रों के साथ भी समझौता किया है, जिससे दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी इन सेवाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। इस पहल से आम नागरिकों बार-बार कार्यालय चक्कर लगाने को लंबी कतारों की परेशानी से मुक्ति मिल गई है।

डिजिटल होने से तेज हुई प्रक्रिया: सचिव: परिवहन सचिव ने राज कुमार ने कहा कि विभाग का लक्ष्य है कि हर नागरिक को परिवहन सेवाएं बिना किसी परेशानी के प्राप्त हों। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 50 फेसलेस सेवाओं की मदद से यह प्रक्रिया न केवल तेज बल्कि पूरी तरह पारदर्शी भी हुई है। इससे ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों तक परिवहन संबंधी सेवाएं आसानी से मिल रही है। आने वाले समय में और नागरिक-केंद्रित सेवओं को इसमें जोड़ा जाएगा।

परिवहन विभाग की ये सेवाएं मिल रहीं ऑनलाइन : परिवहन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर वाहन 4.0 सॉफ्टवेयर और सारथी 4.0 सॉफ्टवेयर की सेवाएं 24७7 उपलब्ध हैं। इनमें एलएल, डीएल, कमर्शियल लाइसेंस का नवीनीकरण, नाम, पता, फोटो, हस्ताक्षर और बायोमेट्रिक्स अपडेट, वाहन स्वामित्व हस्तांतरण और परमिट जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इनसे पैसे की बचत के साथ बिचौलियों पर भी अंकुश लगाया जा रहा है।

ट्रांसजेंडर समाज का सम्मान और सशक्तिकरण सरकार की प्राथमिकता: मंत्री

- समाज कल्याण मंत्री की अध्यक्षता में बिहार राज्य किन्नर कल्याण बोर्ड की बैठक आयोजित
- पहचान पत्र, रोजगार, मानदेय और स्थायी कार्यालय समेत कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। ट्रांसजेंडर हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्हें सम्मान, समान अवसर और समाज की मुख्यधारा में स्थान दिलाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। ये बातें बुधवार को समाज कल्याण विभाग की मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता ने कही। मंत्री बिहार राज्य किन्नर कल्याण बोर्ड की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक कर रही थी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ट्रांसजेंडर समुदाय की किसी भी जायज मांग को अनदेखा नहीं किया जाएगा। उनके कल्याण से जुड़े हर मुद्दे पर कार्रवाई की जाएगी। मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किन्नर कल्याण बोर्ड के सदस्यों का विवरण तथा जिला संरक्षण सेल से संबंधित आवश्यक जानकारियां शीघ्र ही विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने यह भी घोषणा करते हुए कहा कि किन्नर कल्याण बोर्ड की बैठक अब प्रत्येक तीन महीने पर नियमित रूप से आयोजित की जाएगी। ताकि समुदाय से जुड़े मुद्दों की नियमित समीक्षा और तुरंत समाधान किया जा सके।

कौशल विकास मिशन के तहत निशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त करने का अनुभव: मौके पर राज्य सरकार की योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव भी सामने आया। ट्रांसजेंडर समुदाय की एक सदस्य ने कौशल विकास मिशन के तहत निशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त करने का अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस पहल ने उनके जीवन में आत्मनिर्भरता की नई राह खोली है। विभाग की ओर से कौशल विकास मिशन के माध्यम से ट्रांसजेंडर समुदाय को पूरी तरह निशुल्क कौशल आधारित प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसरों से जोड़ा जा रहा है।

कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर हुई चर्चा: मौके पर ट्रांसजेंडर पहचान पत्र के निर्बाध निर्गमन, रोजगार एवं सरकारी नौकरियों में आरक्षण, किन्नर कल्याण बोर्ड के लिए स्थायी कार्यालय, विभाग और बोर्ड के बीच समन्वय के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति, विभागीय वेबसाइट पर बोर्ड सदस्यों का विवरण उपलब्ध कराने, सदस्यों के लिए उचित मानदेय निर्धारित करने तथा सभी सरकारी विभागों में नियमित जागरूकता एवं संवेदीकरण कार्यशालाएं आयोजित करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को भी रखा गया।

प्रतिनिधियों ने आभार व्यक्त किया: इस दौरान ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रतिनिधियों ने मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी पहल और व्यक्तिगत रुचि के कारण ही समुदाय को अपनी समस्याओं और सुझावों को सीधे सरकार के समक्ष रखने का अवसर मिला। मंत्री ने सभी सदस्यों को खुलकर अपनी बात रखने के लिए प्रोत्साहित किया और प्रत्येक सुझाव को गंभीरता से सुना। बैठक में समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव एच आर श्रीनिवास, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, बोर्ड के सदस्य एवं ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पिच डेक प्रिपरेशन पर जीईसी मधुबनी में कार्यशाला आयोजित

राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय (जीईसी), मधुबनी के स्टार्टअप सेल द्वारा स्टार्टअप बिहार एवं उद्योग विभाग, बिहार सरकार के सहयोग से पिच डेक प्रिपरेशन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विद्यार्थियों एवं नवोदित उद्यमियों को स्टार्टअप आइडिया को निवेशकों के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की जानकारी दी गई। कार्यशाला की मुख्य वक्ता प्रो. प्रिया नाथ, फैकल्टी सीआईएमपी एवं कार्यकारी निदेशक, टीआईई पटना ने पिच डेक की संरचना, समस्या-समाधान, बाजार की संभावनाओं एवं वित्तीय योजना से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राणा प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों को नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वहीं स्टार्टअप सेल के फैकल्टी इंचार्ज प्रो. शशांक सौरभ ने विद्यार्थियों को संस्थान एवं सरकार की ओर से मिलने वाले सहयोग का लाभ उठाने की अपील की। जिला स्टार्टअप कॉर्डिनेटर कुमार हार्दिक ने बिहार स्टार्टअप नीति-2022 के तहत उपलब्ध सुविधाओं, मेंटरशिप, इन्क्यूबेशन एवं वित्तीय सहायता की जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन जिला उद्योग केंद्र, मधुबनी के महाप्रबंधक अमित विक्रम भारद्वाज के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यशाला में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं नवोदित उद्यमियों ने भाग लिया।

स्पीडी ट्रायल में हथियार मामले के दो आरोपियो को सजा

मधुबनी। खिरहर थाना कांड संख्या-95/25 (दिनांक 21.08.2025) में स्पीडी ट्रायल के तहत न्यायालय ने दो आरोपियो को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। मामले में मनपौर निवासी दीपक कुमार यादव और कृष्ण मोहन यादव को आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-b) के तहत 2 वर्ष कठोर कारावास एवं 5 हजार रुपये अर्थदंड तथा धारा 26 के तहत 1 वर्ष कठोर कारावास एवं 2 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई है। जुर्माना नहीं देने पर अतिरिक्त कारावास का प्रावधान किया गया है। मधुबनी पुलिस की त्वरित कार्रवाई, अनुसंधान एवं प्रभावी अभियोजन के कारण मामले में शीघ्र दोषसिद्धि संभव हुई। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर मुख्य अभियोजन पदाधिकारी श्री सुभाष चंद्र मंडल ने प्रभावी पैरवी की।

बेनीपुर बाजार में अतिक्रमण हटाओ अभियान, सड़क किनारे अवैध कब्जे हटाए गए

बेनीपुर (दरभंगा)। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के उद्देश्य से बुधवार को बेनीपुर मुख्य बाजार से आशापुर टावर चौक तक प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार झा के नेतृत्व में चले इस अभियान के दौरान सड़क किनारे अवैध रूप से लगाए गए ठेले, अस्थायी दुकानें तथा अन्य अतिक्रमण को हटाया गया। अभियान के दौरान जेसीबी मशीन एवं नगर परिषद की टीम ने सड़क की भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को हटाकर मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराया। प्रशासन का कहना है कि इस कार्रवाई से सड़क की चौड़ाई बढ़ेगी, जिससे बाजार क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने अतिक्रमणकारियों को दोबारा सड़क किनारे कब्जा नहीं करने की सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि आम लोगों की सुविधा और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए इस तरह का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। इस अभियान में प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार वर्ण, बहेड़ा थानाध्यक्ष पंकज कुमार, नगर परिषद पदाधिकारी कुमार संभव, पुलिस बल तथा नगर परिषद के कर्मी शामिल रहे। प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान बाजार क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरातफरी की स्थिति बनी रही, लेकिन अभियान समाप्त होने के बाद यातायात सामान्य हो गया।

नीट छात्र आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमे होंगे वापस, सरकार ने शुरू की प्रक्रिया

दरभंगा। नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक के खिलाफ हुए छात्र आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमों को वापस लेने की आधिकारिक पहल राज्य सरकार ने शुरू कर दी है। गृह विभाग के निर्देशानुसार 26 जुलाई 2026 तक प्रदर्शनकारियों पर दर्ज सभी एफआईआर वापस लेने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। लोक अभियोजक अमरेंद्र नारायण झा ने बताया कि छात्र आंदोलन से संबंधित मामलों की वापसी के लिए महाधिवक्ता, बिहार, पटना हाईकोर्ट का पत्र प्राप्त हुआ है। आंदोलन के दौरान बिरौल थाना कांड संख्या 511/26 में तीन नामजद एवं 100 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया था। वहीं लहेरियासराय थाना कांड संख्या 428/26 में 30 नामजद एवं सैकड़ों अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उन्होंने बताया कि महाधिवक्ता के पत्र के आलोक में जिला दंडाधिकारी से विमर्श कर मुकदमा वापसी की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी।

डीएम ने दिल्ली मोड़ बस स्टैंड में चल रहे कार्यो का किये निरीक्षण, दिये आवश्यक निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा । जिलाधिकारी कौशल कुमार ने आज दिल्ली मोड़ बस स्टैंड पर चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया गया।इस दौरान बस स्टैंड परिसर में चल रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने बुडको के परियोजना निदेशक को बस स्टैंड निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ यथाशीघ्र कराने का निर्देश दिया।जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बस स्टैंड भवन निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए तथा नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान सहायक समाहर्ता श्रीमती कल्पना रावत, सदर अनुमंडल पदाधिकारी कुमार गौरव, अभय कुमार परियोजना निदेशक बुडको, अभियंता गण एवं संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नेपाली शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार एसएसबी की कार्रवाई

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर।भारत-नेपाल सीमा पर अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जयनगर के पिपरौन समवाय ने कार्रवाई करते हुए 180 लीटर नेपाली देशी शराब बरामद की तथा एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।एसएसबी को सूचना मिली थी कि सीमा स्तंभ संख्या 284/19 के रास्ते नेपाल से शराब की खेप भारत लाई जा रही है। सूचना के आधार पर जवानों ने विशेष नाका लगाकर कार्रवाई की। इस दौरान कुछ तस्कर बोरी लेकर आते दिखे, लेकिन एसएसबी को देखकर वे भागने लगे। जवानों ने पीछा कर एक तस्कर को पकड़ लिया, जबकि अन्य भागने में सफल रहे।तलाशी के दौरान पांच बोरियों से 600 बोतल नेपाली देशी शराब बरामद हुई, जिसकी कुल मात्रा 180 लीटर है। गिरफ्तार तस्कर के पास से एक ओप्पो मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति हरलाखी थाना क्षेत्र का निवासी बताया गया है। बरामद शराब और गिरफ्तार तस्कर को अग्रिम कार्रवाई के लिए हरलाखी थाना पुलिस को सौंप दिया गया है।कमांडेंट, 48वीं वाहिनी एसएसबी जयनगर ने बताया कि सीमा पर तस्करी रोकने के लिए लगातार गश्ती और विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं तथा तस्करी में शामिल लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

भारतीय संस्कृति मे गुरु का स्थान महत्वपूर्ण : प्राचार्य दिनेश पाण्डेय

औरंगाबाद। सदर प्रखण्ड के योद्धा नगर के औरंगाबाद मे गुरु पूर्णिमा के मौके पर गुरु महोत्सव कार्यक्रम धूम धाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयोजक कपिलदेव संगीत महाविद्यालय के प्राचार्य दिनेश पाण्डेय ने की। जब की संचालन संगीत शिक्षक राजीव पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम का उदघाटन जिला कला संस्कृति पदाधिकारी कुमार पप्पू राज ने की। कार्यक्रम की शुरूवात गुरु महाराज की पूजा अर्चना के बाद कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अध्यक्षता कर रहे कपिलदेव संगीत महाविद्यालय के प्राचार्य दिनेश पाण्डेय ने कहा कि आज का दिन छात्रों के लिए खुशी का दिन है। उपस्थित शिष्यों एवम उसके अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि अज्ञानता से मुक्ति और ज्ञान की प्राप्ति मानवीय जीवन मे ज्ञान का महत्व है और यही कारण है कि व्यक्ति स्वयं मे असत्य को भगाकर सत्य को आत्म साथ करता है। इस लिए भारतीय संस्कृति मे गुरु का स्थान महत्वपूर्ण माना जाता है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के अंदर मे जो भी आध्यात्मिक क्रांतिकारी बदलाव आई है। जिसमें गुरु की भूमिका अहम रही है। गुरु भगवान नही होते है परंतु गुरु ही अपने शिष्यों को भगवान तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्तय करता है। जिला कला संस्कृति पदाधिकारी कुमार पप्पू राज ने भी कहा कि,गुरु का प्रकाश शिष्य के भीतर जग जाए तो वह छात्र मे अज्ञानता भाग जाएगी और ज्ञान से प्रकाश की ओर ले जाता है। इस मौके पर उपस्थित गायिका डिम्पल भूमि ने भक्ति गीत से दर्शकों को मन मोह लिया। सबसे पहले गुरु के चरणों को प्रणाम कर गुरु के चरण मे जब तेरा मन होगा तभी सफल तेरा जीवन होगा गीत की शुभारंभ की तो दर्शकों ने तालिया की बछौर कर दी। एक से एक बढ़कर भक्ति गीतों से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया । इस मौके पर सौम्य श्री के नृत्य पर दर्शकों में खूब तालिया बजाई ।इस मौके पर सुशील कुमार पाण्डेय उमाकांत वर्मा राजीव रंजन पाण्डेय आकाश चौहान चंदन कुमार सिंह अनामिका कुमारी अनुराग मिश्रा बब्लू कुमार समेत भारी संख्या मे लोग उपस्थित रहे ।

कॉस्मेटिक उत्पादों में छिपाकर 8 .666 किलोग्राम गांजा नेपाल ले जा रहे दो भारतीय गिरफ्तार

बैंकॉक से काठमांडू पहुंचे थे दोनो आरोपी, कॉस्मेटिक उत्पादो में छिपाकर लाई गई थी गांजे की खेप

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। नेपाल पुलिस के लागू औषध नियन्त्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल पर बड़ी कार्रवाई करते हुए कॉस्मेटिक उत्पादों के भीतर छिपाकर लाया जा रहा 8.666 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। इस मामले में महाराष्ट्र के दो भारतीय नागरिको को गिरफ्तार किया गया है।नेपाल पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बैंकॉक से थाई एयरवेज की उड़ान टीजी-309 से काठमांडू पहुंचे यात्रियों की प्रोफाइलिंग एवं जांच के दौरान दोनो संदिग्धो को रोका गया। तलाशी लेने पर उनके सामान में रखे विभिन्न कॉस्मेटिक उत्पादों के भीतर सावधानीपूर्वक छिपाकर रखा गया 8.666 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियो की पहचान सिद्धनाथ उत्तम जाधव (33 वर्ष), निवासी वीटा, महाराष्ट्र तथा सोमनाथ शंकर खडके (29 वर्ष), निवासी अमलनेर, महाराष्ट्र के रूप में हुई है।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 8.666 किलोग्राम गांजा, दो पासपोर्ट और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए है। दोनो आरोपियो के विरुद्ध नेपाल के प्रचलित मादक पदार्थ संबंधी कानून के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।यह कार्रवाई नेपाल पुलिस के लागू औषध नियन्त्रण ब्यूरो और त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल सुरक्षा इकाई द्वारा संयुक्त रूप से की गई।

यूनिक चिल्ड्रेन्स एकेडमी में विश्व बाघ दिवस पर प्रतियोगिता आयोजित, विजेता छात्र पुरस्कृत

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड के सिंघिया घाट स्थित यूनिक चिल्ड्रेन्स एकेडमी में वन विभाग रोसड़ा के सौजन्य से विश्व बाघ दिवस के अवसर पर निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।प्रतियोगिता के निबंध एवं पेंटिंग वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आरव कुमार, अनुष्का कुमारी, पलक कुमारी, वैष्णवी आनंद और कल्पना कुमारी को डायरी, कलम तथा इंस्ट्रूमेंट बॉक्स देकर पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही अनुकल्प, अन्या रतन, नेहा, खुशबू सहित प्रतियोगिता में शामिल सभी छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए नए पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य अर्जुन कुमार ने की तथा संचालन शिक्षक अमरनाथ चौधरी ने किया।मौके पर वन क्षेत्र पदाधिकारी मनीष कुमार भारती, वन परिसर पदाधिकारी मोहम्मद इंसाफ काजमी, पूर्व आत्मा अध्यक्ष रामनाथ सिंह और विनय भूषण सहित कई गणमान्य लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए।

एसएसबी व पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में ब्राउन सुगर के साथ 02 नेपाली नागरिक गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 48वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, जयनगर की बाह्य सीमा चौकी बेतौन्हा एवं जयनगर पुलिस की संयुक्त टीम ने एक सफल कार्रवाई करते हुए 10 ग्राम ब्राउन शुगर तथा एक मोटरसाइकिल बरामद कर नेपाल के दो नागरिकों को गिरफ्तार किया है। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई थाना जयनगर द्वारा की जा रही है। प्राप्त विश्वसनीय आसूचना के आधार पर सीमा चौकी बेतौन्हा एवं बिहार पुलिस की संयुक्त विशेष गश्ती टीम द्वारा बेतौन्हा गांव के समीप सघन जांच अभियान चलाया गया। दो संदिग्ध व्यक्तियों को एक मोटरसाइकिल सहित रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 10 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। मौके पर डॉग स्क्वाड को बुलाकर संदिग्ध पदार्थ की जांच कराई गई, जिसमें मादक पदार्थ होने की पुष्टि हुई। इसके अतिरिक्त ड्रग डिटेक्शन किट से परीक्षण करने पर भी पदार्थ की पुष्टि हुई।प्रारंभिक पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि वे उक्त मादक पदार्थ भारत के जोगिया गांव से प्राप्त कर नेपाल के धरमपुर (जिला सिरहा) अपने निजी उपयोग के लिए ले जा रहे थे। गिरफ्तार दोनों व्यक्तियों का पता धरमपुर, थाना गोलबाजार, जिला सिरहा, मधेश प्रदेश (नेपाल) है। बरामद 10 ग्राम ब्राउन शुगर, एक मोटरसाइकिल तथा दोनों गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें अग्रिम कार्यवाही हेतु थाना जयनगर को सुपुर्द किया गया है। मामले में की गई कार्रवाई में ब्राउन शुगर बरामद 10 ग्राम। मामले 02 नेपाली नागरिक आरोपी गिरफ्तार।एक मोटरसाइकिल जब्त किया गया।कमांडेंट, 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध शराब एवं अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी रोकने के लिए सशस्त्र सीमा बल पूरी सतर्कता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। बिहार पुलिस एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर सीमा क्षेत्र में निरंतर प्रभावी अभियान चलाए जा रहे हैं। सीमा पार होने वाली प्रत्येक अवैध गतिविधि पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है तथा दोषियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर साई की पालकी शोभायात्रा निकाली गई

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। जिला के जयनगर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कमला बांध साईं नगर स्थित श्री शनि साईं धाम मन्दिर में हर्षोल्लास धूमधाम के साथ धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन कर श्रद्धालुओं के द्वारा गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया गया।मंदिर और मंदिर में स्थापित साईं बाबा और नंदी एवं भगवान शनि देव की प्रतिमा को भव्यता से सजाया गया । साई का मनोरम श्रृंगार एवं झांकी आकर्षण का केंद्र बना हुआ था। मन्दिर के पुजारी विमल मिश्रा के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण और विधि विधान के साथ विशेष पूजा पाठ भव्य आरती की गई । साईं नगर मंदिर परिसर से बीच बैंड बाजे के साथ हाथो में ध्वज लिए साई का सजा हुआ रथ की झांकी के साथ साईं बाबा की भव्य साई की पालकी शोभायात्रा निकाली गई। साई की पालकी शोभायात्रा यात्रा मन्दिर परिसर से शुरू होकर नगर भर्मण कर पुनः मन्दिर परिसर पहुँची। साईं की पालकी की झलक पाने और पालकी को अपने कंधो पर लेने को लेकर लोगो की काफी भीड़ देखी गई।सड़क किनारे खड़े लोगो के द्वारा पालकी की पूजा कर साईं बाबा की पालकी पर लोगों के द्वारा फूल बरसाया जा रहा था। शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु हाथो में ध्वज लिए ढोल नगारों शंख के धुन पर झूमते नाचते द्वारा ॐ साईं राम जय श्री राम जय शनिदेव के जय कारें जय घोष लगाया जा रहा था। उद्घोष जयकारें से क्षेत्र गुंजयमान और धार्मिक अनुष्ठान आयोजन से क्षेत्र भक्तिमय हो गया।विशेष पूजा पाठ के साथ संगीतमय साई कथा का वाचन किया गया। कथा के माध्यम से साई बाबा और नंदी एवं शनिदेव की पूजा अर्चना उनकी कृपा लीलाओ का वर्णन कर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कथा का श्रवण कर उनपर अमल करें पीड़ित जरूरत मन्दों और माता पिता बुर्जगों की सेवा परिजनों का मान सम्मान सत्कर्म कर जैसे प्रभु श्री राम के लिए हनुमान ने सेवा की थी ठीक उसी तरह निःस्वार्थ भाव से सत्कर्मी बन सेवा करे।मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम ने अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय प्राप्त की थी यह हम सभी के लिये प्रेरणा दायक हैं। गुरु के द्वारा अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय की प्रेरणा देते हैं। ईश्वर की आराधना प्रवचन सत्संग कथा का श्रवण सुनने भजन कीर्तन और सत्कर्म करने से मोक्ष का मार्ग मिलता हैं मन को शांति मिलती हैं एवं मन पवित्र रहता है। संस्कारी और शिक्षित बने नशा पान से दूर रहे। आयोजकों ने बताया कि धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम का सभी के सहयोग से किया जा रहा है । शाम में महाप्रसाद विशाल भंडारा का आयोजन किया गया।

मादक पदार्थो की तस्करी के विरुद्ध मधुबनी पुलिस एवं एसएसबी की संयुक्त कार्रवाई

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। 186 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, चार पहिया वाहन जब्त मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत मधुबनी पुलिस एवं सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने 186 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजा की अनुमानित कीमत करीब 90 लाख रुपये बताई गई है।जानकारी के अनुसार, दिनांक 28 जुलाई 2026 को मधुबनी पुलिस एवं एसएसबी की संयुक्त टीम द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर मधवापुर थाना क्षेत्र में कार्रवाई की गई। इस दौरान गांजा तस्कर बिन्देश्वर महतो, पिता- झुन्नी महतो, निवासी- बलवा, थाना- मधवापुर, जिला- मधुबनी को गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार तस्कर के पास से 186 किलोग्राम गांजा एवं तस्करी में प्रयुक्त एक चार पहिया वाहन बरामद किया गया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ कर तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है।मधुबनी पुलिस ने बताया कि जिले में मादक पदार्थो की तस्करी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा इस तरह के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

साइबर क्राईम मामले में यूपी एसओजी टीम ने जयनगर से संदिग्ध को दबोचा

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर पुलिस के सहयोग से इस्लामपुर में हुई कार्रवाई, पूछताछ के लिए उत्तर प्रदेश ले गई टीम जयनगर। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले में सामने आए साइबर ठगी के एक मामले की जांच के सिलसिले में उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) टीम ने जयनगर में छापेमारी कर एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार संदिग्ध की पहचान जयनगर थाना क्षेत्र के इस्लामपुर निवासी मो. नवीस के रूप में बताई गई है। आवश्यक कानूनी एवं कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद एसओजी टीम उसे अपने साथ उत्तर प्रदेश ले गई।जानकारी के अनुसार, महराजगंज साइबर थाना के एसआई योगेश चंद्र के नेतृत्व में एसओजी टीम जयनगर पहुंची थी। टीम ने स्थानीय पुलिस से संपर्क कर मामले की जानकारी साझा की और जयनगर पुलिस के सहयोग से इस्लामपुर में छापेमारी कर संदिग्ध को अपने कब्जे में लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, साइबर ठगी के इस नेटवर्क की जांच के दौरान एसओजी टीम अब तक उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न स्थानों से आधा दर्जन से अधिक संदिग्धों एवं आरोपितों को पकड़ चुकी है। जांच में कथित तौर पर फर्जी सिम कार्ड के माध्यम से मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर साइबर ठगी किए जाने की बात सामने आई है। मामले की तकनीकी जांच, सिम डंपिंग और अन्य वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर जांच टीम संदिग्धों तक पहुंचने में जुटी हुई थी। बताया जाता है कि गिरफ्तार संदिग्ध के संबंध में भी जांच टीम को महत्वपूर्ण सुराग मिले थे। इसके बाद आरोपितों की निशानदेही और तकनीकी जांच के आधार पर एसओजी टीम जयनगर पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से कार्रवाई की। जयनगर थानाध्यक्ष रमण कुमार ने एसओजी टीम द्वारा संदिग्ध को पकड़े जाने और उसे उत्तर प्रदेश ले जाने की पुष्टि की है। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी है। वही मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

खम्हार स्कूल में निर्वाचन साक्षरता क्लब का गठन, रोल प्ले से सीखी मतदान प्रक्रिया

विभूतिपुर/समस्तीपुर। भारत निर्वाचन आयोग के जागरूकता अभियान के तहत जगतारणी उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय खम्हार में निर्वाचन साक्षरता क्लब का गठन किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने के लिए रोल प्ले और मॉडलिंग के माध्यम से मतदान की पूरी प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया।प्रधानाध्यापिका आरती आनंद ने विद्यार्थियों से इस सीख को अपने अभिभावकों और आस-पड़ोस के लोगों के साथ साझा करने की अपील की ताकि समाज में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़े। कार्यक्रम के दौरान एक ज्ञानवर्धक क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें नौवीं कक्षा से साक्षी कुमारी व सत्यम कुमार और दसवीं कक्षा से दीपशिखा व प्रिंस कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियो की डीएम ने की समीक्षा, अधिकारियो को दिए समयबद्ध निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। स्वतंत्रता दिवस 2026 के सफल एवं गरिमामय आयोजन को लेकर जिलाधिकारी आनंद शर्मा की अध्यक्षता में वर्चुअल माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में समारोह स्थल की साफ-सफाई, मंच निर्माण, बैरिकेडिंग, विद्युत, पेयजल, सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा सुविधा, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अन्य तैयारियो की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागो को सभी कार्य समय-सीमा के अंदर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने पुलिस केंद्र परिसर में आवश्यक मरम्मत, रंग-रोगन, साफ-सफाई एवं मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।बैठक में बताया गया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुलिस केंद्र में प्रातः 9 बजे राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके बाद जिले के विभिन्न सरकारी कार्यालयों में निर्धारित समय पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित होंगे। समारोह में परेड, राष्ट्रगान, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दलों को सम्मानित करने की व्यवस्था की जाएगी।डीएम ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय गौरव का पर्व है। आयोजन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य कर समारोह को भव्य एवं व्यवस्थित रूप से सफल बनाएं।

स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनीः भोला और इंजेश रहे अव्वल

विभूतिपुर/समस्तीपुर। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्लस टू श्री राम जी झा स्मारक आदर्श उच्च विद्यालय में प्रधानाध्यापक रत्नेश कुमार की अध्यक्षता में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन स्थानीय विधायक अजय कुमार, पैक्स अध्यक्ष शशिकांत झा और प्रधानाचार्य ने दीप प्रज्वलित कर किया।विज्ञान शिक्षक मुकेश कुमार एवं गौतम विहारी के मार्गदर्शन में छात्रों ने कई नवाचार पेश किए। यशवंत कुमार और मिथिलेश कुमार के निर्णायक मंडल ने विजेताओं का चुनाव किया, जिसमें नौवीं कक्षा से भोला कुमार और दसवीं से इंजेश कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं नौवीं से प्रिंसी व श्रेयांश और दसवीं से शिवानी व अदिति नीलम द्वितीय स्थान पर रहीं। संगीत शिक्षक राजू रमन बिहारी की प्रस्तुति ने सबका मन मोहा। स्कूल के सभी शिक्षकों के सहयोग से कार्यक्रम सफल रहा।

52वीं राज्य स्तरीय जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता के लिए प्रशिक्षण शिविर शुरू

दरभंगा। 52वीं बिहार राज्य स्तरीय जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता की तैयारी को लेकर दरभंगा जिला के बालक वर्ग का प्रशिक्षण शिविर आज से कुंवर सिंह महाविद्यालय में शुरू किया गया।जिसका उद्घाटन डॉ. अभय कुमार, खेल अधिकारी, कुंवर सिंह महाविद्यालय ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में महाविद्यालय के प्रधान लिपिक हर्षवर्धन कुमार सिंह, राजा कुमार, लाल कुमार,प्रेम प्रकाश,प्रियदर्शी,नवल किशोर यादव सहित महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे। दरभंगा जिला कबड्डी संघ की ओर से आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में कुल 20 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। यह शिविर 4 अगस्त से 6 अगस्त तक पटना में आयोजित होने वाली 52वीं बिहार राज्य कबड्डी प्रतियोगिता जूनियर के लिए लगाया गया है। इस अवसर पर दरभंगा जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष पप्पू कुमार सिंह, सचिव मोहम्मद अखलाकुर रहमान, सितारे हसन, पवन कुमार,बादल कुमार एवं शोएब खान भी मौजूद थे।

जीविका की बदौलत बदल रही है महिलाओं की किस्मत : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में संगम जीविका महिला विकास स्वालंबी सहकारी समिति लिमिटेड का वार्षिक आम सभा का आयोजन शहर के एक निजी होटल में किया गया. जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला पदाधिकारी मुजफ्फरपुर कुमार गौरव, उप विकास आयुक्त निशांत सिहारा, प्रशिक्षु आईएएस सौरभ कुमार और डीडीएम नाबार्ड सुमन प्रभा और डीपीएम जीविका के साथ में सीएलएफ की दीदियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की. इस दौरान नाबार्ड द्वारा 832874 का चेक पशु सखियों के लिए दिया गया. कार्यक्रम के दौरान जीविका दीदियों ने वार्षिक आमसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 कुल लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि विगत वित्तीय वर्ष में करीब 20 लाख रुपए का मुनाफा हुआ है. वही तकरीबन 20 करोड रुपए संगम से जुड़ी दीदियों के बीच में वितरित किया गया है. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अधिकारी ने कहा कि जीविका की बदौलत महिलाएं अपनी किस्मत बदल रही है,ग्रामीण परिवेश में रहते हुए छोटे से आर्थिक सहयोग से एक बड़ा समूह महिलाओं के लिए काफी कारगर साबित हो रहा है. मुजफ्फरपुर जिले की महिलाएं सरकार से जुड़ी हर योजना का लाभ लेकर आगे बढ़ रही है. जिसमें जीविका का अहम योगदान है. जीविका से जुड़कर महिला स्वरोजगार करते हुए स्वावलंबी बन रही है साथ हीं अपने परिवार को भी आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत कर रही हैं. वही उप विकास आयुक्त ने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए जीविका सरकार की हर योजनाओं को हर घर तक पहुंचा रही है. जिससे ग्रामीण क्षेत्र के साथ-साथ शहरी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर बढ़े हैं. कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया जिससे स्वच्छता को लेकर अलग-अलग कचरा पेटी के इस्तेमाल की जानकारी दी गई. वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर लगाकर महिलाओं की जांच भी की गई और उद्योग विभाग द्वारा उद्योग आधार के लिए भी पंजीयन के लिए महिलाओं को जानकारी दी गई. इस अवसर पर मंच संचालन मास्टर बुक कीपर मीना देवी ने किया. कार्यक्रम में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए दीदियों ने पौधा,शॉल और स्मृति चिन्ह भी भेंट किया. डीपीएम अनीशा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर संगम संकुल स्तरीय संघ को कई बार आत्मनिर्भर संगठन अवार्ड से नवाजा जा चुका है. इसके साथ ही संगम संकुल स्तरीय संघ से जुड़ी महिलाओं की एक अलग ही सफलता की कहानी रही है, जिसको लेकर देश के कई राज्यों से बड़े अधिकारी और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि दल भी इनके कार्य को देखने मुजफ्फरपुर आ चुके हैं .इस अवसर पर कई दीदियों को पुरस्कृत भी किया गया. इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मीना देवी लेखापाल, संजीत कुमार कोऑर्डिनेटर,सुनील कुमार क्षेत्रीय समन्वयक, उद्यमी कुसुम देवी, बेबी देवी, सरिता देवी, अध्यक्ष रेहाना खातून, सचिव राजलक्ष्मी देवी, कोषाध्यक्ष नीलम देवी, उपाध्यक्ष आशा देवी, एवं संगम कि निर्देशक मंडल का अहम योगदान रहा. कार्यक्रम के दौरान संचार प्रबंधक राजीव रंजन, प्रशिक्षण प्रबंधक रितेश कुमार,प्रशिक्षण अधिकारी प्रशांत कुमार,शिवम कुमार, रोशन कुमार, राजेश कुमार के साथ कई जीविका कर्मी और दीदियाँ उपस्थित थी.

मास्टर स्ट्रोक साबित होगा प्रतियोगी परीक्षाओं में कदाचार के विरुद्ध बना नया कानून : सांसद

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। युवाओं तथा छात्र छात्राओं के प्रतिभा तथा योग्यता को वाजिब हक तथा सम्मान देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा एंटी पेपर संशोधित बिल का ध्वनि मत से पारित होना इस बात का परिचायक है कि परीक्षा में धांधली तथा अनियमितता रोकने के लिए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्र की एनडीए सरकार प्रतिबद्ध है। एंटी पेपर संशोधित बिल के पास होने से देश स्तर पर शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी तथा भ्रष्टाचारियों पर लगाम लगेगा। भारतीय जनता पार्टी के सांसद सह लोकसभा में पार्टी सचेतक डा गोपाल जी ने संसद में पारित हुए इस कानून की सराहना करते हुए कहा है कि मोदी सरकार ने पेपर लीक माफिया पर शिकंजा कसने के लिए संसद में ह्यसार्वजनिक परीक्षा में अनुचित साधनों की रोकथाम संशोधन विधेयक, 2026 को पारित कर भ्रष्टाचारियों के मंसूबे को चकनाचुर कर दिया है। सांसद डा ठाकुर ने इस नए कानून के प्रावधानों पर चर्चा करते हुए कहा है कि विधेयक में 10 साल तक की जेल, 50 लाख तक का जुमार्ना, संगठित गिरोहों द्वारा पेपर लीक कराने पर अधिकतम 10 साल की जेल और 10 करोड़ तक के जुमार्ने, दोषी एजेंसियों पर 5 करोड़ की पेनल्टी तथा फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से 3 महीने के भीतर न्याय का व्यवस्था की गई है। एंटी पेपर लीक मामले पर विपक्षी दलों के रवैए की आलोचना करते हुए कहा है कि देश के करोड़ों छात्रों के भविष्य से जुड़े इस महत्वपूर्ण विधेयक पर भी विपक्ष ने देश स्तर पर ओछी राजनीति संसद के भीतर हंगामा और संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित कर अपनी संकीर्ण सोच का परिचय दिया है तथा देश के सामने विपक्ष का चेहरा बेनकाब हो गया है।

मुजफ्फरपुर में नवविवाहिता का इंस्टाग्राम अकाउंट हैक, अश्लील फोटो-वीडियो वायरल कर मांगी 10 लाख की रंगदारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में साइबर अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। नगर थाना क्षेत्र में एक नवविवाहिता का इंस्टाग्राम अकाउंट हैक कर फर्जी सोशल मीडिया आईडी बनाने, आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो वायरल करने तथा 10 लाख की रंगदारी मांगने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता के भाई की शिकायत पर नगर थाना पुलिस ने आईटी एक्ट सहित संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राथमिकी के अनुसार, पीड़िता की शादी करीब छह महीने पहले हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद एक युवक ने इंस्टाग्राम के माध्यम से युवती से दोस्ती की और विश्वास में लेकर उसका अकाउंट हैक कर लिया। इसके बाद आरोपी को पीड़िता के निजी डेटा तक पहुंच मिल गई, जिसके आधार पर उसने ब्लैकमेलिंग शुरू कर दी।शिकायत में कहा गया है कि आरोपी ने फोन कर 10 लाख की मांग की। रुपये नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। जब परिवार ने रंगदारी देने से इनकार कर दिया, तो आरोपी ने पीड़िता, उसके भाई, भाभी और अन्य रिश्तेदारों के नाम से फर्जी सोशल मीडिया आईडी बनाकर उन पर पीड़िता की आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो पोस्ट कर दिए।पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपी उसके पति को लगातार संदेश भेजकर पत्नी को तलाक देने का दबाव बना रहा था। वहीं, कानूनी कार्रवाई की बात करने पर परिवार को गाड़ी से कुचलकर जान से मारने की धमकी भी दी गई।नगर थाना पुलिस ने पीड़िता के भाई के आवेदन पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि साइबर सेल की मदद से तकनीकी जांच की जा रही है और आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है।

उत्तर बिहार में उमस बरकरार, अधिकतम तापमान 33.4 दर्ज, फिलहाल बारिश नहीं

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा स्थित जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केंद्र द्वारा जारी मौसम बुलेटिन के अनुसार बुधवार को उत्तर बिहार में मौसम गर्म और उमसभरा रहा। दिन का अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जारी आंकड़ों के अनुसार सुबह 7 बजे सापेक्ष आर्द्रता 89 प्रतिशत और दोपहर 2 बजे 69 प्रतिशत रही, जिससे लोगों को उमस का एहसास हुआ। इस दौरान 15 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चली। मौसम केंद्र के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोई वर्षा दर्ज नहीं की गई। वहीं वाष्पोत्सर्जन 6.8 मिलीमीटर रिकॉर्ड किया गया, जो कृषि गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल मौसम में उमस बनी रह सकती है।

किसानों को सलाह दी गई है कि वे मौसम के पूर्वानुमान पर नजर रखते हुए खेती से जुड़े कार्यों की योजना बनाएं।

मीनापुर छात्रा अपहरण मामला : शिक्षक कुश कुमार POCSO कोर्ट से दोषी करार, 3 अगस्त को सजा पर होगी सुनवाई

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मीनापुर की एक छात्रा केअपहरण मामले में विशेष ढडउरड एक्ट कोर्ट संख्या-1 के न्यायाधीश धीरेंद्र मिश्रा ने आरोपी शिक्षक कुश कुमार को दोषी करार दिया है। अब मामले में सजा के बिंदु पर 3 अगस्त को सुनवाई होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक नरेंद्र कुमार ने अदालत में पांच गवाहों की गवाही कराई, जिसके आधार पर कोर्ट ने आरोपी को दोषी माना।अभियोजन के अनुसार, पीड़िता के पिता ने 15 जून 2026 को मीनापुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उनकी पुत्री को कोचिंग पढ़ाने आने वाला शिक्षक कुश कुमार बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। शिक्षक का परिवार से पहले से परिचय था और वह नियमित रूप से छात्रा को पढ़ाने आता था। प्राथमिकी में बताया गया कि 12 जून को पीड़िता के माता-पिता अस्पताल गए थे। अगले दिन घर लौटने पर उनकी पुत्री घर पर नहीं मिली। काफी खोजबीन के बाद जानकारी मिली कि शिक्षक कुश कुमार चार अन्य लोगों के साथ मिलकर छात्रा को अपने साथ ले गया है। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने 16 जून को मानिकपुर क्षेत्र से छात्रा को बरामद कर सुरक्षित अभिरक्षा में लिया। इसके बाद आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसे दिल्ली लेकर गया था।जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने 30 जून 2026 को आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र अदालत में दाखिल किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने पांच गवाहों को पेश किया, जिनकी गवाही और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर विशेष ढडउरड कोर्ट ने शिक्षक कुश कुमार को दोषी करार दिया।अब इस मामले में 3 अगस्त को सजा के बिंदु पर सुनवाई होगी, जिसके बाद अदालत दोषी शिक्षक को दी जाने वाली सजा पर अपना अंतिम फैसला सुनाएगी।

गायघाट में ताड़ के पेड़ से गिरकर युवक की मौत, पुलिस जांच में जुटी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिला ।गायघाट थाना क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में ताड़ के पेड़ से गिरने के कारण एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान धबौली गांव निवासी संजय साहनी, पिता अकलू साहनी के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संजय साहनी ताड़ के पेड़ पर चढ़े हुए थे। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन उनकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही गायघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने मामले की जांच के लिए एफएसएल टीम को भी सूचना दे दी है।पुलिस ने बताया कि शव को अभिरक्षा में लेकर पोस्टमार्टम सहित अग्रेतर विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है ,और पूरे गांव में शोक का माहौल है।थाना प्रभारी जेपी गुप्ता ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दहेज के लिए प्रताड़ना का आरोप: नवविवाहिता ने पति सास और रेलवे कर्मी ससुर पर दर्ज कराई FIR

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मिठनपुरा थाना क्षेत्र की रहने वाली एक नवविवाहिता ने शादी के कुछ ही महीनों बाद पति और ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर महिला थाना पुलिस ने पति, सास और रेलवे में दारोगा के पद पर कार्यरत ससुर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।पीड़िता ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि उसकी शादी फरवरी 2025 में राजस्थान में पूरे रीति-रिवाज और धूमधाम से हुई थी। उसके अनुसार, शादी में परिजनों ने करीब पांच लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण, पांच लाख रुपये नकद तथा अन्य व्यवस्थाओं पर लगभग 15 लाख रुपये खर्च किए थे।महिला का आरोप है कि शादी के बाद गुजरात के राजकोट स्थित ससुराल पहुंचने पर शुरूआती दिनों में सब कुछ सामान्य था, लेकिन कुछ समय बाद पति, सास और ससुर ने मायके से अतिरिक्त 10 लाख रुपये दहेज लाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी और उसे जलाकर या जहर देकर मारने की धमकी दी जाती थी। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उसे पर्याप्त भोजन तक नहीं दिया जाता था।आवेदन में महिला ने ससुर पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उसका कहना है कि अकेले मिलने पर ससुर गलत नीयत से अमानवीय व्यवहार करते थे। वहीं सास द्वारा गाली-गलौज करने और एक बार गुस्से में उसके चेहरे पर गर्म चाय फेंकने का भी आरोप लगाया गया है। पीड़िता का दावा है कि मारपीट के बाद उसे बेहोश कर उसका वीडियो बनाया जाता था, ताकि उसे मानसिक रूप से विक्षिप्त साबित किया जा सके।महिला के अनुसार, अक्टूबर 2025 में ससुराल वालों ने उसके सभी गहने अपने कब्जे में ले लिए और उसे अहमदाबाद से अकेले विमान में बैठाकर मायके भेज दिया। इसके बाद जून 2026 में जब वह अपने परिजनों के साथ राजकोट स्थित ससुराल समझौते के उद्देश्य से पहुंची, तो आरोपियों ने धक्का-मुक्की कर सभी को घर से बाहर निकाल दिया और बिहार आकर जान से मारने की धमकी दी।महिला थाना पुलिस ने पीड़िता के आवेदन के आधार पर पति, सास और ससुर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रोजगार मेले में सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

मुजफ्फरपुर। जिलाधिकारी कुमार गौरव ने कहा है कि नियोजन सह मार्गदर्शन मेले का उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना और उन्हें उनकी योग्यता के अनुरूप अवसर दिलाना है। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार से जोड़ने के साथ-साथ कौशल विकास और स्वरोजगार के लिए भी लगातार प्रयास कर रही है। रोजगार मेले में युवाओं को सिर्फ नौकरी के अवसर ही नहीं, बल्कि करियर काउंसिलिंग, कौशल प्रशिक्षण, स्वरोजगार योजनाओं और विभिन्न सरकारी योजनाओं की भी जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि जिला स्तरीय रोजगार मेले का मकसद गांव और छोटे शहरों के युवाओं को भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध रोजगार के अवसरों से जोड़ना है। अवर प्रादेशिक नियोजनालय के अधिकारियों ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में मुजफ्फरपुर में आयोजित विभिन्न जॉब कैंपों के माध्यम से 1,314 अभ्यर्थियों को रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है। इसके अलावा नियोजनालय में करियर इंफॉर्मेशन सेंटर, डिजिटल लाइब्रेरी, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए स्टडी किट तथा स्वरोजगार के दच्छक यवाओं के लिए टल किट जैसी सविधाएं भी उपलब्ध कराई जाअधिकारियों ने युवाओं से अपील की कि वे जिला नियोजनालय में अपना पंजीकरण कराकर सरकार की रोजगार एवं कौशल विकास योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

पूसा में क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति REAC की बैठक संपन्न, 200 से अधिक किसानों ने रखी समस्याएं

प्रात : किरण संवाददाता

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, के विद्यापति सभागार में मंगलवार को क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में 200 से अधिक किसान और प्रसार परिषद के सदस्य शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र की जमीनी समस्याओं की पहचान कर अगले वर्ष के लिए अनुसंधान और प्रसार की प्राथमिकताएं तय करना था। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय ने की। कार्यक्रम की शुरूआत प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.के. झा के स्वागत उद्बोधन से हुई। इसके बाद अनुसंधान निदेशक डॉ. ए.के. सिंह ने प्रारंभिक वक्तव्य दिया। स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. मयंक रायऔर ने भी सभा को संबोधित किया। बैठक के मुख्य सत्र में किसानों की समस्याएं एवं क्षेत्रीय कृषि चुनौतियां विषय पर जिला-वार चर्चा हुई। विभिन्न जिलों से आए किसानों ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं। प्रमुख मुद्दों में कीट एवं रोग का प्रकोप, गुणवत्तापूर्ण बीज की अनुपलब्धता, सिंचाई की कमी, मिट्टी की उर्वरता में गिरावट, बाजार में मूल्य में उतार-चढ़ाव और जलवायु परिवर्तन से फसलों को हो रहा नुकसान शामिल रहे। कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों, विभागीय अधिकारियों और अन्य विशेषज्ञों ने भी जमीनी स्थिति पर जानकारी दी। बैठक में किसानों द्वारा उठाई गई सभी समस्याओं को संकलित किया गया। निर्णय लिया गया कि निदेशालय अनुसंधान इन समस्याओं में से शोध योग्य मुद्दों की पहचान करेगा और उन्हें आगामी अनुसंधान परिषद की बैठक में प्रस्तुत करेगा। प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में वैज्ञानिक समाधान उपलब्ध कराने के लिए शोध कार्य शुरू किए जाएंगे। अपने अध्यक्षीय भाषण में कुलपति डॉ. पी.एस. पाण्डेय ने कहा कि आज किसानों ने जो समस्याएं बताई हैं, वही हमारे विश्वविद्यालय का शोध एजेंडा बनेंगी। प्रयोगशाला तक सीमित रहकर शोध करने से बेहतर है कि हम खेत की जरूरत के हिसाब से काम करें। जेडआरईएसी का उद्देश्य ही अनुसंधान और प्रसार को किसान-केंद्रित बनाना है। निदेशालय अनुसंधान प्राथमिकता के आधार पर इन मुद्दों पर प्रस्ताव तैयार कर परिषद में रखेगा, ताकि त्वरित समाधान निकल सके। विश्वविद्यालय किसानों के साथ मिलकर टिकाऊ और लाभकारी कृषि को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।अनुसंधान निदेशक डॉ. ए.के. सिंह ने बताया कि संकलित समस्याओं को हम तीन वर्गों में बांटेंगे - त्वरित समाधान वाले, मध्यम अवधि के शोध वाले और दीर्घकालिक नीतिगत हस्तक्षेप वाले। उन मुद्दों को प्राथमिकता दी जाएगी जिनका सीधा असर उत्पादकता और किसानों की आय पर पड़ता है। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.के. झा ने कहा कि कृषि विग्यान केंद्र के माध्यम से विश्वविद्यालय किसानों की समस्याओं के इन समाधान के लिए तत्पर है। बैठक देर शाम तक चली। इसमें क्षेत्र के लिए अनुसंधान एवं प्रसार की प्राथमिकताएं और अनुशंसाएं अंतिम रूप से तय की गईं। इसके बाद खुली चर्चा कर अनुशंसाओं को अंतिम आकार दिया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की अनुशंसाओं को आगामी कृषि वर्ष की कार्ययोजना में शामिल कर समयबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।

नमामि गंगे की क्विज प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

मधुबनी। जिला गंगा समिति, नमामि गंगे एवं नगर निगम, मधुबनी के संयुक्त तत्वावधान में उच्च माध्यमिक विद्यालय, रामपट्टी में स्वच्छता, जल एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का निर्देशन जिला परियोजना पदाधिकारी (डीपीओ) आनंद अंकित ने किया। नौ चरणों तक चले मुकाबले में आदित्य राज ने प्रथम, खुशी कुमारी ने द्वितीय, पारितोष कुमार राय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सफल प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डीपीओ आनंद अंकित ने कहा कि जल एवं पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। ऐसी प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने स्वच्छता, जल संरक्षण एवं पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प लिया।

किशोर न्याय परिषद के नवीनीकृत कार्यालय का हुआ उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। किशोर न्याय परिषद, मधुबनी के नवीनीकृत कार्यालय का सोमवार को संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया गया। उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश पवन कुमार पाण्डेय एवं जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा ने किया। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, प्रधान दंडाधिकारी किशोर न्याय परिषद, जिला बाल संरक्षण इकाई के अधिकारी, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष व सदस्य सहित कई पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। नवीन कार्यालय उपलब्ध होने से विधि-विरुद्ध किशोरों के मामलों में त्वरित निर्णय एवं बेहतर कार्य संचालन में सुविधा मिलेगी। किशोर न्याय परिषद ने जिला प्रशासन एवं न्यायालय के सहयोग के लिए प्रसन्नता व्यक्त की।

रैयाम व सकरी चीनी मिल परियोजना से मिथिलांचल को मिलेगी नई औद्योगिक पहचान : संजय सरावगी

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने दरभंगा के रैयाम एवं मधुबनी के सकरी में बंद पड़ी चीनी मिल परिसरों में नई सहकारी चीनी मिलों तथा गन्ना उपोत्पाद आधारित उद्योगों की स्थापना के लिए बिहार सरकार द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया है। श्री सरावगी ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय गन्ना किसानों, स्थानीय युवाओं और मिथिलांचल के औद्योगिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे किसानों को अपनी उपज के लिए बेहतर बाजार मिलेगा, जबकि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि रैयाम और सकरी में सहकारी चीनी मिलों की स्थापना से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। साथ ही गन्ना आधारित उद्योगों एवं उसके उपोत्पादों पर आधारित नए उद्योगों के विकास की संभावनाएं बढ़ेंगी, जिससे मिथिलांचल के औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को नई ऊर्जा मिलेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बिहार सरकार का यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प तथा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में विकसित एवं आत्मनिर्भर बिहार के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस जनहितकारी निर्णय के लिए मुख्यमंत्री के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

रैयाम-सकरी चीनी मिलों के पुनर्जीवन का फैसला ऐतिहासिक मिथिलांचल को मिलेगी नई रफ्तार : ईश्वर मंडल

दरभंगा। दरभंगा ग्रामीण विधायक सह जदयू जिलाध्यक्ष राजेश कुमार उर्फ ईश्वर मंडल ने बिहार कैबिनेट द्वारा रैयाम एवं सकरी स्थित बंद पड़ी चीनी मिल परिसरों में नई सहकारी चीनी मिलों तथा गन्ना उपोत्पाद आधारित उद्योगों की स्थापना को मंजूरी दिए जाने के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने इसे मिथिलांचल के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम बताया। विधायक श्री मंडल ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों से बंद पड़ी चीनी मिलों के पुनर्जीवन से क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। साथ ही हजारों गन्ना किसानों को अपनी उपज के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से स्थानीय युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे, निवेश को बढ़ावा मिलेगा तथा गन्ना आधारित उद्योगों के विस्तार से मिथिलांचल की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य सरकार का यह निर्णय क्षेत्र के समग्र आर्थिक एवं औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

होमगार्ड जवान सुमित यादव के परिजनों को 25 लाख मुआवजा व अनुकंपा पर नौकरी मिले : विष्णुदेव सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा जिले के कुशेश्वरस्थान निवासी होमगार्ड जवान सुमित कुमार यादव की सड़क दुर्घटना में हुई मौत पर राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि एवं बिहार गृह रक्षा वाहिनी स्वयं सेवक संघ के पूर्व केंद्रीय उपाध्यक्ष विष्णुदेव सिंह यादव ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि सुमित कुमार कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित एवं समर्पित होमगार्ड जवान थे। उनके असामयिक निधन से विभाग ने एक कर्मठ जवान और समाज ने एक जिम्मेदार नागरिक को खो दिया है, जबकि परिवार पर गहरा आर्थिक एवं मानसिक संकट आ गया है। विष्णुदेव सिंह यादव ने बिहार सरकार से मांग की कि दिवंगत जवान के आश्रित परिवार को 25 लाख की आर्थिक सहायता, परिवार के एक योग्य सदस्य को अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी तथा अन्य सभी देय सरकारी सहायता एवं सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराई जाएं। इस बीच जिला समादेष्टा फैज आलम ने भी दिवंगत जवान के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार को हरसंभव सहयोग एवं विभागीय स्तर पर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला लापता, सूचना देने की अपील

मुजफ्फरपुर। गायघाट थाना क्षेत्र के रामनगर पंचायत के वार्ड संख्या-07 की निवासी खुशबू देवी , पति स्वर्गीय मुकेश साह, अपने घर से बिना को बताए कहीं चली गई हैं। परिजनों के अनुसार उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, जिससे परिवार काफी चिंतित है।गायघाट थाना एवं परिजनों ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी को खुशबू देवी के संबंध में कोई जानकारी मिले या वे कहीं दिखाई दें, तो तत्काल गायघाट थाना या मोबाइल नंबर 7765035395 पर सूचना दें, ताकि उन्हें सकुशल उनके परिजनों तक पहुंचाया जा सके। पुलिस ने लोगों से इस सूचना को अधिक से अधिक साझा करने की भी अपील की है, जिससे महिला का जल्द पता लगाया जा सके।

सम्पादकीय

अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस पर विशेष

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

मानव जीवन में मित्रता सबसे पवित्र और अनमोल संबंधों में से एक है। रक्त संबंधों से परे यह ऐसा बंधन है, जो विश्वास, स्नेह, त्याग, सहयोग और आत्मीयता के सूत्रों से जुड़ा होता है। मित्रता मनुष्य के जीवन को सुख-दुःख, संघर्ष और सफलता के प्रत्येक पड़ाव पर संबल प्रदान करती है। इसी अमूल्य संबंध के महत्व को रेखांकित करने के लिए प्रतिवर्ष 30 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस मनाया जाता है। भारतीय संस्कृति और पौराणिक परंपरा में मित्रता के अनेक उदाहरण मिलते हैं, किंतु भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता को संसार की सबसे आदर्श और प्रेरणादायक मित्रताओं में गिना जाता है। यह केवल दो मित्रों की कथा नहीं, बल्कि प्रेम, समानता, विनम्रता, करुणा और निःस्वार्थ भाव का ऐसा अनुपम उदाहरण है, जो युगों-युगों से मानवता को प्रेरणा देता आ रहा है। द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा ने महर्षि सांदीपनि के आश्रम में एक साथ शिक्षा प्राप्त की थी। गुरुकुल में दोनों ने समान रूप से अध्ययन, सेवा और तपस्या की। यद्यपि श्रीकृष्ण स्वयं भगवान विष्णु के अवतार थे, फिर भी उन्होंने कभी अपने मित्र के साथ भेदभाव नहीं किया। दोनों के मध्य गहरा स्नेह और आत्मीयता थी। एक प्रसिद्ध पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार गुरुमाता ने दोनों को वन से लकड़ियां लाने भेजा। अचानक भीषण वर्षा और तूफान आ गया। दोनों मित्र पूरी रात जंगल में भीगते रहे, किंतु एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ा। उनकी इस निष्ठा और सेवा भावना से प्रसन्न होकर गुरु सांदीपनि ने उन्हें आशीर्वाद दिया। यही मित्रता आगे चलकर आदर्श मित्रता का प्रतीक बनी। समय बीतने के साथ श्रीकृष्ण द्वारका के राजा बने और सुदामा एक अत्यंत निर्धन ब्राह्मण के रूप में जीवन यापन करने लगे। आर्थिक अभाव इतना था कि कई बार उनके परिवार को भोजन तक उपलब्ध नहीं हो पाता था। किंतु सुदामा ने कभी अपनी निर्धनता को अपनी आत्मिक समृद्धि पर हावी नहीं होने दिया। वे सदैव भगवान श्रीकृष्ण के प्रति श्रद्धा और प्रेम में लीन रहते थे। एक दिन उनकी पत्नी सुशीला ने आग्रह किया कि वे अपने बालसखा श्रीकृष्ण से मिलने द्वारका जाएं। प्रारंभ में सुदामा संकोच करते रहे, क्योंकि वे मित्रता को किसी स्वार्थ या याचना का माध्यम नहीं बनाना चाहते थे। अंततः पत्नी के आग्रह पर वे श्रीकृष्ण से मिलने चल पड़े। घर में भेंट स्वरूप देने के लिए कुछ नहीं था, इसलिए पड़ोसियों से प्राप्त थोड़ा सा चिवड़ा (पोहा) एक कपड़े में बांधकर साथ ले लिया। जब सुदामा द्वारका पहुंचे तो उनका वेश अत्यंत साधारण था। महल के द्वार पर खड़े द्वारपालों को यह विश्वास नहीं हुआ कि एक निर्धन ब्राह्मण द्वारकाधीश का मित्र हो सकता है। किंतु जैसे ही श्रीकृष्ण को अपने बालसखा के आगमन का समाचार मिला, वे सिंहासन छोड़कर नंगे पांव दौड़ते हुए द्वार तक पहुंचे। भगवान श्रीकृष्ण ने सुदामा को गले लगा लिया। उनके नेत्रों से प्रेम और करुणा के अश्रु बहने लगे। उन्होंने स्वयं अपने मित्र के चरण धोए और राजसी सम्मान के साथ उन्हें अपने समीप आसन दिया। यह दृश्य दशार्ता है कि सच्ची मित्रता में न धन का भेद होता है, न पद का और न ही प्रतिष्ठा का। सुदामा अपने साथ लाए चिवड़े की पोटली को संकोचवश छिपाने लगे। किंतु श्रीकृष्ण ने प्रेमपूर्वक वह पोटली अपने हाथों में ले ली। उन्होंने बड़े आनंद से चिवड़े का सेवन किया, क्योंकि उनके लिए वह साधारण भेंट नहीं, बल्कि मित्र के प्रेम और आत्मीयता का प्रतीक थी। सुदामा अपने मित्र से कुछ भी मांग नहीं सके। वे बिना किसी याचना के वापस लौट पड़े। किंतु जब वे अपने गांव पहुंचे तो देखा कि उनकी झोपड़ी के स्थान पर भव्य भवन खड़ा है और उनका परिवार समृद्धि से परिपूर्ण है। श्रीकृष्ण ने बिना मांगे ही अपने मित्र के समस्त कष्ट दूर कर दिए। यही सच्ची मित्रता की पहचान है जहां शब्दों से पहले भावनाएं समझी जाती हैं। कृष्ण और सुदामा की कथा केवल भौतिक सहायता की कहानी नहीं है। यह हमें बताती है कि सच्ची मित्रता स्वार्थ से परे होती है। मित्र वही है जो विपत्ति में साथ खड़ा रहे, सफलता में प्रसन्न हो, दुःख में संबल बने और बिना कहे मन की बात समझ ले। भगवान श्रीकृष्ण ने यह सिद्ध किया कि मित्रता में ऊंच-नीच, अमीरी-गरीबी, सत्ता और प्रतिष्ठा का कोई स्थान नहीं होता। वहीं सुदामा ने यह दिखाया कि आत्मसम्मान और निष्ठा मित्रता की सबसे बड़ी पूंजी है।

लंबी उम्र, लेकिन जीवन स्वस्थ क्यों नहीं

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

मान लो यदि किसी व्यक्ति की आयु 80 वर्ष है, लेकिन अंतिम 10-15 वर्ष अस्पतालों, दवाइयों और दूसरों पर निर्भरता में बीतते हैं, तो क्या इसे वास्तविक प्रगति कहा जा सकता है? यही प्रश्न आज पूरे विश्व के सामने खड़ा है। पिछले कुछ दशकों में चिकित्सा विज्ञान ने औसत जीवन-प्रत्याशा बढ़ाने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। भारत सहित अधिकांश देशों में लोग पहले की तुलना में अधिक समय तक जीवित रह रहे हैं। किंतु इसके साथ एक चिंताजनक प्रवृत्ति भी तेजी से उभरकर सामने आई है! लोग अधिक वर्ष तो जी रहे हैं, परंतु जीवन के अंतिम 8 से 10 वर्ष गंभीर बीमारियों, शारीरिक अक्षमता और मानसिक तनाव के बीच बिताने को विवश हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य वैश्विक स्वास्थ्य अध्ययनों में बार-बार यह तथ्य सामने आया है कि जीवन-प्रत्याशा बढ़ने के बावजूद स्वस्थ जीवन-प्रत्याशा उतनी तेजी से नहीं बढ़ी। अर्थात मनुष्य की आयु तो बढ़ रही है, लेकिन स्वस्थ रहने के वर्ष अपेक्षाकृत कम हैं इसका सबसे बड़ा कारण बदलती जीवनशैली है। आधुनिक जीवन ने मनुष्य को सुविधाएं तो दी हैं, लेकिन शारीरिक श्रम छीन लिया है। घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, मोबाइल और कंप्यूटर पर निर्भरता, जंक फूड, अत्यधिक चीनी और नमक का सेवन, नींद की कमी तथा मानसिक तनाव ने शरीर की प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर दिया है। परिणामस्वरूप मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, कैंसर, गठिया, किडनी रोग, फैटी लिवर और अल्जाइमर जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। पहले संक्रामक रोग मृत्यु का प्रमुख कारण थे, लेकिन आज गैर-संचारी रोग सबसे बड़ी चुनौती बन चुके हैं। हृदय रोग, स्ट्रोक, मधुमेह और कैंसर देश में होने वाली अधिकांश मौतों और दीर्घकालिक विकलांगता के प्रमुख कारण हैं। बुजुर्गों में इसका प्रभाव केवल वृद्धावस्था तक सीमित नहीं रहा; अब 35 से 50 वर्ष की आयु के लोग भी इनके शिकार हो रहे हैं। एक और महत्वपूर्ण कारण है - चिकित्सा विज्ञान की सफलता। पहले जिन बीमारियों से व्यक्ति की मृत्यु हो जाती थी, आज आधुनिक उपचार उन्हें लंबे समय तक जीवित रखता है। लेकिन कई बार यह अतिरिक्त जीवन पूर्णतः स्वस्थ नहीं होता, बल्कि दवाओं, नियमित जांच और चिकित्सकीय देखभाल पर निर्भर होता है। अर्थात चिकित्सा ने मृत्यु को टाल दिया है, किंतु हर स्थिति में पूर्ण स्वास्थ्य वापस नहीं ला पाई है। मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही गंभीर विषय बन चुका है। अकेलापन, अवसाद, चिंता, सामाजिक अलगाव और डिजिटल जीवनशैली ने वृद्धावस्था को और कठिन बना दिया है। संयुक्त परिवारों के विघटन के कारण अनेक बुजुर्ग भावनात्मक सहारे से भी वंचित हो रहे हैं! परिणामस्वरूप शारीरिक बीमारी के साथ मानसिक पीड़ा भी बढ़ रही है। हालांकि इस तस्वीर का दूसरा पक्ष भी है। दुनिया के अनेक क्षेत्रों में ऐसे समुदाय हैं, जहां लोग 90से100 वर्ष की आयु तक अपेक्षाकृत स्वस्थ रहते हैं। वैज्ञानिकों ने पाया है कि इन लोगों की कुछ सामान्य आदतें होती हैं, संतुलित प्राकृतिक भोजन, नियमित शारीरिक श्रम, पर्याप्त नींद, तनाव पर नियंत्रण, सामाजिक जुड़ाव और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण। इसका अर्थ स्पष्ट है कि वृद्धावस्था की अधिकांश समस्याएं केवल उम्र का परिणाम नहीं, बल्कि जीवनशैली का भी परिणाम हैं। भारत जैसे देश के लिए अब स्वास्थ्य नीति का लक्ष्य केवल जीवन बचाना नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन के वर्षों को बढ़ाना होना चाहिए। प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना, नियमित स्वास्थ्य जांच, योग, व्यायाम, पौष्टिक भोजन, तंबाकू और शराब से दूरी, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान तथा बुजुर्गों के लिए सम्मानजनक सामाजिक वातावरण तैयार करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

कॉकरोच आंदोलनः गांधीवाद की छाया या डिजिटल युग का नया प्रतिरोध?

कुछ लोग इसे युवाओं के असंतोष की नई अभिव्यक्ति मानते हैं, तो कुछ इसे गांधीवादी परंपरा की छाया में पढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। किंतु प्रश्न यह है कि क्या वास्तव में इस आंदोलन को महात्मा गांधी की प्रसंगिकता से जोड़ा जा सकता है, या यह केवल एक आकर्षक किंतु सतही तुलना है? इस प्रश्न का उत्तर न तो पूर्णतः हाँ है और न ही नहीं। कॉकरोच आंदोलन में गांधीवादी राजनीति के कुछ तत्व अवश्य दिखाई देते हैं, किंतु उसका स्वभाव, भाषा, माध्यम और वैचारिक संरचना गांधीवाद से स्पष्ट रूप से भिन्न है। इसलिए इसे गांधीजी की परंपरा का सीधा विस्तार मानने से पहले उसकी प्रकृति और सीमाओं को समझना आवश्यक है। गांधीवादी राजनीति की सबसे बड़ी शक्ति उसका नैतिक अनुशासन था। सत्य, अहिंसा, आत्मसंयम, जनसेवा और रचनात्मक कार्यक्रम—ये केवल राजनीतिक नारे नहीं थे, बल्कि आंदोलन की आत्मा थे। गांधी के लिए संघर्ष का उद्देश्य केवल सत्ता परिवर्तन नहीं था, बल्कि व्यक्ति और समाज के नैतिक रूपांतरण की प्रक्रिया भी था।

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार

भारत में जब भी कोई नया जन-आंदोलन उभरता है, उसे पुराने वैचारिक फ्रेमों में समझने की कोशिश होती है। कॉकरोच आंदोलन के साथ भी यही हुआ है। कुछ लोग इसे युवाओं के असंतोष की नई अभिव्यक्ति मानते हैं, तो कुछ इसे गांधीवादी परंपरा की छाया में पढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। किंतु प्रश्न यह है कि क्या वास्तव में इस आंदोलन को महात्मा गांधी की प्रसंगिकता से जोड़ा जा सकता है, या यह केवल एक आकर्षक किंतु सतही तुलना है? इस प्रश्न का उत्तर न तो पूर्णतः हाँ है और न ही नहीं। कॉकरोच आंदोलन में गांधीवादी राजनीति के कुछ तत्व अवश्य दिखाई देते हैं, किंतु उसका स्वभाव, भाषा, माध्यम और वैचारिक संरचना गांधीवाद से स्पष्ट रूप से भिन्न है। इसलिए इसे गांधीजी की परंपरा का सीधा विस्तार मानने से पहले उसकी प्रकृति और सीमाओं को समझना आवश्यक है। गांधीवादी राजनीति की सबसे बड़ी शक्ति उसका नैतिक अनुशासन था। सत्य, अहिंसा, आत्मसंयम, जनसेवा और रचनात्मक कार्यक्रम—ये केवल राजनीतिक नारे नहीं थे, बल्कि आंदोलन की आत्मा थे। गांधी के लिए संघर्ष का उद्देश्य केवल सत्ता परिवर्तन नहीं था, बल्कि व्यक्ति और समाज के नैतिक रूपांतरण की प्रक्रिया भी था। इसी कारण उनके आंदोलन में साधन और साध्य के बीच गहरा सामंजस्य दिखाई देता है। इसके विपरीत, कॉकरोच आंदोलन की शक्ति उसकी व्यंग्यात्मकता, प्रतीकात्मकता और डिजिटल सक्रियता में निहित है। यह ऐसे दौर में सामने आया है, जब नई पीढ़ी पारंपरिक राजनीतिक भाषाओं से दूरी बना रही है और सोशल मीडिया, मीम, डिजिटल अभियानों तथा सार्वजनिक प्रदर्शनों के माध्यम से अपनी असहमति दर्ज करा रही है। यह आंदोलन दशार्ता है कि आज का युवा अपने असंतोष को पुराने राजनीतिक ढाँचों के बजाय नए सांस्कृतिक प्रतीकों और संचार माध्यमों के जरिए व्यक्त करना चाहता है। इस दृष्टि से यह समकालीन प्रतिरोध की नई शैली है, पारंपरिक सत्याग्रह का पुनरावर्तन नहीं। फिर भी गांधीवादी प्रसंग से इसका संबंध पूरी तरह अस्वीकार नहीं किया जा सकता। गांधीजी ने राजनीति के केंद्र में सामान्य नागरिक को स्थापित किया था। उन्होंने यह विश्वास जगाया कि किसी भी परिवर्तन की वास्तविक शक्ति जनता की चेतना, उसके श्रम और उसके नैतिक साहस में निहित होती है। कॉकरोच आंदोलन भी इस अर्थ में महत्त्वपूर्ण है कि उसने युवाओं की बेरोजगारी, परीक्षा-प्रणाली की विश्वसनीयता, संस्थागत जवाबदेही और शासन के प्रति बढ़ते अविश्वास जैसे प्रश्नों को सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में ला दिया। इस स्तर पर यह जन-भागीदारी की वही ऊर्जा उत्पन्न करता है, जिसे गांधीवादी राजनीति का मूल तत्व माना जाता है। किन्तु यहीं सबसे महत्वपूर्ण अंतर भी सामने आता है। गांधी के लिए साधनों की पवित्रता सर्वोपरि थी। उनका विश्वास था कि अनुचित साधनों से उचित लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर, कॉकरोच आंदोलन का स्वर अधिक तीखा, व्यंग्यप्रधान और तात्कालिक है। वह व्यवस्था को चुनौती तो देता है, किंतु गांधी की तरह आत्मानुशासन, आत्मबल और वैचारिक संयम पर उतना बल नहीं देता। उसकी भाषा प्रतिरोध की भाषा है, तपस्या की नहीं। इसलिए उसे पूर्णतः गांधीवादी कहना उसकी अपनी विशिष्ट पहचान को धुंधला कर देता है। यह भी स्मरण रखना चाहिए कि गांधीवाद केवल विरोध की राजनीति नहीं था। वह ग्राम-स्वराज, स्वदेशी, श्रम की गरिमा, सामाजिक समरसता, सांप्रदायिक सद्भाव और रचनात्मक राष्ट्र-निर्माण की व्यापक अवधारणा था। इसके विपरीत, कॉकरोच आंदोलन का वर्तमान फोकस मुख्यतः शिक्षा, रोजगार, युवाओं की आकांक्षाओं और संस्थागत उत्तरदायित्व तक सीमित दिखाई देता है। इसलिए इसे गांधीवाद जैसी व्यापक सामाजिक परियोजना कहना अभी जल्दबाजी होगी। फिर भी दोनों के बीच एक गहरी समानता अवश्य है—दोनों जनता की चुप्पी को तोड़ते हैं। गांधी ने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध सामान्य भारतीय को बोलना सिखाया था। आज का यह आंदोलन युवाओं को यह विश्वास दिलाता है कि असंतोष केवल निजी निराशा नहीं है; उसे लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति भी दी जा सकती है। जब युवाओं की समस्याएँ डिजिटल मंचों, सार्वजनिक प्रदर्शनों और सामाजिक संवाद के माध्यम से सामने आती हैं, तब यह लोकतंत्र की जीवंतता का संकेत होता है। राजनीति समाप्त नहीं हुई है; उसने केवल अपने नए माध्यम और नए प्रतीक खोज लिए हैं। इसलिए गांधीजी की प्रसंगिकता यहाँ प्रत्यक्ष प्रेरणा के रूप में कम और एक नैतिक कसौटी के रूप में अधिक महत्त्वपूर्ण है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि कॉकरोच आंदोलन गांधीवादी है या नहीं; बल्कि यह होना चाहिए कि क्या यह आंदोलन जनता की नैतिक चेतना को जागृत करता है? क्या यह केवल क्षणिक असंतोष का विस्फोट है या किसी दीर्घकालिक सामाजिक परिवर्तन की भूमिका तैयार कर रहा है? क्या इसकी व्यंग्यात्मक शक्ति लोकतांत्रिक सुधारों में परिवर्तित हो पाएगी? इन प्रश्नों के उत्तर समय देगा। अभी इतना अवश्य कहा जा सकता है कि इस आंदोलन को गांधीजी से जोड़ना आंशिक रूप से उचित है, यदि हम इसे जन-भागीदारी, नागरिक असहमति और जवाबदेही की मांग के संदर्भ में देखें। किंतु यदि इसे सत्याग्रह, अहिंसा, आत्मसंयम और नैतिक पुनर्निर्माण की कसौटी पर परखा जाए, तो यह गांधीवाद से अलग दिखाई देता है। यह गांधी का उत्तराधिकारी नहीं, बल्कि डिजिटल युग की नई विरोध-संस्कृति का प्रतिनिधि है। निष्कर्षतः, किसी भी जन-आंदोलन का मूल्यांकन केवल उसके प्रतीकों या लोकप्रियता से नहीं, बल्कि उसके उद्देश्य, साधनों, नैतिकता और दीर्घकालिक प्रभाव से किया जाना चाहिए। यदि कोई आंदोलन जनता को जागरूक करता है, सत्ता से जवाबदेही मांगता है और लोकतांत्रिक भागीदारी को मजबूत करता है, तो वह गांधीवादी विरासत के कुछ तत्वों को स्पर्श अवश्य करता है। किंतु यदि उसमें सत्य, अहिंसा, आत्मानुशासन और रचनात्मक सामाजिक परिवर्तन की व्यापक दृष्टि का अभाव है, तो उसे गांधीवाद का विस्तार कहना उचित नहीं होगा।

इतिहास, धर्म और सभ्यता के आईने में : पलायन

कई बार पलायन ही परिवर्तन का पहला कदम बनता है, तो कई बार वही विनाश का कारण भी। यदि मानव सभ्यता के प्रारंभिक इतिहास पर दृष्टि डालें तो स्पष्ट होता है कि मनुष्य कभी स्थिर नहीं रहा है। वह निरंतर चलता रहा है, नए स्थान खोजता रहा है, नई परिस्थितियों को अपनाता रहा और अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष करता रहा है। यही निरंतर गतिशीलता आगे चलकर सभ्यताओं के निर्माण का कारण बनी। प्राचीन मानव जंगलों और गुफाओं से निकलकर नदी घाटियों तक पहुँचा। सिंधु, नील, दजला-फरात और गहो जैसी नदियों के किनारे विकसित हुई सभ्यताएँ वस्तुतः मानव के सामूहिक पलायन का ही परिणाम थी। यदि मनुष्य अपने पुराने ठिकानों से बाहर निकलने का साहस न करता, तो संभवतः सभ्यता का विकास आज जितना व्यापक है, वैसा कभी नहीं होता। इस दृष्टि से देखा जाए तो पलायन केवल स्थान परिवर्तन नहीं, बल्कि मानव विकास की पहली सीढ़ी है। भारतीय संस्कृति में पलायन शब्द को हमेशा नकारात्मक अर्थों में नहीं देखा गया है। रामायण इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

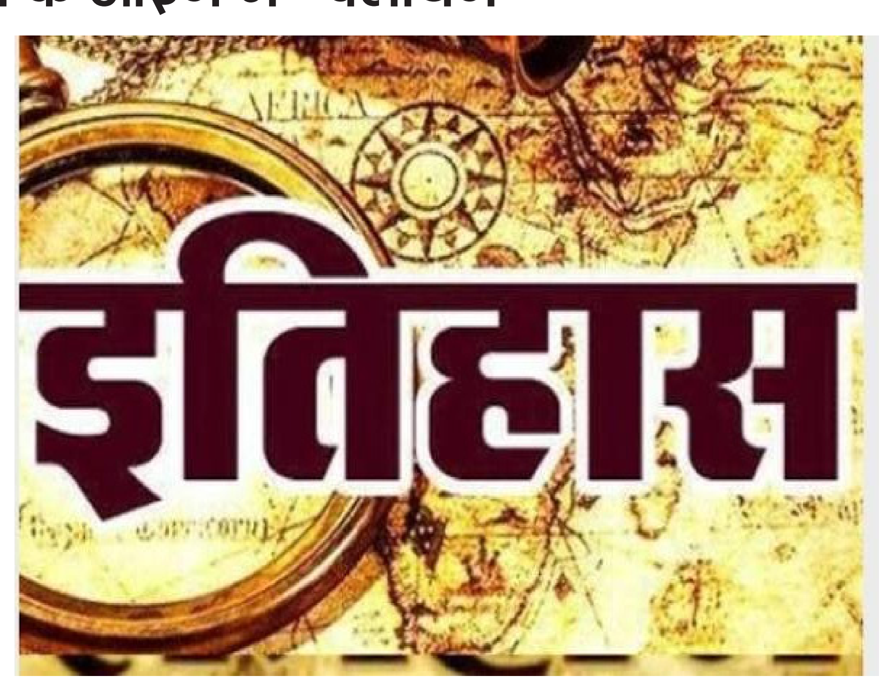

पलायन को केवल भागना समझना इतिहास और मानव-स्वभाव दोनों के साथ अन्याय होगा। कई बार पलायन ही परिवर्तन का पहला कदम बनता है, तो कई बार वही विनाश का कारण भी। यदि मानव सभ्यता के प्रारंभिक इतिहास पर दृष्टि डालें तो स्पष्ट होता है कि मनुष्य कभी स्थिर नहीं रहा है। वह निरंतर चलता रहा है, नए स्थान खोजता रहा है, नई परिस्थितियों को अपनाता रहा और अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष करता रहा है। यही निरंतर गतिशीलता आगे चलकर सभ्यताओं के निर्माण का कारण बनी। प्राचीन मानव जंगलों और गुफाओं से निकलकर नदी घाटियों तक पहुँचा। सिंधु, नील, दजला-फरात और ह्वांगहो जैसी नदियों के किनारे विकसित हुई सभ्यताएँ वस्तुतः मानव के सामूहिक पलायन का ही परिणाम थी। यदि मनुष्य अपने पुराने ठिकानों से बाहर निकलने का साहस न करता, तो संभवतः सभ्यता का विकास आज जितना व्यापक है, वैसा कभी नहीं होता। इस दृष्टि से देखा जाए तो पलायन केवल स्थान परिवर्तन नहीं, बल्कि मानव विकास की पहली सीढ़ी है। भारतीय संस्कृति में पलायन शब्द को हमेशा नकारात्मक अर्थों में नहीं देखा गया है। रामायण इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। भगवान श्रीराम ने अयोध्या का त्याग किया। उन्होंने वनवास स्वीकार किया। यदि कोई केवल बाहरी दृष्टि से देखे तो कह सकता है कि उन्होंने राजमहल छोड़ दिया। परंतु वास्तव में वह पलायन नहीं था, बल्कि धर्म और मयार्दा की रक्षा के लिए किया गया त्याग था। श्रीराम के वनगमन ने उन्हें केवल राजा नहीं, बल्कि मयार्दा पुरुषोत्तम बनाया। उनके चौदह वर्षों का वनवास भारतीय समाज के लिए आदर्श जीवन, कर्तव्य और धैर्य का पाठ बन गया। यह घटना बताती है कि हर स्थान परिवर्तन पलायन नहीं होता है, कभी-कभी वह उच्चतर उद्देश्य की ओर यात्रा भी होता है। महाभारत में पांडवों को हस्तिनापुर छोड़ना पड़ा। लाक्षागृह की घटना के बाद उन्होंने अपनी रक्षा के लिए स्थान बदला। वनवास के दौरान भी उन्होंने अनेक प्रदेशों की यात्रा की। क्या यह पलायन था? यदि केवल भौतिक दृष्टि से देखें तो हाँ। लेकिन नैतिक दृष्टि से यह अन्याय से संघर्ष की तैयारी थी। भगवान श्रीकृष्ण स्वयं मथुरा से द्वारका चले गए। इतिहासकार बताते हैं कि लगातार हो रहे आक्रमणों से जनता की रक्षा के लिए उन्होंने राजधानी स्थानांतरित की। यदि वे ऐसा न करते तो संभवतः यादव वंश भारी विनाश का सामना करता। इसलिए कभी-कभी स्थान बदलना कायरता नहीं, दूरदर्शिता होती है। भारतीय इतिहास में सबसे महान आध्यात्मिक यात्राओं में से एक है, गौतम बुद्ध का महाभिनिष्क्रमण। राजमहल, परिवार, वैभव और सत्ता छोड़कर सिद्धार्थ सत्य की खोज में निकल पड़े। यदि कोई केवल सांसारिक दृष्टि से देखे तो कह सकता है कि उन्होंने अपने परिवार का त्याग कर दिया। लेकिन यही यात्रा उन्हें बुद्ध बना गई। उन्होंने संसार को दुःख, करुणा, अहिंसा और मध्यम मार्ग का संदेश दिया। यदि सिद्धार्थ राजमहल में ही रहते, तो शायद वे इतिहास के एक राजा बनकर रह जाते। महल छोड़ने का उनका निर्णय पूरी मानवता के लिए ज्ञान का प्रकाश बन गया। भगवान महावीर ने भी राजसी जीवन छोड़कर तपस्या का मार्ग अपनाया। उन्होंने केवल घर ही नहीं छोड़ा, बल्कि मोह, लोभ और अहंकार तक का त्याग किया। यह बताता है कि पलायन केवल भौतिक नहीं होता है। मनुष्य अपने भीतर के दोषों से भी पलायन करता है। यदि वह क्रोध छोड़ दे, तो यह भी एक प्रकार का सकारात्मक पलायन है। यदि वह हिंसा छोड़कर अहिंसा अपनाए, तो यह भी परिवर्तन की यात्रा है। आदि शंकराचार्य ने पूरे भारत का भ्रमण किया। उन्होंने ज्ञान की स्थापना के लिए हजारों किलोमीटर की यात्रा की और चार मठों की स्थापना की। यदि वे अपने जन्मस्थान तक सीमित रहते, तो अद्वैत वेदांत का इतना व्यापक प्रचार संभव नहीं होता। यात्रा ने ही उन्हें युगपुरुष बनाया। सिख परंपरा में गुरु नानक देव की लंबी यात्राओं को उदासियाँ कहा जाता है। उन्होंने भारत, तिब्बत, अरब और मध्य एशिया तक यात्रा कर मानवता, समानता और ईश्वर की एकता का संदेश दिया। उन्होंने समाज को यह सिखाया कि सीमाएँ मनुष्य बनाता है, जबकि सत्य पूरे संसार का होता है। इतिहास केवल आध्यात्मिक यात्राओं से नहीं बना है। युद्धों ने भी बड़े पैमाने पर पलायन कराया है। मंगोल आक्रमण, तैमूर का हमला, यूरोप के धार्मिक युद्ध, विश्व युद्ध, इन सभी ने करोड़ों लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर किया। भारत के विभाजन (1947) के समय भी लाखों परिवारों ने अपना घर, खेत, व्यापार और स्मृतियाँ छोड़ दीं। यह इतिहास का सबसे बड़ा मानवीय विस्थापन माना जाता है। इन घटनाओं ने यह सिद्ध किया कि जब राजनीति और हिंसा समाज पर हावी होती है, तो सबसे पहले सामान्य नागरिक पलायन करता है। औद्योगिक क्रांति के बाद पलायन का स्वरूप बदल गया। अब लोग तलवार से नहीं, नौकरी से प्रेरित होकर यात्रा करने लगे। गाँवों से शहरों की ओर लाखों लोग जाने लगे। रेलवे बनी, कारखाने बने, बंदरगाह विकसित हुए और महानगरों का विस्तार हुआ। भारत में मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली और बाद में बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे जैसे शहर रोजगार के बड़े केंद्र बने। यह आर्थिक पलायन था। बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में एक नया शब्द सामने आया ब्रेन ड्रेन अर्थात प्रतिभा पलायन। भारत के हजारों वैज्ञानिक, चिकित्सक, इंजीनियर और शोधकर्ता बेहतर अवसरों की तलाश में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों में बस गए। इस पर लंबे समय तक चिंता व्यक्त की जाती रही। लेकिन समय के साथ यह भी स्पष्ट हुआ कि विदेश गए अनेक भारतीयों ने विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन किया और बाद में अपने अनुभव तथा निवेश से देश के विकास में भी योगदान दिया।

एल निनो मुझे प्रभावित करती है?

डॉ. अनिता भटनागर जैन

पसीना पोछते हुए सबने चैन की सांस ली। जरा सी जगह में विभिन्न लोग एकत्रित थे - कुछ स्कूल के बच्चे, सड़क पर ठेला लगाने वाली महिला, बैंक के कागज पकड़े हुए एक वृद्ध दंपति और ड्यूटी से ब्रेक लेता हुआ एक ट्रैफिक कांस्टेबल, आदिक अप्रत्याशित गर्मी, जिसमें कि तापमान 50 डिग्री सेंटिग्रेड से अधिक महसूस हो रहा था, में नगर निगम ने ये कूलिंग जोन बनाई थीकयाद आया कि दो दशक पहले 38 डिग्री सेंटिग्रेड तापमान को बहुत ही असामान्य माना जाता था। आजकल समाचारपत्र की सुर्खियां और टी.वी. न्यूज चैनल पर लगातार एल निनो की बात हो रही हैकइसके कारण ही ये उमस भरी गर्मी और बहुप्रतीक्षित मानसून, जो कि भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, में वर्षा की 19.3% कमी संभावित हैक एल निनो केवल एक भौगोलिक परिभाषा से आजकल घर-घर में चर्चा का विषय बन गया है। एल निनो क्या है? क्या ये मुझे प्रभावित करेगा? ये एक प्राकृतिक जलवायु घटना है जो पूर्वी प्रशांत सागर के असामान्य तापमान होने पर घटित होती है। इसके कारण ट्रेड विंड कमजोर पड़ जाती है और वातावरण सक्युर्लेशन पद्धति प्रभावित होने के फलस्वरूप पूरे विश्व में वर्षा पर असर पड़ता हैकसामान्य वर्ष में उत्तरी हेमिस्फियर में गर्म पूर्वी दिशा के समुद्री करंट के कारण ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, दक्षिण-पूर्वी एशिया और भारत में वर्षा होती हैकएल निनो के कारण ये गर्म जलधाराएं पश्चिमी दिशा की तरफ चली जाती हैं और उत्तरी और दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप के पश्चिमी भाग में अत्यधिक वर्षा होती हैकवैज्ञानिको का अनुमान है कि एल निनो 2026 का प्रभाव 2027 तक रहेगाक एल निनो के कारण मध्य भारत में मानसून में विलंब हुआ और अप्रत्याशित हीट वेव हुईकहाल में दुनिया के सर्वाधिक 100 गर्म शहरों में 97 भारत में थेककुछ स्थानों पर फील-लाइक तापमान 45 डिग्री सेंटिग्रेड से अधिक था और दिल्ली में ये 53.1 डिग्री सेंटिग्रेड तक पहुँच गयाकहीट वेव का प्रभाव स्वास्थ्य, दिन में बाहर कार्य संभव न होना, उत्पादकता में कमी, मानसिक स्वास्थ्य, आपसी रिश्तों और मनोवैज्ञानिक समस्याएं में बढ़ोतरी, अर्थव्यवस्था पर विपरीत असर, आदि हैंकइस वर्ष एल निनो में ह्रसुपरह्न घटना की क्षमता है जिसका प्रभाव स्थानीय विषमताओं और मुख्य सेक्टरों में चुनौतीपूर्ण होगाक भारत में 53.6% जनपदों में सामान्य से कम वर्षा हुई हैकये इसलिए चिंताजनक है क्योंकि मानसून से ही देश की 70% वार्षिक वर्षा प्राप्त होती है और 60% कृषक वर्षा पर आधारित कृषि पर निर्भर हैंकअमेरिका - ईरान युद्ध के कारण बढ़े हुए एनर्जी दरो से घर का बजट प्रभावित हुआ हैक भारत 80-90 प्रतिशत तेल, 40-50 प्रतिशत गैस का आयात करता हैकइन सबका मिलाजुला परिणाम ये हुआ कि सब्जियां, खाने वाले तेल और दालों के मूल्यों में व्यापक बढ़ोतरी हो गई हैक कृषि की कम उत्पादकता के फलस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों में कम आय होगी और विभिन्न उत्पादों की मांग भी घट जाएगी, जिसका प्रभाव ग्रामीण आधारित उद्योगों पर पड़ेगाक 2026-27 की सशक्त एल निनो के कारण ऊर्जा की अप्रत्याशित मांग रहेंगी जिसकी पूर्ति नॉन-रिन्यूएबल ऊर्जा स्रोतों से करना संभव नहीं है। कम वर्षा और हवा के कारण हाइड्रोपावर उत्पादकता में 2.9 टीडब्ल्यूएच और वायु ऊर्जा उत्पादन में 4.9 टीडब्ल्यूएच की घटोतरी संभावित है। भारत को मजबूरी में बढ़ती हुई कूलिंग की मांग के लिए अतिरिक्त 17.7 टी डब्ल्यूएच फोसिल स्रोतों पर आधारित ऊर्जा से करनी पड़ेगीक इससे 17 मिलियन टन अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन होंगे। समाचारपत्र के अनुसार कोयला खनन के लिए दी गई अध्यावधिक मंजूरी के कारण 40,000 वृक्षों को भी काटना पड़ेगा कयह एक दुष्चक्र है कि गर्मी से जूझने के लिए बिजली चाहिए, अतिरिक्त कोयला चाहिए, जिसके परिणामस्वरूप हजारों वृक्ष कटेंगे और कई मिलियन टन अतिरिक्त ग्रीन हाउस गैस बढ़ेगी जिससे जलवायु पर विपरीत प्रभाव पड़ेगाकजलवायु परिवर्तन मनुष्यों की गतिविधियों का ही परिणाम है और परिस्थिति आगे और जटिल होती जाएगीककेवल अनुरूपण ही विकल्प है कसामान्य नागरिक के लिए हीट एक्शन प्लान लागू करना पड़ेगा ; कृषकों हेतु कम पानी और कम अवधि की फसलों के बीज उपलब्ध कराने पड़ेंगे; दिनचर्या में बदलाव लाना होगा; जीवन शैली में परिवर्तन लाकर सभी नागरिको को अपना कार्बन इम्प्रिंट कम करना पड़ेगाकक्या हम पानी की बचत कर सकते हैं? क्या हम लाइट/पंखे/एसी/कंप्यूटर आदि का जब उपयोग नहीं कर रहे, तो उन्हें बंद कर सकते हैं? क्या हम एसी को 25 डिग्री सेंटिग्रेड पर चलाकर बिजली की मांग को घटा सकते हैं? क्या हम लाल बत्ती या ट्रैफिक जाम में फंसे होने पर अपनी गाड़ियां बंद कर सकते हैं जिससे कि तेल की बचत हो? हर प्रयास महत्वपूर्ण होता है।

नीट प्रोटेस्ट में गिरफ्तार सभी छात्रों की बेशर्त रिहाई सुनिश्चित करे सरकार: नेहा बोरा

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा सदर। देशभर में नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और धांधली के खिलाफ छात्रों का आंदोलन लगातार तेज हुआ। लाखों छात्रों और युवाओं के व्यापक प्रतिरोध के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। इसके बावजूद आंदोलन में शामिल छात्रों पर दमनात्मक कार्रवाई जारी रही। देश के विभिन्न हिस्सों में सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार कर बिना निष्पक्ष जांच के जेल भेज दिया गया। कई ऐसे छात्रों को भी पुलिस ने हिरासत में लिया जो आंदोलन में प्रत्यक्ष रूप से शामिल तक

नहीं थे। लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करने वाले छात्रों पर झूठे मुकदमे दर्ज किए गए और उनके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया गया। हिरासत के दौरान छात्रों के साथ दुर्व्यवहार और बर्बरता की शिकायतें भी सामने आई हैं। परीक्षा में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ न्याय की मांग करने वाले छात्रों की बात सुनने के बजाय सरकार ने दमन का रास्ता चुना, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। इस आंदोलन के दौरान भूख हड़ताल पर बैठीं आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा बिहार पहुँचीं और गिरफ्तार छात्रों की बेशर्त रिहाई की मांग को लेकर गृह सचिव से मुलाकात की। उन्होंने सरकार को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए स्पष्ट कहा कि यदि छात्रों पर दर्ज झूठे मुकदमे वापस नहीं लिए गए और सभी छात्रों को सम्मानपूर्वक रिहा नहीं किया गया, तो 30 जुलाई को राज्यव्यापी एवं व्यापक छात्र आंदोलन आयोजित किया जाएगा। जनदबाव के बाद सरकार की ओर से एक प्रेस नोट जारी कर नीट प्रोटेस्ट में गिरफ्तार छात्रों की रिहाई तथा मुकदमे वापस लेने की बात कही गई। लेकिन केवल घोषणा पर्याप्त नहीं है।

सरकार को तत्काल प्रभाव से सभी गिरफ्तार छात्रों को बेशर्त रिहा करना चाहिए तथा उनके खिलाफ दर्ज सभी मुकदमे वापस लेने चाहिए। आइसा, सारण सरकार को आगाह करता है कि यदि जल्द से जल्द सभी छात्रों की रिहाई सुनिश्चित नहीं की जाती और मुकदमे वापस नहीं लिए जाते, तो 30 जुलाई से आंदोलन को और व्यापक तथा निर्णायक रूप दिया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की होगी।

सदर अस्पताल को मिलेगा सुपर स्पेशियलिटी का स्वरूप, लेबर रूम व ओटी होंगे अत्याधुनिक

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा (सारण)। स्वास्थ्य विभाग ने जिला एवं अनुमंडलीय अस्पतालों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। इसके तहत जिला अस्पताल तथा अनुमंडलीय अस्पतालों के लेबर रूम और प्रसूति एवं स्त्री रोग ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में उपलब्ध चिकित्सा उपकरणों का गैप एनालिसिस कराया जाएगा। इस प्रक्रिया से भारतीय जन स्वास्थ्य मानक (आईपीएचएस) के अनुरूप उपकरणों की उपलब्धता का आकलन कर आवश्यक संसाधनों की कमी को दूर किया जाएगा।

राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक अमित कुमार पांडेय ने बताया कि यह पहल सात निश्चय-3 के अंतर्गत संचालित विकासात्मक एवं लोक कल्याणकारी कार्यक्रम का हिस्सा है। इसके तहत राज्य के सभी जिला (सदर) अस्पतालों को चरणबद्ध तरीके से सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं को मिलेगी मजबूती: स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। बेहतर मातृ स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए लेबर रूम और प्रसूति ऑपरेशन थिएटर में सभी आवश्यक उपकरणों का उपलब्ध और कार्यशील होना जरूरी है। इसी उद्देश्य से वर्तमान उपकरणों का मूल्यांकन कर वास्तविक जरूरत का निर्धारण किया जाएगा।बीईएमएमपी पोर्टल से होगी उपकरणों की निगरानी सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा उपकरणों के प्रभावी प्रबंधन के लिए बीईएमएमपी पोर्टल पहले से संचालित है। इस पोर्टल पर सभी उपकरणों की बारकोड आधारित टैगिंग एवं मैपिंग की जाती है, जिससे उनकी कार्यशीलता, रखरखाव और उपयोग की नियमित निगरानी संभव हो सके।

आईपीएचएस मानकों के अनुरूप होगी समीक्षा: राज्य स्वास्थ्य समिति के निदेशानुसार जिला एवं अनुमंडलीय अस्पतालों के लेबर रूम तथा ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी (मातृ) ऑपरेशन थिएटर में भारतीय जन स्वास्थ्य मानकों के अनुरूप उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। गैप एनालिसिस के दौरान उपलब्ध, खराब तथा आवश्यक नए उपकरणों की विस्तृत समीक्षा होगी।

मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं में होगा सुधार: जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) अरविन्द कुमार ने कहा कि इस पहल से अस्पतालों में प्रसव सेवाएं अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनेंगी। आवश्यक उपकरण उपलब्ध होने से जटिल प्रसव, स्त्री रोग संबंधी ऑपरेशन और नवजात शिशुओं की देखभाल की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आएगा। साथ ही मरीजों को समयबद्ध और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि गैप एनालिसिस के आधार पर सभी आवश्यक उपकरणों की शीघ्र उपलब्धता सुनिश्चित होने पर जिला एवं अनुमंडलीय अस्पतालों में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने तथा सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को नई ऊंचाई देने में यह पहल मील का पत्थर साबित होगी।

संक्षिप्त खबरें

विश्व हिंदू परिषद ने चलाया सफाई अभियान

छपरा कार्यालय। विश्व हिंदू परिषद धर्म प्रसार के अंतर्गत सावन मास शुरू होने से पहले छपरा शहर के विभिन्न मंदिरों में विशेष सफाई अभियान चलाया महर्षि दधिचि आश्रम उमानाथ मंदिर दहियावां, बाबा मनोकामना नाथ मंदिर कटरा बाजार, मनी नाथ मंदिर नई बाजार, शीतला मंदिर, हनुमान मंदिर वैगरह इस अवसर पर जिला प्रमुख विश्व हिंदू परिषद धर्म प्रसार अरुण पुरोहित ने कहा यह अभियान पूरे श्रावण मास में आगे भी विभिन्न मंदिरों में चलता रहेगा। स्वच्छता में ही भगवान का वास होता है उमानाथ मंदिर समिति के मदन मोहन सिंह अध्यक्ष परशुराम राय सचिव, विभूति नारायण शर्मा कोषाध्यक्ष, मुकेश राय उपाध्यक्ष, अजय सिंह, अरुण पुरोहित संयोजक, श्रीनिवास तिवारी सहित दर्जनों लोगों ने मिलकर मंदिर परिसर को साफ किया।

सक्रिय पुलिसिंग के तहत सारण पुलिस की बड़ी कार्रवाई

छपरा सदर। अवतारनगर थाना की कार्रवाई, जिले के टॉप-10 एवं कुख्यात वांछित अभियुक्त पी.एन. सिंह उर्फ रामप्रकाश सिंह को किया गया गिरफ्तार। वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण के निर्देश पर सारण जिलान्तर्गत अपराध के मुख्य शीर्षों में वांछित / फिरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर अवतारनगर थाना पुलिस टीम के द्वारा छापामारी कर अवतारनगर थाना कांड संख्या-252/21, दिनांक-06.09.21, धारा-147/148/149/341/323/186/188/324/307/332/353/379/120 (बी) भा०द०वि० पुलिस पर हमला एवं हत्या के प्रयास के अभियुक्त पी० एन० सिंह उर्फ रामप्रकाश सिंह, पिता-ओमप्रकाश सिंह, साकिन-बामी करमवारी, थाना-अवतारनगर, जिला-सारण को गिरफ्तार किया गया है। अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

कुत्ते के काटने से मुरादाबाद में एक मजदूर की मौत, शव पहुंचते ही गांव-घर में मचा कोहराम

तरैया, (सारण)। थाना क्षेत्र के संग्रामपुर गांव के एक प्रवासी मजदूर की उत्तरप्रदेश के मुरादाबाद में कुत्ते के काटने से घायल एक मजदूर की इलाज के दौरान मौत हो गई। मंगलवार की सुबह जैसे ही मृतक का शव उसके पैतृक गांव पहुंचा कि कोहराम मच गई। मृतक संग्रामपुर गांव निवासी सुखारी राय का 38 वर्षीय पुत्र मुन्ना राय बताया गया है। बताया जाता है कि करीब 15 दिन पहले ही मुन्ना राय परिवार के भरण-पोषण के लिए मुरादाबाद स्थित एक कंपनी में काम करने के लिए गया हुआ था। इसी दौरान करीब पांच दिन पहले उसे एक कुत्ते ने काट लिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया जहां एंटी रैबीज का टीका भी लगवाया था। लेकिन कुछ ही समय बाद उसकी अचानक तबीयत और बिगड़ने लगी और रात्रि में सोए अवस्था में वह पलंग से गिरकर बेहोश हो गया। साथियों और परिजनों ने उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उनके ब्रेन का ऑपरेशन किया। लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मंगलवार की सुबह मुन्ना राय का शव गांव पहुंचते ही घर परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी इंदु देवी, 18 वर्षीय पुत्र करण, 14 वर्षीय पुत्र अमन, पिता सुखारी राय समेत अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना को लेकर गांव में भी मातमी सन्नाटा छाया हुआ है।

गुरु रविदास जयंती वर्ष पर 'समरसता संकल्प अभियान' को सफल बनाने का आह्वान

प्रात: किरण संवाददाता

जलालपुर। महराजगंज लोकसभा क्षेत्र के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल के जलालपुर स्थित कार्यालय में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी की एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज के 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के बारे मे रूपरेखा और आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रेस वार्ता को भाजपा सारण पश्चिमी के जिला अध्यक्ष उमेश तिवारी ने की। उन्होंने कहा कि संत गुरु रविदास महाराज ने अपने जीवन और विचारों से समाज को समानता, समरसता और मानवता का संदेश दिया। उनके आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा द्वारा 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही कार्यकर्ताओं से अभियान को प्रत्येक गांव और प्रत्येक बूथ तक पहुंचाने का आह्वान किया। प्रेस वार्ता में जिला कोषाध्यक्ष संजीव मिश्रा, जिला मंत्री धुनमुन, जलालपुर मंडल अध्यक्ष कुश कुमार सहित कई भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने संत गुरु रविदास महाराज के बताए मार्ग पर चलने तथा सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया। बैठक के दौरान अभियान की कार्ययोजना, जनसंपर्क अभियान और विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों के सफल संचालन को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। भाजपा नेताओं ने कहा कि ह्रसमरसता संकल्प अभियानह्न समाज में सामाजिक सद्भाव, समानता और राष्ट्रीय एकता को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

श्रावणी मेला में पुराने गंडक पुल पर वाहनों की नो-एंट्री, 30 जुलाई से विशेष ट्रैफिक प्लान लागू

कांवड़ियों की सुरक्षा सर्वोपरि : सोनपुर-हाजीपुर के बीच नए गंडक पुल से गुजरेंगे वाहन, भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग तय

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। श्रावणी मेला-2026 के दौरान लाखों कांवड़ियों की सुरक्षित एवं निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने सोनपुर-हाजीपुर के बीच यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। पुराने गंडक पुल की वर्तमान स्थिति तथा श्रावणी मेला के दौरान संभावित भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने पुल पर सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन पर अस्थायी रूप से पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। यह पुल अब केवल पैदल श्रद्धालुओं एवं कांवड़ियों के लिए खुला रहेगा। कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, हाजीपुर की संयुक्त तकनीकी जांच रिपोर्ट के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। रिपोर्ट में पुल पर केवल हल्के भार के उपयोग की अनुशंसा की गई थी। इसके बाद अनुमंडल प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श कर नई यातायात व्यवस्था लागू की गई। प्रशासन के अनुसार, 30 जुलाई से 28 अगस्त 2026 तक श्रावण मास के प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार से सोमवार के बीच हाजीपुर और सोनपुर के बीच नए गंडक पुल पर भी भारी वाहनों के परिचालन पर रोक रहेगी। इस अवधि में सोनपुर एवं हाजीपुर के बीच चलने वाले सभी सामान्य वाहन नए गंडक पुल का उपयोग करेंगे, जबकि भारी वाहनों को निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से होकर गुजरना होगा। छपरा से हाजीपुर की ओर जाने वाले भारी वाहनों को शीतलपुर-दिघवारा, परसा, मकेर, रेवाघाट, बखरा चौक, वैशाली, लालगंज और अंजानपीर होकर हाजीपुर पहुंचना होगा। वहीं पटना एवं महात्मा गांधी सेतु की ओर से आने वाले भारी वाहनों को रामाशीष चौक की बजाय बीएसएनएल गोलंबर फ्लाईओवर, अंजानपीर, लालगंज, वैशाली, बखरा चौक, रेवाघाट, परसा एवं शीतलपुर मार्ग से छपरा अथवा मुजफ्फरपुर की ओर भेजा जाएगा। इन वाहनों के हाजीपुर शहर में प्रवेश पर भी रोक रहेगी। श्रावणी मेला के दौरान यातायात व्यवस्था की निगरानी एवं संचालन की जिम्मेदारी अनुमंडल पदाधिकारी हाजीपुर एवं सोनपुर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तथा अपर पुलिस अधीक्षक (यातायात), वैशाली को सौंपी गई है। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं, वाहन चालकों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित यातायात व्यवस्था एवं वैकल्पिक मार्गों का पालन करें तथा पुलिस-प्रशासन के निर्देशों का अनुपालन करते हुए श्रावणी मेला-2026 के सफल, सुरक्षित और सुचारु आयोजन में सहयोग करें।

पोलो ऐप के जरिए ब्लैकमेल करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

सीवान /दारौंदा थाना पुलिस ने पोलो ऐप के माध्यम से लोगों को फंसाकर ब्लैकमेल और रंगदारी वसूलने वाले एक संगठित गिरोह का पदार्फाश करते हुए चार युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से मोबाइल फोन सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, 28 जुलाई को रविशंकर प्रसाद के लिखित आवेदन पर दारौंदा थाना में कांड संख्या 314/26 दर्ज किया गया था।

अनुसंधान के दौरान खुलासा हुआ कि आरोपी पोलो ऐप के जरिए लोगों से दोस्ती करते थे और मिलने के बहाने सुनसान स्थान या किराये के मकान पर बुलाते थे। वहां पीड़ित को जान से मारने की धमकी देकर निर्वस्त्र कर उसका वीडियो बना लेते थे। इसके बाद मोबाइल का संपर्क सूची (कॉन्टैक्ट लिस्ट) लेकर अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर रुपये की मांग करते थे। लोक-लाज के कारण अधिकांश पीड़ित शिकायत नहीं कर पाते थे। गिरफ्तार आरोपितों में सारण जिले के रसलपुर थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर निवासी विकास कुमार (19),

एजाज अली (20), प्रकाश विद्यार्थी (19) तथा अटडीला निवासी साहिल अंसारी (19) शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि यह एक संगठित गिरोह है, जो लंबे समय से लोगों को ब्लैकमेल कर ठगी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। छापेमारी का नेतृत्व दारौंदा थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह के अपर थानाअध्यक्ष मोहन कुमार निराला ने किया। अभियान में पुलिस अवर निरीक्षक सूर्य कुमार, विवेक कुमार, डिम्पल कुमारी सहित अन्य पुलिसकर्मी एवं गृहरक्षक शामिल रहे। गिरफ्तार सभी आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

अतरसन सीआरसी एकमा में कक्षा 4 से 8 तक के एफएलएन उन्मुखीकरण प्रशिक्षण का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

एकमा (सारण)। बिहार शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार कक्षा 4 से 8 तक के विद्यार्थियों की भाषा एवं गणित विषय में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (एफएलएन) को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को एकमा प्रखंड के अतरसन पंचायत स्थित सीआरसी अतरसन अंतर्गत उच्च माध्यमिक विद्यालय, अतरसन परिसर में एक दिवसीय एफएलएन उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में सीआरसी अतरसन के अंतर्गत आने वाले सभी नवसृजित प्राथमिक, प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों के नामित शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मास्टर ट्रेनर शुचिता कुमारी, सीआरसी संचालक सह प्रधानाध्यापक रमेश प्रसाद तथा शिक्षक मृत्युंजय कुमार चौबे ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर सामूहिक राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान की प्रस्तुति भी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर शुचिता कुमारी ने एफएलएन अभियान की अवधारणा, उद्देश्य एवं प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने भाषा एवं गणित विषय में

विद्यार्थियों की आधारभूत दक्षताओं के आकलन की प्रक्रिया, विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई शिक्षण सामग्री के प्रभावी उपयोग, गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धति तथा अधिगम परिणामों में सुधार की विभिन्न रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की वास्तविक सीखने की स्थिति का मूल्यांकन कर उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षण योजना तैयार करना है। शिक्षक मृत्युंजय कुमार चौबे ने प्रशिक्षण की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक शिक्षक की सक्रिय भागीदारी से ही बच्चों में पढ़ने, लिखने एवं गणना करने की बुनियादी क्षमता को मजबूत बनाया जा सकता है। वहीं सीआरसी संचालक रमेश प्रसाद ने प्रतिभागी शिक्षकों से प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान एवं तकनीकों को विद्यालय स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण के समापन पर सभी प्रतिभागी शिक्षकों ने इसे अत्यंत उपयोगी बताते हुए एफएलएन अभियान को सफल बनाने तथा विद्यार्थियों के अधिगम स्तर में अपेक्षित सुधार लाने के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नरेंद्र कुमार सिंह, चंद्रमणि सिंह, अमितेश कुमार सिंह, कुमारी तनुजा, माया कुमारी, तनु कुमारी, खुशबू कुमारी, दीपक साह, कुमारी लवी सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल रहे।

एफएलएन प्रशिक्षण में शिक्षकों को पढ़ाई के नए तरीकों की दी जानकारी

छपरा। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग की महत्वाकांक्षी पहल एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी) के तहत दरियापुर प्रखंड अंतर्गत सीआरसी विशंभरपुर, सारण में एक दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण शिविर का आयोजन रघुनाथ जगन्नाथ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, विशंभरपुर में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालयों में सार्वभौमिक पठन-पाठन एवं संख्यात्मक कौशल का विकास करना है। प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों की क्षमता निर्माण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सामग्री के विकास तथा बच्चों की शैक्षणिक प्रगति की निरंतर निगरानी पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण में एनपीएस पूणार्डीह के ओम प्रकाश कुमार, अमृता कुमारी, अताउल हक, शिक्षक गांधी कुमार, विश्वम्भर पंचायत के पूर्व मुखिया कृष्ण मोहन राय सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। प्रशिक्षकों ने एफएलएन मिशन के उद्देश्यों और बच्चों के बीच बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक दक्षता विकसित करने के लिए अपनाए जाने वाले प्रभावी तरीकों की जानकारी दी। वहीं एनपीएस पूणार्डीह के प्रभारी रुस्तम अली ने बताया कि शिक्षक के कौशल विकास के लिए इस तरह का प्रशिक्षण का आयोजन जरूरी होता है।

नीट पेपर लीक मामले में हुए बंदी में गिरफ्तार सभी अभियुक्त को छोड़ने का आदेश

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। बिहार सरकार के महाधिवक्ता एवं जिला पदाधिकारी के आदेश पर नीट पेपर लीक मामले में हुए बंदी और तोड़फोड़ मामले में गिरफ्तार सभी आरोपियों को छोड़ने का आदेश पर छपरा व्यवहार न्यायालय के मुख्य न्यायिक पदाधिकारी स्वाति सिंह ने छपरा थाना कांड संख्या 634/26 जिसमें कुल 30 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए थे एवं छपरा नगर 638/26 जिसमें कुल 37 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए थे तथा छपरा नगर 639/26 जिसमें कुल 9 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए थे कुल 76 अभियुक्तों को छोड़ने का आदेश दिया है। सरकार की ओर से लोक अभियोजक सर्वजीत ओझा ने न्यायालय से कहा किया कि बिहार सरकार के महाधिवक्ता एवं जिला पदाधिकारी सारण के द्वारा सभी गिरफ्तार अभियुक्तों को छोड़ने के आदेश दिया गया है। इसलिए इस कांड में बंद सभी अभियुक्तों को रिहा करने का आदेश दिया जाए। जिसके आलोक में मुख्य न्यायिक पदाधिकारी द्वारा कुल 76 अभियुक्तों का मुक्ति आदेश मंडल का छपरा को भेजा गया है। विदित हो कि छपरा नगर थाना में कुल तीन प्राथमिकी अंदर दफा 223, 191(2) 191(3) 190 121(2) 189(4) 126(2) 115(2) 117(2), 109, 132, 121 (1)122(2) 125 ( )125( )324(4)(5) 326 (I) 61(2) 352 351(2) (3) बी एन एस एवं 3/4 डैमेज ऑफ पब्लिक प्रॉपर्टी एक्ट ऑफ 194(ई) एक्ट के तहत प्राथमिकी की दर्ज कराई गई थी।

गुरू अज्ञान रूपी अधंकार को मिटाकर संस्कार देते हैं: विधायक

प्रात: किरण संवाददाता

भेल्दी। गुरू पूर्णिमा का पर्व गुरू और शिष्य के पवित्र संबंध अज्ञान रूपी अधंकार को दूर करने वाले ज्ञान के प्रकाश और गुरू के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का महान अवसर है।गुरू अज्ञान रूपी अधंकार को मिटाकर जीवन में सभी मार्गदर्शन और संस्कार देते हैं। उक्त बातें सूबे के पूर्व मंत्री व गड़खा विधायक सुरेंद्र राम ने बुधवार को अमनौर प्रखण्ड के श्रीधर बाबा के मठिया सरायबक्स गड़खा में आयोजित गुरू पूर्णिमा पूजन महोत्सव को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि आज के दिन शिष्य अपने गुरूजनों का पूजन कर उनके प्रति सम्मान और निष्ठा प्रकट करते हैं। गुरू केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते जीने की कला भी सिखाते हैं। इस मौके पर सैकड़ों श्रद्धालु भक्तों ने संत श्रीधर दास जी महाराज का पूजन किया। समारोह को मुख्य रूप से पूर्व प्राचार्य रामप्रवेश पंडित, प्राचार्य रामकिशोर यादव, प्रो.सियाराम यादव, पूर्व मुखिया रमेश कुमार यादव, सनातनी चित्राली उपाध्याय, प्रो.लालबाबू राय, राहुल कुमार यादव, राजेश उपाध्याय, सोहन पंडित, मुरारी स्वामी आदि ने संबोधित किया।अध्यक्षता व मंच संचालन पूर्व प्राचार्य अम्बिका राय ने किया।

पीड़ित दर्जनों लोगों में भय का माहौल

पानापुर (सारण) थाना क्षेत्र के कोंध भगवानपुर एवं सीमावर्ती तरैया प्रखंड के चांदपुरा गांव में सियार के काटने से एक महिला एवं एक बच्चे की मौत से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। बताया जाता है कि गत 12 जुलाई को एक पागल सियार ने कोंध भगवानपुर एवं चांदपुरा गांव के लगभग दो दर्जन लोगों को काटकर जख्मी कर दिया था।घायल सभी लोगों ने एंटीरेबीज इंजेक्शन भी लिया था। इस बीच सोमवार की रात सियार के काटने से गंभीर रूप से जख्मी भगवानपुर गांव निवासी गेना दास की 36 वर्षीया पत्नी प्रभावती देवी एवं चांदपुरा गांव निवासी जाकिर अली के 5 वर्षीय पुत्र सोहैल की अचानक तबीयत बिगड़ गयी।परिजन उन्हें इलाज के लिए छपरा ले गये जहां गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने पटना रेफर कर दिया।पटना में इलाज के दौरान मंगलवार की रात प्रभावती देवी की मौत हो गयी वही बुधवार की सुबह सोहैल ने भी दम तोड़ दिया।

सोसल मीडिया पर वायरल होने की होड़ लगी है : एनाएतुल्लाह नन्हे

प्रात: किरण संवाददाता

सीवान। सोसल मीडिया पर वायरल होने की ऐसी होड़ लगी है कि उसके लिए लोग रिश्ते का भी ध्यान नही दे रहे, जिस कारण रिश्ता तार-तार हो रहा है । पुराने जमाने मे राजा-महाराजा के दरबार मे मुजरा के नाम पर गीत-संगीत व नृत्य होता था, उसमे महिलाएँ अपने कला का प्रदर्शन करती थी, जिससे खुश होकर राजा-महाराजा इनाम देते थे । उस समय केवल संभ्रात लोगों के आमंत्रण पर ही वे गीत व नृत्य को उनके सामने प्रस्तुत करती थीं ।जिन्हें इतिहास के पन्नो में नृत्यांगना या नर्तकी कहा जाता था, जबकि मुगल शासकों के तौर में इतिहासकर उन्हें दरबारी और तवायफ लिखते हैं । वे भी एक सीमा के अंदर ही अपना प्रदर्शन करती थीं और खुलेआम अश्लीलता नही फैलाती थी । पहले राजा-महाराजा और अमीर लोग पैसा खर्च कर महिलाओं को नचवा कर आनंद उठाते थे । जिसमें नर्तकी

गरीब व कमजोर वर्ग से होती थी, जो पेट पालने के लिए मुजरा करती थी, किन्तु आज उसके ठीक उल्टा है । आज सोसल मीडिया पर पुरूष से ज्यादा महिलाओं की संख्या सबसे ज्यादा है, जिनमे 80 फीसद संभ्रात लोग हैं, जो वायरल होने के लिए किसी भी हद तक जा रहे हैं ।जो सोसल मीडिया के यूजर को फ्री में नाच, गाना और फूहड़ता को खुलेआम दिखा रहे हैं ।जो अमीर लोग कालांतर में गरीब कलाकार को पैसा देकर नचवाता था, वही अमीर अब खुद नाच-नाच कर वायरल होने की होड़ में बिल्कुल फ्री में इंटरटेनमेंट कर रहा है ।

डिप्टी ईओ ने छात्रों को लोकतंत्र और मतदान का पढ़ाया पाठ

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद एकबाल उस समय शिक्षक की भूमिका में दिखे जब वे शहर के छपरा सेंट्रल स्कूल में निर्वाचक जागरूकता क्लब के उन्मुखीकरण कार्यशाला में छात्रों से इंटेरैक्ट कर रहे थे. उन्होंने वातालार्प, प्रश्नोत्तरी और टू-वे-कम्युनिकेशन विधि को अपनाते हुए कहा कि वर्तमान समय युवाओं का है. ज्ञान और जानकारी महत्वपूर्ण है. मगर नेट, सोशल मीडिया और एआई के युग में यह समझना होगा कि कहां से और कितनी जानकारी एकत्र की जाए. उन्होंने वर्तमान परिपेक्ष्य में स्वयं को लक्ष्य केंद्रित बनाने और विचलन से बचाने की बात कहते हुए सीखने के लिए उत्प्रेरित रहने की बात कही. उन्होंने उदाहरणों से बात करते हुए लोकतंत्र, लोकसभा, राज्य सभा, विधान सभा, विधान परिषद की परिभाषा पूछते हुए उसका परिचय कराया. उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना, कार्य, दायित्व आदि का परिचय कराते हुए निर्वाचन की आवश्यकता, पद्धति और कार्यविधि को विस्तार से समझाया. डिप्टी ईओ श्री एकबाल ने निर्वाचक सूची की आवश्यकता, निर्माण की प्रक्रिया, अर्हता और पूरे मैकेनिज्म को आकर्षक ढंग से समझाते हुए फ्यूचर वोटर्स की परिकल्पना को समक्ष रखते हुए 17 वर्ष के छात्र छात्राओं को इसका लाभ उठाने की अपील की. उन्होंने कहा कि अभी आप रजिस्टर्ड हो जाएं. अर्हक तिथि आते ही आप का नाम स्वतः निर्वाचक सूची में जुड़ जाएगा. उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के वोटर्स हेल्प

लाईन ऐप का परिचय तकनीकी अंदाज में विस्तार से देते हुए कहा कि यदि आप अपने अभिभावक के मोबाइल में इसको गुगल प्ले ऐप से जरूर डाउनलोड करें. इससे आप नए वोटर का नाम जोड़ने, वांछित सुधार करने या नाम विलोपित या स्थानांतरण का कार्य स्वयं कर सकते हैं. यह बहुत ही मजेदार और ज्ञानवर्धक ऐप है. इससे आप समान्य ज्ञान के कंटेंट भी पा सकते है। श्री जावेद ने कहा कि हर विषय पर प्रश्न निर्मित करने की आदत डालें. उसके बाद उन प्रश्नों के सही उत्तर अपने शिक्षक, अभिभावक और उचित सोर्स से प्राप्त करने की कोशिश करें. इससे आपको टॉपिक अधिक याद रहेंगे. उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के स्वीप कार्यक्रम का परिचय कराते हुए कहा कि आयोग चाहता है कि सभी को निर्वाचन संबंधी ज्ञान हो. उसका सशक्त और कारगर माध्यम निर्वाचक साक्षरता क्लब है. आयोग ने माना है कि ईएलसी के जन-जागरण कार्यक्रम और प्रयासों से मतदान प्रतिशत में वृद्धि हुई है।

स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार गंभीर घायल, सदर अस्पताल रेफर

सीवान/दारौंदा थाना क्षेत्र के लीलासाह पोखरा के पास बुधवार को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान गोरियाकोठी थाना क्षेत्र के छितौली गांव निवासी वीरेंद्र कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, वीरेंद्र कुमार अपने परिवार के साथ गोरियाकोठी से दारौंदा थाना क्षेत्र के डुमरी स्थित अपने ससुराल जा रहे थे। इसी दौरान लीलासाह पोखरा के समीप तेज गति से आ रही एक स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को इलाज के लिए दारौंदा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, सीवान रेफर कर दिया। हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, गुरुवार, 30 जुलाई, 2026
देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

निक्षय मित्र के रूप में सहभागिता करते हुए 100 टीबी मरीजों को लिया गया गोद

आरा। जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देशानुसार उप विकास आयुक्त की उपस्थिति में रामको इंडस्ट्रीज लिमिटेड बिहिया द्वारा निक्षय मित्र के रूप में सहभागिता करते हुए 100 टीबी मरीजों को गोद लिया गया। इस अवसर पर समाहरणालय परिसर में मरीजों के बीच फूड बास्केट का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान टीबी उन्मूलन के लिए समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता पर बल दिया गया तथा सभी से निक्षय मित्र अभियान से जुड़कर टीबी मरीजों के पोषण एवं उपचार में सहयोग करने की अपील की गई। अवसर पर डॉ. ए. अहमद, जिला संचारी रोग पदाधिकारी, रामको इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रतिनिधिगण, जिला समन्वयक, डॉक्टर फॉर यू की टीम तथा टीबी विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

कोईलवर : वार्ड 13 में जलजमाव से राहत की कवायद शुरू

कोइलवर। नगर पंचायत कोईलवर के सुरौधा कॉलोनी में वर्षों से बनी जलजमाव की समस्या के समाधान की दिशा में पहल शुरू हो गई है। नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी शहाब याहिया व मुख्य पार्षद सरताज आलम के पहल से जलनिकासी की अस्थायी व्यवस्था लागू कर दी गई है। बुधवार दोपहर मुख्य पार्षद सरताज आलम स्वयं कार्यस्थल पर पहुंचे और नाव पर लगाए गए मोटर लिफ्टर के माध्यम से जलभराव वाले क्षेत्र से पानी निकालने का कार्य शुरू कराया। उन्होंने बताया कि लगातार बारिश और आसपास की नालियों का पानी जमा होने से पूरे इलाके में व्यापक जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। पानी की मात्रा अधिक होने के कारण इसकी पूरी निकासी में करीब एक माह या उससे अधिक समय लग सकता है। मुख्य पार्षद ने कहा कि वर्तमान में लोगों को राहत देने के लिए अस्थायी रूप से पानी निकाला जा रहा है। वहीं स्थायी समाधान के तहत नाला निर्माण, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना तथा उपचारित पानी को नदी में प्रवाहित करने की योजना तैयार की गई है। इस संबंध में नगर पंचायत की ओर से स्थानीय विधायक एवं संबंधित विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है।

गुरु पूर्णिमा पर संगमेश्वर नाथ परमधाम बिंदगावा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

कोइलवर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर संगमेश्वर नाथ परमधाम, बिंदगावा में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ पूजा-अर्चना एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर अपने गुरु का पूजन किया तथा सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मंदिर के संरक्षक योगानंद जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा, ह्लगुरु के बिना ज्ञान की प्राप्ति संभव नहीं है। गुरु ही मनुष्य को अज्ञान रूपी अंधकार से निकालकर सत्य, ज्ञान और आत्मबोध के प्रकाश की ओर ले जाते हैं। जीवन में गुरु का स्थान सर्वोच्च है और उनके बताए मार्ग पर चलकर ही व्यक्ति का जीवन सफल एवं सार्थक बनता है।पूजा-अर्चना के उपरांत आयोजित विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं, संत-महात्माओं एवं स्थानीय ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति, सेवा और आध्यात्मिक वातावरण देखने को मिला। आयोजन को सफल बनाने में मंदिर समिति, स्वयंसेवकों एवं स्थानीय श्रद्धालुओं का सराहनीय योगदान रहा।

गुरु पूर्णिमा पर श्रीरंग की बड़ी मंदिर में उमड़ी आस्था, भक्ति की अविरल धारा बही

बड़हरा। बड़हरा प्रखंड के गुंडी स्थित श्रीरंग की बड़ी मंदिर में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। बुधवार को आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गुरु परंपरा के प्रति अपनी अटूट आस्था व्यक्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूर्णिमा कथा से हुआ। कथा में गुरु की महिमा, सनातन संस्कृति तथा आध्यात्मिक जीवन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। कथा श्रवण के दौरान पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण और जयघोष से गुंजायमान रहा। इसके उपरांत श्री रामानुज स्वामी का वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार अभिषेक एवं दीक्षा संस्कार संपन्न कराया गया। पीठाधीश्वर एवं विद्वान आचार्यों के सान्निध्य में संपन्न इस अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने गुरु के श्रीचरणों में नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा धर्म, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। धार्मिक अनुष्ठानों के समापन के बाद भगवान श्रीरंगनाथ की विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। दिनभर मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन, गुरु वंदना और हरिनाम संकीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहा। आसपास के विभिन्न गांवों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ कार्यक्रम में ।

जवानिया में कटाव निरोधक कार्यों का अपर समाहर्ता ने किया निरीक्षण, गुणवत्ता व सुरक्षा पर दिया जोर

प्रात : किरण संवाददाता

जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देशानुसार बुधवार को अपर समाहर्ता (आपदा) ने भोजपुर जिले के जवानिया क्षेत्र में गंगा नदी किनारे चल रहे कटाव निरोधक कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, बक्सर के कार्यपालक अभियंता भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कार्यस्थल का जायजा लेकर निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता, संरचनात्मक मजबूती तथा गंगा नदी के जलस्तर और तट सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता ने संबंधित अभियंताओं एवं विभागीय पदाधिकारियों को कटाव निरोधक कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान किसी भी संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पहले से पूरी रखी जाएं, ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और किसी प्रकार की क्षति से बचाव हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे किए जाएं। साथ ही निर्माण कार्यों में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता बनाए रखने तथा संवेदनशील स्थलों पर लगातार निगरानी रखने को कहा। अपर समाहर्ता ने स्पष्ट किया कि मानसून अवधि में किसी भी संभावित आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखा जाए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्थल पर मौजूद कर्मियों से आवश्यक जानकारी भी प्राप्त की और कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की हिदायत दी।

भ्रामक व फेक न्यूज पर कड़ी नजर रखने के निर्देश
मीडिया मॉनिटरिंग सेल की बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश पर बुधवार को समाहरणालय में मीडिया मॉनिटरिंग सेल एवं अनुश्रवण कोषांग की बैठक उप विकास आयुक्त अरुण प्रकाश की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न समाचार माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाली खबरों की नियमित निगरानी तथा भ्रामक एवं फेक न्यूज पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों पर प्रसारित होने वाली भ्रामक सूचनाओं का सतत अनुश्रवण किया जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर त्वरित एवं नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही आमजन तक सही एवं प्रामाणिक जानकारी समय पर पहुंचाने पर भी जोर दिया गया। उप विकास आयुक्त ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं जिले में संचालित विकासात्मक कार्यों का व्यापक और प्रभावी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया। बैठक में साइबर डीएसपी, डीएसपी मुख्यालय, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कल्याण संगठन ने की दिव्य महाआरती नशा मुक्ति व विश्व कल्याण का दिया संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

पीरो (आरा)। माँ भगवती मानव कल्याण संगठन, शाखा पीरो के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर जिला प्रमुख सतेन्द्र कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में रितेश राज के आवास पर एक घंटे की दिव्य महाआरती का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ आरती में भाग लेकर गुरु के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। दिव्य महाआरती के दौरान नशा मुक्ति, समाज कल्याण, विश्व कल्याण, भक्ति, ज्ञान एवं आत्मशक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि गुरु के बताए मार्ग पर चलकर ही व्यक्ति अपने जीवन को सफल और समाज को स्वस्थ एवं संस्कारित बना सकता है। कार्यक्रम में राजेन्द्र ठाकुर, पूर्व वार्ड पार्षद पचरत्ना देवी, संगीता कुमारी, सतीश कुमार, शशि कुमार सुमन, सीतापति देवी, अनभवती देवी, आराध्या सुमन, आराधना सुमन, पिंटू ठाकुर, सूर्याश शर्मा सहित दर्जनों महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विश्व शांति, समाज कल्याण एवं मानवता के मंगल की कामना के साथ हुआ।

गुरु पूर्णिमा भारतीय मनोविज्ञान दिवस पर संगोष्ठी भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता पर हुआ मंथन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। महाराजा बहादुर राम रण विजय प्रसाद सिंह कॉलेज, आरा के मनोविज्ञान विभाग द्वारा गुरु पूर्णिमाझभारतीय मनोविज्ञान दिवस विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय मनोविज्ञान, गुरुझशिष्य परंपरा तथा मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यक्तित्व विकास में भारतीय ज्ञान परंपरा की भूमिका को रेखांकित करना था। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक प्रो. ओम प्रकाश केशरी ने अपने संदेश में कहा कि भारतीय मनोविज्ञान देश की सांस्कृतिक एवं बौद्धिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों और शोधार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक मूल्यों एवं मानवीय संवेदनाओं से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। विशिष्ट संरक्षक प्रो. संजय कुमार ने भारतीय मनोविज्ञान की वैश्विक प्रासंगिकता पर बल देते हुए कहा कि इस विषय पर शोध एवं नवाचार वर्तमान समय की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि प्रख्यात मनोवैज्ञानिक एवं शिक्षाविद् प्रो. (डॉ.) राम चन्द्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय मनोविज्ञान केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए भी एक वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रणाली है। उन्होंने गुरुझशिष्य परंपरा के महत्व और आधुनिक जीवन में भारतीय मनोविज्ञान के उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. कनक लता ने की। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, नैतिक मूल्यों तथा मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विभागाध्यक्ष डॉ. रमेन्द्र कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए भारतीय मनोविज्ञान के अध्ययन एवं शोध को समय की आवश्यकता बताया। वहीं महाविद्यालय के बर्सर डॉ. रमेन्द्र कुमार सिंह (द्वितीय) ने कहा कि गुरुझशिष्य परंपरा भारतीय शिक्षा व्यवस्था की आत्मा रही है, जो ज्ञान के साथ संस्कार और जीवन मूल्यों का भी संचार करती है।संगोष्ठी का संचालन डॉ. सरिता देवी ने किया।कार्यक्रम का संयोजन डॉ. इन्दु कुमारी तथा सह-संयोजन डॉ. नवीन चन्द्र शर्मा ने किया। शोधार्थी शिल्पा वर्मा, प्रियंका कुमारी एवं दीपक त्रिवेदी ने विषय आधारित पोस्टर प्रस्तुत किए। स्नातकोत्तर एवं स्नातक के विद्यार्थियों सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान भारतीय मनोविज्ञान, गुरुझशिष्य परंपरा, मानसिक स्वास्थ्य तथा समकालीन समाज में भारतीय ज्ञान प्रणाली की उपयोगिता पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ। समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। अंत में सहायक प्राध्यापक कुमार पटेल ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए सभी अतिथियों, शिक्षकगण, शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे शैक्षणिक आयोजन भारतीय मनोविज्ञान के प्रचार-प्रसार और विद्यार्थियों में भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।

बड़की खड़ांव में जीविका समूह की महिलाओं ने खोला श्रृंगार स्टोर एवं ब्यूटी पार्लर

सहार। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सहार प्रखंड के बड़की खड़ांव गांव में जीविका समूह की महिलाओं द्वारा पहला श्रृंगार स्टोर एवं ब्यूटी पार्लर खोला गया। जय माती ग्राम संगठन की जिवीका दिदी आराधना कुमारी इस पहल से गांव की महिलाओं को स्थानीय स्तर पर सौंदर्य प्रसाधन और ब्यूटी सेवाओं की सुविधा उपलब्ध होगी, वहीं समूह से जुड़ी महिलाओं को स्वरोजगार का अवसर भी प्राप्त होगा। उद्घाटन अवसर पर नोडल पदाधिकारी चंदन कुमार, रिसोर्स प्रर्शन मो सादिक खान ने उपस्थित लोगों ने कहा कि जीविका समूह के महिलाओं के आर्थिक सहयोग देकर सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बन रहा है। समूह की सदस्याओं ने बताया कि अब उन्हें रोजगार के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी तथा गांव में ही आय का स्थायी स्रोत विकसित होगा। ब्यूटी पार्लर एवं श्रृंगार स्टोर में विभिन्न प्रकार के सौंदर्य प्रसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे, साथ ही महिलाओं एवं युवतियों को आधुनिक सौंदर्य सेवाएं भी प्रदान की जाएंगी।ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे न केवल महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रेरणा मिलेगी। जीविका समूह की सदस्याओं ने भविष्य में अपने व्यवसाय का विस्तार कर अधिक महिलाओं को रोजगार से जोड़ने की योजना भी व्यक्त की।

चार वर्षीय यूजी पाठ्यक्रम की किताबें बाजार से गायब, इंटरनेट और गेस पेपर के सहारे पढ़ाई

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत लागू चार वर्षीय स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रम की पढ़ाई शुरू हुए काफी समय बीत चुका है, लेकिन अधिकांश विषयों की निर्धारित पाठ्यपुस्तकें अब भी बाजार में उपलब्ध नहीं हैं। इसका सबसे अधिक असर पहले और दूसरे सेमेस्टर के विद्यार्थियों पर पड़ रहा है। पुस्तकें नहीं मिलने के कारण छात्र-छात्राएं गेस पेपर, इंटरनेट, ई-बुक, पीडीएफ, नोट्स तथा विश्वविद्यालय द्वारा जारी सिलेबस के आधार पर अपनी पढ़ाई पूरी करने को विवश हैं। वहीं शिक्षक भी विभिन्न स्रोतों से अध्ययन सामग्री जुटाकर कक्षाओं का संचालन कर रहे हैं। डॉ मिथिलेश कुमार गिरी का कहना है कि बिहार के विश्वविद्यालयों में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत लगातार नए सिलेबस और नियम लागू किए जा रहे हैं, लेकिन उनके अनुरूप मानक एवं प्रमाणिक पुस्तकों का प्रकाशन और उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो सकी है। कई विषयों का पाठ्यक्रम तैयार होने के बावजूद संबंधित पुस्तकें अब तक बाजार में नहीं पहुंची हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षकों के अनुसार एक ही विषय की पढ़ाई के लिए कई बार अलग-अलग प्रकाशकों की पुस्तकों और ऑनलाइन सामग्री का सहारा लेना पड़ता है। कई विषयों में केवल डिजिटल सामग्री ही उपलब्ध है, जिससे विद्यार्थियों के बीच भ्रम की स्थिति बन रही है। अलग-अलग स्रोतों की सामग्री होने के कारण यह तय करना भी कठिन हो रहा है कि परीक्षा के लिए कौन-सी सामग्री अधिक उपयोगी होगी।सबसे अधिक परेशानी समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, एईसी (AEC), कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC), मूल्य संवर्धित पाठ्यक्रम (VAC) तथा बहुविषयक पाठ्यक्रम (MDC) के विद्यार्थियों को हो रही है। इन विषयों की निर्धारित पुस्तकें अभी तक व्यापक रूप से बाजार में उपलब्ध नहीं हैं। परिणामस्वरूप विद्यार्थियों को महंगे नोट्स खरीदने या इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री पर निर्भर रहना पड़ रहा है। एसबी कॉलेज की प्राचार्या डॉ. मीना कुमारी ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप सिलेबस तैयार करना जितना आवश्यक था, उतना ही महत्वपूर्ण उसके अनुरूप गुणवत्तापूर्ण और प्रमाणिक पाठ्यपुस्तकों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करना भी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों, प्रकाशकों और संबंधित शैक्षणिक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर इस समस्या का समाधान किया जा सकता है। एस बी कॉलेज के गणित विभाग डॉ. आदित्य कुमार आनन्द ने कहा कि यदि समय रहते पुस्तकें उपलब्ध नहीं कराई गई तो आगामी सेमेस्टर परीक्षाओं में विद्यार्थियों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग, विश्वविद्यालय प्रशासन और प्रकाशकों से समन्वित पहल कर शीघ्र आवश्यक कदम उठाने की मांग की, ताकि चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम की पढ़ाई सुचारु रूप से संचालित हो सके और विद्यार्थियों को समय पर गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री उपलब्ध हो सके।

इंटर जनरेशन बॉन्डिंग कार्यशाला में बुजुर्गों और नई पीढ़ी ने साझा किए अनुभव

जगदीशपुर। भोजपुर के जगदीशपुर नयका टोला स्थित जन विकास क्रांति के सभाकक्ष में जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, भोजपुर (आरा) के तत्वावधान में केंद्र प्रायोजित अटल वयो अभ्युदय योजना (अव अ) की राज्य कार्ययोजना के अंतर्गत इंटर जनरेशन बॉन्डिंग एक्टिविटीज विषय पर उन्मुखीकरण-सह-संवेदनशीलता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा अंजना कुमारी, जन विकास क्रांति के महासचिव डॉ. हिमराज सिंह तथा वरिष्ठ नागरिक निर्मल कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों और नई पीढ़ी के बीच संवाद, सम्मान एवं भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करना तथा समाज में पीढ़ियों के बीच आपसी समझ, सहयोग और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के दौरान रंगोली, पेंटिंग, निबंध लेखन और म्यूजिकल चेयर सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने इन गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं के विजेता रंगोली प्रतियोगिता में अफरीन ग्रुप ने प्रथम, काजल कुमारी ग्रुप ने द्वितीय तथा माधुरी कुमारी ग्रुप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पेंटिंग प्रतियोगिता में सानिया खातून प्रथम, काजल कुमारी द्वितीय तथा अमन कुमार तृतीय स्थान पर रहे। म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता–वरिष्ठ नागरिक वर्ग में निर्मल कुमार सिंह ने प्रथम, शिव प्रश्नन सिंह ने द्वितीय तथा रामेश्वर चौधरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता–जूनियर वर्ग में गुड़िया कुमारी प्रथम, लाली कुमारी द्वितीय तथा मोनिका कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। निबंध प्रतियोगिता में आकाश कुमार ने प्रथम, समन कुमार ने द्वितीय तथा लाली कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतिभागियों को वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान, अधिकारों और देखभाल के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर सभी उपस्थित लोगों ने बुजुर्गों की गरिमा बनाए रखने, उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखने तथा उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार करने की शपथ भी ली। कार्यक्रम में जन विकास क्रांति के महासचिव डॉ. हिमराज सिंह, कुमारी स्नेहा सिंह, अमन कुमार सोनी, अंकित कुमार, उमाशंकर सिंह, धनजी सिंह, मोहम्मद जावेद, विकास चौधरी और संतोष कुमार सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं और बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

दहेज हत्या मामले का फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा। सिन्हा थाना पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के नुरपुर गांव में छापेमारी कर की।जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि दहेज हत्या मामले का नामजद आरोपी एवं फरार स्थायी वारंटी अपने घर पर मौजूद है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष राजू कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया और चिन्हित स्थान पर त्वरित छापेमारी की गई। पुलिस को देखते ही आरोपी भागने का प्रयास कर रहा था, लेकिन पुलिस ने उसे घेराबंदी कर दबोच लिया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान नुरपुर गांव निवासी डोमन चौधरी के पुत्र विनोद चौधरी के रूप में हुई है। वह दहेज हत्या के मामले में नामजद अभियुक्त होने के साथ-साथ न्यायालय से निर्गत स्थायी वारंट के बावजूद लंबे समय से फरार चल रहा था। थानाध्यक्ष राजू कुमार ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया पूरी करते हुए जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि फरार वारंटियों एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस का विशेष अभियान लगातार जारी है और किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

गुरु पूर्णिमा : सकड्डी में उमड़ी आस्था जनार्दनचार्य के सानिध्य में भव्य आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

कोइलवर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर कोईलवर प्रखंड के सकड्डी गांव में भव्य आध्यात्मिक एवं धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्मलीन जगद्गुरु त्रिदंडी स्वामी जी महाराज के शिष्य, जगद्गुरु श्री श्री 1008 तंत्र सम्राट, काशी पीठाधीश्वर स्वामी जनार्दनाचार्य जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्वामी जनार्दनाचार्य जी महाराज ने बताया कि वर्तमान में उनका पवित्र चातुर्मास व्रत चल रहा है। गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में श्रद्धालुओं द्वारा संगीतमय सुंदरकांड का सामूहिक पाठ किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम के दौरान ब्रह्मलीन जगद्गुरु त्रिदंडी स्वामी जी महाराज का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। काशी सहित विभिन्न स्थानों से पहुंचे शिष्यों एवं श्रद्धालुओं ने स्वामी जनार्दनाचार्य जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। दिनभर दर्शन और आशीर्वाद लेने वालों की भीड़ लगी रही। अपने प्रवचन में स्वामी जनार्दनाचार्य जी महाराज ने श्रीमद्भागवत के दत्तात्रेय प्रसंग का उल्लेख करते हुए उनके 24 गुरुओं की प्रेरणादायी कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि मनुष्य यदि सीखने की भावना रखे तो प्रकृति और समाज का प्रत्येक तत्व उसका गुरु बन सकता है। कार्यक्रम के उपरांत भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर यह भी घोषणा की गई कि चातुर्मास की पूर्णाहुति के बाद लक्ष्मी-नारायण महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। महायज्ञ की जलयात्रा 29 अक्टूबर को निकाली जाएगी।कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता रितिक ओझा सहित क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भूमि अर्जन मामलों के त्वरित निष्पादन हेतु विशेष शिविर आयोजित

● पटना-आरा-सासाराम राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना से संबंधित मामले हेतु शिविर आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया के निदेशानुसार कोईलवर अंचल अंतर्गत पटना-आरा-सासाराम राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना से संबंधित भूमि अर्जन मामलों के त्वरित निष्पादन के उद्देश्य से ग्राम गुरी स्थित किसान भवन, हल्का-गोपालपुर में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर भूमि अर्जन कार्यालय, भोजपुर एवं अंचल कार्यालय, कोईलवर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। शिविर में परियोजना से प्रभावित रैयतों एवं भू-स्वामियों की भूमि अर्जन से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन किया गया। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा रैयतों से प्राप्त आवेदनों एवं अभिलेखों की जांच करते हुए आवश्यक कार्रवाई की गई। साथ ही, भूमि अर्जन प्रक्रिया, मुआवजा भुगतान एवं आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई तथा संबंधित समस्याओं का यथासंभव मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया गया।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शिक्षक सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

सासाराम। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन जिला रोहतास के तत्वावधान में सासाराम स्थित संत पॉल स्कूल, के उमा ऑडिटोरियम में ह्लगुरु पूर्णिमा शिक्षक सम्मान समारोहझ2026ह्व का आयोजन किया गया। इस समारोह में जिले के सभी 19 प्रखंडों से आए लगभग 400 शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यालय संचालकों को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए स्मृति-चिह्न, प्रशस्ति-पत्र एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिलाधिकारी, रोहतास दीपक कुमार मिश्र, अनुमंडल पदाधिकारी, सासाराम डॉ. नेहा कुमारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सासाराम वन विप्लव कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री मदन कुमार राय, पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद शमाइल अहमद, राष्ट्रीय संयुक्त सचिव डॉ. एस.पी. वर्मा तथा पासवा के जिलाध्यक्ष रोहित वर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि ह्लशिक्षक केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं।ह्व उन्होंने कहा कि बदलते समय में शिक्षकों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। विद्यार्थियों में अनुशासन, नैतिक मूल्यों, चरित्र निर्माण तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का समावेश ही विकसित भारत की नींव है।

सेमेस्टर-6 के बाद एग्जिट का विकल्प 12 अगस्त तक करें आवेदन

आरा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय ने स्नातक सत्र 2023-27 के विद्यार्थियों के लिए सेमेस्टर-6 के बाद एग्जिट विकल्प उपलब्ध करा दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिन विद्यार्थियों ने पहले छह सेमेस्टर की सभी परीक्षाएं सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर ली हैं और आगे की पढ़ाई जारी नहीं रखना चाहते, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर स्नातक (यूजी) डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।विश्वविद्यालय की ओर से जारी सूचना के अनुसार एग्जिट विकल्प का लाभ लेने के इच्छुक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध एग्जिट फॉर्म भरना होगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 12 अगस्त निर्धारित की गई है। इसके बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। परीक्षा नियंत्रक डॉ. लाल बाबू सिंह ने बताया कि यह व्यवस्था राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) के प्रावधानों के अनुरूप लागू की गई है। पात्र विद्यार्थियों को उनके संबंधित विषय में स्नातक डिग्री प्रदान की जाएगी। डिग्री प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को प्रोविजनल प्रमाणपत्र हेतु 250 रुपये तथा मल्टी डिग्री के लिए 500 रुपये का निर्धारित शुल्क भी जमा करना होगा। विश्वविद्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल छह सेमेस्टर की परीक्षा उत्तीर्ण करना पर्याप्त नहीं होगा। एग्जिट विकल्प का लाभ लेने के लिए चार क्रेडिट की अनिवार्य इंटर्नशिप भी सफलतापूर्वक पूरी करनी होगी। यह इंटर्नशिप सेमेस्टर-4 के बाद ग्रीष्मावकाश के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार कराई गई होगी। इंटर्नशिप पूरी नहीं करने वाले विद्यार्थी एग्जिट डिग्री के पात्र नहीं होंगे।विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि जिन विद्यार्थियों की आगे पढ़ाई जारी रखने की इच्छा है, वे सेमेस्टर-7 में नामांकन लेकर चार वर्षीय ऑनर्स पाठ्यक्रम पूरा कर सकते हैं। चार वर्ष की पढ़ाई पूरी करने पर विद्यार्थियों को ऑनर्स की डिग्री प्रदान की जाएगी। वहीं, जिन विद्यार्थियों का सीजीपीए 7.5 या उससे अधिक होगा, उन्हें ऑनर्स विद रिसर्च की डिग्री प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जिससे वे उच्च शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ सकेंगे।विश्वविद्यालय का मानना है कि एग्जिट विकल्प से विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक और व्यावसायिक योजनाओं के अनुरूप लचीलापन मिलेगा।

जीवन में गुरु चाहिए, गुरूर नहीं : डॉ. वेद प्रकाश

आरा। शहर के सर्किट हाउस पकड़ी रोड में बुधवार को म्यूजिक एंड आर्ट प्वाइंट संगीत एवं कला विद्यालय के प्रांगण में ह्लगुरु पूर्णिमाह्व परंपरागत तरीके से मनाया गया। सर्वप्रथम गुरु वंदना ह्लसारे तीर्थ धाम आपके चरणों मेंह्व.... पंकज कुमार पाठक ने गाकर सबको भाव विभोर कर दिया। तबले पर राकेश सिंह एवं नाल पर अजय श्रीवास्तव ने बखूबी साथ निभाया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा दर्जनों प्रस्तुतियां दी गई, जिसमें समूह गान में राधिका, अनिका, सिमरन, शेफाली, प्रियदर्शी, रौशनी, सुनीता, सोनाली, जया, अरण्या, आर्या, अमीरलायण, नंदनी, वीणा, अंशु के द्वारा भव्य गुरु भजन की प्रस्तुति दी गई। एक अन्य समूह भजन जिसमें मुख्य रूप से भास्कर, अनिकेत,आधवन, तहांनदेव, आरव, आशुतोष , विक्की, पंकज, रत्नाकर, विकाश बिहारी, अमितेश, मोहित, धनंजय के द्वारा बेहतरीन प्रस्तुति दी गई। वही राधिका श्रीवास्तव द्वारा राग भूपाली पर आधारित बंदिश नमन करो तुम सदगुरु चरणा तीन ताल में गाकर सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। इस अवसर पर संगीत कला गुरु डॉ. वेद प्रकाश सागर ने सभी शिष्यों को गुरु शिष्य परंपरा पर अपनी बात कही और समझाया के जीवन में गुरु का होना जरूरी है.... गुरूर का नहीं। कला स्वतंत्र होकर रहता है और रियाज बहुत जरूरी होता है। आज लगभग दर्जनों नए शिष्य गुरुमुखी बने, जिन्हें संगीत गुरु ने पवित्र मंत्रों उच्चारण के बाद आशीर्वाद देकर जीवन में सफल होने की कामना की गई। इस अवसर पर अजय श्रीवास्तव, राकेश सिंह, मन्नू राज, आलोक राज, आर.जे. विकास, अंजली कुमारी, वैष्णवी, विजय कृष्ण एवं इंस्पेक्टर विजय प्रसाद राय ने शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, गुरूवार,30 जुलाई 2026

संक्षिप्त खबरें

उत्तम कुशवाहा की हुई जीत विश्वविद्यालय प्रशासन ने दिया पैसा नहीं वसूलने के निर्देश

गया जी मगध विश्वविद्यालय के अंदर कयी कोलेज मे इंटर्नशिप में धन उगाही हो रहा था जिसपर मगध विश्वविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष उत्तम कुशवाहा ने आवाज उठाई। जिसपर आज बुधवार को उत्तम कुशवाहा की हुई जीत मगध विश्वविद्यालय प्रशासन ने पत्र जारी कर कर सभी कॉलेजों को यह सूचना किया है की इंटरशिप के नाम पर किसी भी छात्रों से पैसा नहीं वसूलना है। ज्ञात की छात्र जदयू के मगध विश्वविद्यालय अध्यक्ष उत्तम कुशवाहा लगातार छात्रों के हक के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन से सवाल करते रहते हैं। इसी कड़ी में इन्होंने इंटर्नशिप पर जो अवैध वसूली सारे कलिज में चल रही थी। जिसको लेकर उत्तम कुशवाहा ने मगध विश्वविद्यालय के कुलपति को चेताया था कि छात्रों से अवैध वसूली का अभिलंब बंद करिए, जिसको लेकर आज विश्वविद्यालय प्रशासन ने पत्र जारी कर कर सारे कॉलेजों को पैसा लेने पर रोक लगाया है इस मौके पर उत्तम कुशवाहा ने कहा कि छात्रों की जहां बात आएगी तो विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष में खड़ा मिलूंगा छात्रा से ही विश्वविद्यालय चलता है छात्रों का दोहन कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, उत्तम कुशवाहा ने विश्वविद्यालय प्रशासन को याद दिलाते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के सारे कर्मचारी सारे प्रोफेसर गन का घर छात्रों के ही पैसे से चलता है विश्वविद्यालय की चमक धमक की छात्रा होते हैं फिर आखिर क्यों छात्रों से लगातार दोहन किया जा रहा है यह कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उत्तम कुशवाहा ने कहा कि छात्र ही हमारा ताकत है और जहां छात्र की बात आएगी तो छात्र जदयू और यह उत्तम कुशवाहा हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ता के घर पहुंचे नीतीश कुमार, परिवारजनों को दिया आशीर्वाद

आज गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर जनता दल (यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गया जिला के जदयू के वरिष्ठ नेता चंदन कुमार सिंह के पटना साहिब स्थित आवास पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने परिवार के सभी सदस्यों से आत्मीय मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना, सभी को स्नेहाशीष प्रदान किया तथा श्री चंदन कुमार सिंह की माताजी से भी उन्होंने आशीर्वाद प्राप्त किया। नीतीश कुमार का चंदन कुमार सिंह के पूज्य पिता प्रख्यात समाजसेवी स्व० सुरेश नारायण सिंह से वर्षों पुराना व्यक्तिगत संबंध रहा है। उनके आग्रह और सहयोग से श्री नीतीश कुमार ने गया जिले के विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्यों की शुरूआत हुई तथा कई जनकल्याणकारी विकास योजनाओं को गति मिली, जिसका लाभ आज भी जिले की जनता को निरंतर प्राप्त हो रहा है। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री नीतीश कुमार के आगमन से श्री चंदन कुमार सिंह के परिवार में हर्ष और उल्लास का वातावरण रहा। परिवार के सभी सदस्यों ने उनका आत्मीय स्वागत किया तथा उनके स्नेह, मार्गदर्शन और आशीर्वाद को अपने लिए सौभाग्य बताया। इस मौके पर विधानपरिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता श्री ललन कुमार सर्राफ मौजूद रहे।

उर्वरक की कालाबाजारी पर जिला प्रशासन सख्त, दो प्रतिष्ठानों की अनुज्ञप्ति निलंबित

मधुबनी। किसानो को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने और उर्वरक की काला बाजारी जमाखोरी एवं अनियमित वितरण पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। जिलाधिकारी आनंद शर्मा के निर्देश पर जिले में लगातार उर्वरक प्रतिष्ठानों की जांच एवं छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 28 जुलाई को जिला कृषि पदाधिकारी सुदामा ठाकुर के नेतृत्व में अनुमंडल कृषि पदाधिकारी फुलपरास कृष्णानंद कुमार के साथ लौकही प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न उर्वरक प्रतिष्ठानों की औचक जांच की गई। जांच के दौरान मेसर्स प्रणव ट्रेडर्स, पिपराही (प्रो. विनीत कुमार नाहर) एवं मेसर्स जगदंबा एजेंसी, लौकही (प्रो. हेमंत कुमार गुप्ता) के प्रतिष्ठानो में गंभीर अनियमितताएं पाई गई।

इसके बाद दोनो प्रतिष्ठानो की उर्वरक अनुज्ञप्ति तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी गई। जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलेभर में नियमित रूप से जांच अभियान जारी है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उर्वरक बिक्री में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी, कालाबाजारी या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित दुकानदारो के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी उन्होने बताया कि अब तक जिला, अनुमंडल, प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर गठित उर्वरक छापेमारी दलों द्वारा जिले के 347 उर्वरक प्रतिष्ठानों की जांच की जा चुकी है। जांच के दौरान 18 प्रतिष्ठानों में अनियमितताएं पाई गई, जिनके विरुद्ध कार्रवाई की गई है इनमें 2 प्रतिष्ठानो के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है, जबकि 4 प्रतिष्ठानो की अनुज्ञप्ति रद्द, ।

शेरघाटी नगर परिषद में स्वच्छता पर चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित

15 अगस्त को होंगे प्रतिभागी सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

शेरघाटी। शेरघाटी नगर परिषद कार्यालय परिसर में मंगलवार को स्वच्छता जागरूकता अभियान के तहत चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शहर के दर्जनों विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने चित्रों और निबंधों के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक जिम्मेदारी का प्रभावी संदेश दिया।

इस प्रतियोगिता में गुरुकुल स्कूल, डीएवी पब्लिक स्कूल, प्रोजेक्ट इंटर विद्यालय, कन्या विद्यालय, रंगलाल इंटर स्कूल, क्रेन स्कूल सहित कई शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। बच्चों ने अपनी रचनात्मक सोच और कलात्मक प्रतिभा से स्वच्छ एवं सुंदर शहर की परिकल्पना को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया।

नगर परिषद की कार्यपालक पदाधिकारी रिचा प्रियदर्शी ने बताया कि लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से समय-समय पर इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चों के माध्यम से समाज में स्वच्छता का संदेश अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचता है और इससे नागरिकों में भी सफाई के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का सफल संचालन एवं देखरेख नगर परिषद के स्वच्छता पदाधिकारी सुमित कुमार के नेतृत्व में किया गया। प्रतियोगिता में बेहतर चित्रकला बनाने वाले तथा उत्कृष्ट निबंध लिखने वाले छात्र-छात्राओं का चयन किया जाएगा। चयनित प्रतिभागियों को आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष गीता देवी, कार्यपालक पदाधिकारी रिचा प्रियदर्शी, स्वच्छता पदाधिकारी सुमित कुमार, बजेंद्र कुमार सहित नगर परिषद के कई अधिकारी, कर्मी एवं विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

10 लाख की जमीन ठगी पर आईजी का बड़ा एक्शन, लोको पायलट की फरियाद पर दर्ज हुई एफआईआर, आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी

प्रातः किरण संवाददाता

गया। बिहार के गया जिले में जमीन खरीद-बिक्री के नाम पर 10 लाख की ठगी का मामला अब पुलिस कार्रवाई के केंद्र में आ गया है। इंडियन रेलवे में लोको पायलट के पद पर कार्यरत रमेश कुमार की शिकायत पर मगध मेडिकल थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए मगध रेंज के आईजी विकास वैभव ने स्वयं हस्तक्षेप किया और थाना पुलिस को तत्काल एफआईआर दर्ज कर आरोपितों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज करते हुए आरोपितों की तलाश में लगातार छापेमारी शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, बुधवार को पीड़ित लोको पायलट रमेश कुमार ने मगध रेंज के आईजी विकास वैभव से मुलाकात कर उन्हें लिखित आवेदन सौंपा। इस दौरान उन्होंने विस्तार से बताया कि किस प्रकार जमीन की रजिस्ट्री कराने के नाम पर उनसे करीब ₹10 लाख लिए गए, लेकिन न तो जमीन की रजिस्ट्री की गई और न ही उनकी रकम वापस की गई है। शिकायत सुनने के बाद आईजी विकास वैभव ने तत्काल मगध मेडिकल थाना अध्यक्ष को फोन कर मामले में प्राथमिकी दर्ज करने और आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी का निर्देश दिया गया है। पीड़ित लोको पायलट रमेश कुमार वर्तमान में गुजरात में इंडियन रेलवे में लोको पायलट के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने अपने आवेदन में बताया है कि वर्ष 2023 में मगध मेडिकल थाना क्षेत्र के पहाड़पुर निवासी प्रेमा देवी उर्फ गुड़िया देवी एवं उनके पति उपेंद्र यादव ने उन्हें एक जमीन दिखाकर भरोसा दिलाया था कि एग्रीमेंट के बाद विधिवत रजिस्ट्री कर दी जाएगी। आरोप है कि इसी विश्वास पर उन्होंने अलग-अलग तिथियों में चेक, यूपीआई और आरटीजीएस के माध्यम से करीब 10 लाख का भुगतान किया। लेकिन तय समय गुजर जाने के बावजूद न तो जमीन की रजिस्ट्री हुई और न ही उनकी मेहनत की कमाई लौटाई गई है।

लोको पायलट रमेश कुमार का आरोप है कि जब उन्होंने कई बार अपनी राशि वापस मांगी तो आरोपी पक्ष लगातार टालमटोल करता रहा है। उन्होंने दावा किया कि उपेंद्र यादव ने यहां तक कह दिया, "जो करना है कर लो, न पैसा लौटाऊंगा और न ही जमीन लिखूंगा।" बाद में किस्तों में पैसा लौटाने और नया एग्रीमेंट करने का आश्वासन भी दिया गया, लेकिन जब वह छुट्टी लेकर गुजरात से गया पहुंचे तो आरोपित अपने वादे से मुकर गए और कथित तौर पर कहा कि "जब जमीन पर लॉक खुलेगा, तभी पैसा मिलेगा।" लोको पायलट रमेश कुमार के अनुसार जिस जमीन का एग्रीमेंट उनके साथ किया गया, उसी जमीन का करीब पांच महीने पहले मगध मेडिकल थाना क्षेत्र के गोपी बीघा निवासी श्याम कुमार के साथ भी एग्रीमेंट किया जा चुका था और उनसे भी रुपये लिए गए थे। यदि जांच में यह आरोप सही साबित होता है तो यह एक ही जमीन का कई लोगों के साथ एग्रीमेंट कर आर्थिक लाभ लेने का गंभीर मामला सामने आ जाएगा। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपित दंपति सुनियोजित तरीके से लोगों को जमीन दिखाकर एग्रीमेंट करते हैं, मोटी रकम वसूलते हैं और बाद में न तो रजिस्ट्री करते हैं और न ही पैसा लौटाते हैं।

अधूरी नाली निर्माण से ग्रामीणों में आक्रोश सड़क पर बह रहा गंदा पानी

प्रात : किरण संवाददाता

शेरघाटी। प्रखंड के चिलिम पंचायत के सोने खाप गांव के वार्ड संख्या 12 में लगभग एक वर्ष से अधूरी पड़ी नाली निर्माण योजना ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिला परिषद मद से नाली निर्माण कार्य शुरू किया गया था, लेकिन निर्माण अधूरा छोड़ दिए जाने के कारण नाली का पानी सड़क पर बह रहा है। इससे राहगीरों को आने-जाने में कठिनाई हो रही है, वहीं आसपास रहने वाले लोगों को दुर्गंध और गंदगी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। सड़क पर जलजमाव होने से लोगों को आवागमन में परेशानी होती है तथा संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य कब शुरू हुआ और किस कारण अधूरा छोड़ दिया गया, इसकी जानकारी अब तक सार्वजनिक नहीं की गई है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि योजना की लागत कितनी थी और अब तक कितनी राशि खर्च की गई, इसका कोई सूचना पट्ट भी नहीं लगाया गया है। इससे योजना की पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं और ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मामले की जांच कराते हुए अधूरे नाली निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराने तथा खर्च की गई राशि का विवरण सार्वजनिक करने की मांग की है।

इस संबंध में जिला परिषद सदस्य मालती देवी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी।

रोटरी क्लब ऑफ गया सिटी ने कराया यात्री शेड का नवीनीकरण एवं लोकार्पण

प्रातः किरण संवाददाता

गया,। रोटरी क्लब ऑफ गया सिटी द्वारा जनसेवा के उद्देश्य से नवीनीकृत यात्री शेड का लोकार्पण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं परियोजना के प्रायोजक पीपी आरटीएन डा. अभय नारायण ने विधिवत फीता काटकर यात्री शेड का लोकार्पण किया है। अपने संबोधन में डॉ. अभय नारायण राय ने कहा कि समाज के लिए स्थायी एवं जनोपयोगी कार्य ही रोटरी की वास्तविक पहचान हैं। उन्होंने रोटरी क्लब ऑफ गया सिटी द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

क्लब के अध्यक्ष आरटीएन प्रोफेसर एम . एन. अंजुम ने कहा कि यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं आरामदायक विश्राम स्थल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस यात्री शेड का नवीनीकरण कराया गया है। उन्होंने कहा कि क्लब भविष्य में भी समाजहित एवं जनकल्याण के ऐसे कार्य निरंतर करता रहेगा। सचिव आरपीएन अभिषेक अग्रवाल ने क्लब की गतिविधियों की जानकारी देते हुए सभी अतिथियों, सदस्यों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी रोटेरियन्स के सामूहिक सहयोग एवं सेवा भावना से ही इस प्रकार की परियोजनाएँ सफल हो पाती हैं।

इस कार्यक्रम में आरटीएन प्रेम प्रति चक्कियार, आरटीन डा रतन कुमार आरटीएन कंटेश सिन्हा, आरटीएन अमरेश कुमार सिन्हा, आरटीएन अरविंद कुमार सिन्हा, आरटीएन प्रमोद अग्रवाल एवं आरटीएन. आशीश जेन सहित क्लब के अनेक रोटेरियन्स एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे हैं। सभी ने इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए रोटरी क्लब ऑफ गया सिटी के सेवा कार्यों की प्रशंसा की है।

इस समारोह के अंत में क्लब की ओर से मुख्य अतिथि एवं परियोजना के प्रायोजक पीपी आरटीएन डा अभय नारायण राय के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया, जिनके सहयोग से यह जनोपयोगी परियोजना साकार हो सकी। साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी रोटेरियन्स, सहयोगियों एवं उपस्थित अतिथियों का भी धन्यवाद ज्ञापित किया गया है।

रोटरी क्लब ऑफ गया सिटी ने सेवा, सद्भाव एवं मानवता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग के लिए भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्य निरंतर करते रहने का संकल्प व्यक्त किया है।

एक पेड़ नीतीश के नाम हरित बिहार, समृद्ध बिहार जल जीवन हरियाली अभियान का शुभारंभ

➤ वृक्षारोपण केवल पर्यावरण की रक्षा का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की आधारशिला: ई अजय कुशवाहा

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर जनता दल (यूनाइटेड), गयाजी जिला द्वारा माननीय विकाश पुरुष ,जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नीतीश कुमार जी के जल जीवन हरियाली अभियान एवं हरित बिहार के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से "एक पेड़ नीतीश जी के नाम" "हरित बिहार, समृद्ध बिहार" अंतर्गत व्यापक पैमाने पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। आज केवली उच्च माध्यमिक विद्यालय एव कूजापी में सैकड़ो पौधारोपण किया गया है इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया है। ई अजय कुशवाहा ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण की रक्षा का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की आधारशिला है। जदयू गयाजी जिला ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस अभियान से जुड़कर कम-से-कम एक पौधा अवश्य लगाएँ तथा उसके संरक्षण का भी संकल्प लें। यही सच्चे अर्थों में "हरित बिहार, समृद्ध बिहार" के निर्माण की दिशा में सार्थक योगदान होगा। जिन्हें भी पौधे की आवश्यकता है उन्हें निःशुल्क दिया जाएगा मुझसे संपर्क करें। इस कार्यकर्म में जद यू के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया श्री मधुसूदन रॉय श्री रामलखन स्वर्णकार,कुंडल वर्मा,धनंजय शर्मा,अरुण राव,शंकर चौधरी,प्रभात राव,राकेश पांडे,मो तबरेज खान ,मो मशूद खान श्रीमति गीता देवी देवरानी देवी राजू वर्मा सहित दर्जनों साथी मौजूद रहे हैं।

डॉ पंकज ने भारतीय संस्कृति में गुरु के महत्व को स्मरण करते हुए गुरु-शिष्य परंपरा को समाज की अमूल्य धरोहर बताया

■ भारतीय संस्कृति में गुरु ही वह दिव्य शक्ति हैं, जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं: राजेन्द्र अधिवक्ता संतोष ठाकुर

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ मनीष पंकज मिश्रा राजेन्द्र प्रसाद अधिवक्ता संतोष ठाकुर ने स्थानीय श्री रामानुज मठ में पहुंचकर पूज्य स्वामी जी वेंकटेश प्रर स्वामी जी को अंगवस्त्र, भगवान बुद्ध का स्मृति चिन्ह एबं बैग कलम डायरी देकर सम्मान किया तथा चरण स्पर्शकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी कार्यकताओं ने भारतीय संस्कृति में गुरु के महत्व को स्मरण करते हुए गुरु-शिष्य परंपरा को समाज की अमूल्य धरोहर बताया। इस अवसर पर भाजपा नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु ही वह दिव्य शक्ति हैं, जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं। उन्होंने कहा कि संसार में गुरु से बढ़कर कोई श्रेष्ठ नहीं है, क्योंकि गुरु ही मनुष्य को सही मार्ग दिखाकर उसके व्यक्तित्व, चरित्र और जीवन का निर्माण करते हैं। गुरु के सान्निध्य से व्यक्ति संस्कारवान, कर्तव्यनिष्ठ और राष्ट्रभक्त बनता है। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन गुरु-शिष्य परंपरा पूरे विश्व के लिए प्रेरणा का स्रोत रही है।

भगवान श्रीकृष्ण से लेकर महर्षि वेदव्यास तक, हमारे ऋषि-मुनियों ने ज्ञान और संस्कृति के संरक्षण में अतुलनीय योगदान दिया है। गुरु पूर्णिमा का पर्व हमें अपने गुरुओं के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदानकरताहै उपस्थित लोगों ने पूज्य स्वामी जी का आशीर्वाद प्राप्त कर समाज में नैतिक मूल्यों, सेवा, सद्भाव और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को दोहराया। इस अवसर पर बबलू गुप्ता मंटू कुमार आदि थे।

निजी विद्यालय समाज में शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं:सैयद स्माइल अहमद

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद स्माइल अहमद का दिल्ली पब्लिक स्कूल, बैदराबाद तेजपुरा में भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व विद्यालय के निदेशक धर्मेंद्र कुमार एवं वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष चंदन कुशवाहा ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार एवं एसोसिएशन के सदस्यों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद स्माइल अहमद का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं माल्यार्पण कर गर्मजोशी से स्वागत किया। समारोह के दौरान शिक्षा की गुणवत्ता, निजी विद्यालयों की भूमिका, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

सादगी, त्याग और आध्यात्मिक सेवा की प्रतिमूर्ति थीं दीदी मनमोहिनी : राजयोगिनी बीके शीला दीदी

गया जी। ब्रह्माकुमारीज राजयोग ज्ञान केंद्र, सिविल लाइन, गया में दीदी मनमोहिनी का स्मृति दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया है। इस कार्यक्रम में आयकर विभाग के श्री रंजय कुमार, कार्यालय अधीक्षक एवं श्री प्रभात रंजन, प्रधानाध्यापक, राजकीय मध्य विद्यालय सहित अनेक गणमान्य अतिथियों एवं ब्रह्माकुमार-ब्रह्माकुमारियों ने उपस्थित होकर दीदी मनमोहिनी जी को श्रद्धांजलि अर्पित की है। इस कार्यक्रम के दौरान सेवाकेंद्र की संचालिका राजयोगिनी बीके शीला दीदी ने दीदी मनमोहिनी के जीवन एवं उनकी आध्यात्मिक सेवाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दीदी मनमोहिनी जी त्याग, तपस्या, दृढ़ संकल्प, पवित्रता और ईश्वरीय ज्ञान की साकार प्रतिमूर्ति थीं। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन परमात्मा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने तथा मानव जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए समर्पित किया है। इस कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने दीदी मनमोहिनी जी के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर राजयोग ध्यान एवं आध्यात्मिक चिंतन भी कराया गया है। इस कार्यक्रम का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा, श्रद्धा और आत्मिक शांति से परिपूर्ण रहा।

नेब्रास्का में आयोजित यूएसए नेशनल रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में प्राइमरी डांस सोलो स्पर्धा में द्वितीय स्थान प्राप्त कर पूरे परिवार का नाम रोशन किया

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। गया के 242 ए.पी. कॉलोनी, में रहने वाले अशोक कुमार सिंह एवं श आभा सिंह की नातिन, सैक्रामेंटो (कैलिफोर्निया, अमेरिका) निवासी आयरा कश्यप ने लिंकन, नेब्रास्का में आयोजित यूएसए नेशनल रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में प्राइमरी डांस सोलो स्पर्धा में द्वितीय स्थान प्राप्त कर पूरे परिवार का नाम रोशन किया है। आयरा की यह उपलब्धि उसकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का शानदार परिणाम है। इतनी कम उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर यह सफलता वास्तव में प्रेरणादायक और गौरवपूर्ण है। ईश्वर से प्रार्थना है कि आयरा भविष्य में भी इसी प्रकार नई-नई सफलताएँ प्राप्त कर देश, परिवार और अपने शहर का नाम रोशन करती रहे हैं। यह प्रतियोगिता इन दिनों लिंकन, नेब्रास्का में आयोजित यूएसए रोलर स्पोर्ट्स नेशनल चैंपियनशिप के अंतर्गत चल रही है। इसके उपलब्धि पर गया जी जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष हरिप्रपन्न ने आयरा बधाई एवं उज्जवल भविष्य की कामना किया है।

राजस्व संग्रहण में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर गया के एमवीआई सम्मानित

➤ बिहार परिवहन विभाग ने प्रशस्ति-पत्र देकर सराहा, उत्कृष्ट कार्य के लिए दी शुभकामनाएं

गया जी। गया जिला परिवहन विभाग के लिए गौरव का क्षण तब आया जब बिहार सरकार के परिवहन विभाग ने राजस्व संग्रहण के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय योगदान के लिए मोटर वाहन निरीक्षक (एमवीआई) सुनील कुमार सिंह को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। विभाग द्वारा यह सम्मान उनके कुशल नेतृत्व, प्रभावी कार्यशैली और राजस्व संग्रहण में उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए दिया गया है। परिवहन विभाग ने जारी प्रशस्ति-पत्र में कहा है कि संबंधित अधिकारियों ने अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए राजस्व संग्रहण के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य किया है। उनके प्रयासों से विभागीय राजस्व में वृद्धि हुई है तथा परिवहन विभाग के लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान मिला है। इस उपलब्धि के लिए उन्हें सम्मानस्वरूप प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया है।

एमवीआई सुनील कुमार सिंह ने इसे अपने लिए प्रेरणादायक बताते हुए भविष्य में भी पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ विभागीय दायित्वों का निर्वहन करने की बात कही। परिवहन विभाग ने दोनों अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वे आगे भी इसी प्रतिबद्धता और दक्षता के साथ कार्य करते हुए विभाग की उपलब्धियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। इस सम्मान से गया जिला परिवहन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है।

गुरु पूर्णिमा पर विष्णुपद के शांतिकुंज भवन में मानव वैदिक जागृति सेवा ट्रस्ट के माध्यम से लाल बाबा ने पूजा-अर्चना, हवन, प्रवचन एवं भंडारे का किया आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर विष्णुपद के शांतिकुंज भवन में मानव वैदिक जागृति सेवा ट्रस्ट के द्वारा प्रवचन एवं भंडारे का आयोजन किया गया। लाल बाबा श्रद्धा एवं भक्ति के साथ विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया करते रहे हैं। इस अवसर पर सर्वप्रथम वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना एवं हवन संपन्न हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर विश्व शांति, सुख-समृद्धि एवं मानव कल्याण की कामना की है।

इस कार्यक्रम के दौरान कृष्णकांत प्रसाद ने गुरु महिमा पर आधारित प्रेरणादायी प्रवचन दिया। उन्होंने कहा कि गुरु ही ज्ञान का प्रकाश हैं और उनके मार्गदर्शन से ही जीवन सफल एवं सार्थक बनता है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से गुरु के बताए मार्ग पर चलने तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और सेवा की भावना को बढ़ाने का आह्वान किया है।

पूजा एवं प्रवचन के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया है। पूरे आश्रम परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने गुरु पूर्णिमा का पर्व उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाया है। इस कार्यक्रम में लक्ष्मीकांत प्रसार ,अभीशेख उपाध्यक्ष, देवेंद्र कुमार सिंह, वीरेंद्र कुमार, गुड्डू बाबा, ममता मैडम ,ओमप्रकाश शर्मा, कृष्ण कुमार उपाध्याय ,आशु पांडे ,मुनमुन सिंह एवं सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही है।

जीबीएम कॉलेज में गुरु पूर्णिमा एवं भारतीय मनोविज्ञान दिवस पर एक दिवसीय व्याख्यान का हुआ आयोजन

गया जी। गौतम बुद्ध महिला कॉलेज में मनोविज्ञान विभाग द्वारा भारतीय मनोविज्ञान दिवस एवं गुरु पूर्णिमा के सुअवसर पर इंडियन इनरिच्ड साइकोलॉजिकल नॉलेज एण्ड दि इम्पॉर्टेंस ऑफ द गुरु" विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन हुआ, जिसमें आमंत्रित मुख्य वक्ता के रूप में कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य एवं मनोविज्ञान के प्रोफेसर डॉ जावैद अशरफ रहे। विशिष्ट वक्ता के रूप में कॉलेज की वर्तमान प्रधानाचार्या डॉ सीमा पटेल स्वयं रहीं हैं। इस कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. अशरफ एवं प्रधानाचार्या डॉ सीमा पटेल एवं उपस्थित प्रोफेसरों ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित करके एवं माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण करके किया है। प्रधानाचार्या डॉ सीमा पटेल ने प्रधानाचार्य प्रो. डॉ जावैद अशरफ का स्वागत पौधा एवं छात्राओं द्वारा बनाये गये स्मृति चिह्न प्रदान करके किया है। प्रधानाचार्या डॉ सीमा पटेल ने स्वागत वक्तव्य देते हुए, विषय पर अपनी बात रखी। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा को भारतीय संस्कृति की आधारशिला बताते हुए दोनों के बीच स्नेह, सम्मान और समझदारी का रिश्ता बताया है। वहीं मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर अशरफ ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महर्षि वेदव्यास की जयंती को ही गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। महर्षि वेदव्यास ने ही मूल वेद को चार भागों ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद में बाँटा था। उन्हें ही महाभारत, पुराणों, तथा ब्रह्मसूत्र का रचयिता भी माना जाता है।

सूर्यकुण्ड परिसर गायत्री मंदिर में पंचकुण्डीय एवं दीक्षा समारोह का हुआ आयोजन

औरंगाबाद। सौर तीर्थ देव में अवस्थित सूर्य कुण्ड तालाब पर राम लक्ष्मण जानकी गायत्री मंदिर में अखिल विश्व गायत्री परिवार के द्वारा बुधवार को भक्तिमय वातावरण में गुरु पूर्णिमा व्यास पूजन समारोह भव्य तरह से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ देव मंच पर आचार्य ललित शर्मा,राजेंद्र शर्मा, सुमन जी एवं मुकेश जी के द्वारा वैदिक गायत्री महामंत्र से की गई। देव मंच पर आचार्य गण को रामलक्ष्मण जानकी गायत्री ट्रस्ट के द्वारा चंदन पुष्प हार साहित्य से समर्पित कर सम्मानित किया गया। देव के जनप्रतिनिधियों एवं पत्रकार बन्धुओं को भी सम्मान दिया गया । 6-30 बजे से7-30बजे तक मौन सामुहिक मानसिक जाप ध्यान की क्रिया शांत वातावरण में चला।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, गुरुवार, 30 जुलाई, 2026

संक्षिप्त खबरें

कथित धर्मांतरण के विरोध में ग्रामीणों का प्रदर्शन, एसडीएम से कार्रवाई की मांग

बगहा। देर से मिले समाचार के अनुसार बगहा पुलिस जिले के मधुबनी प्रखंड में कथित धर्मांतरण के मामले को लेकर स्थानीय लोगों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लंबे समय से कथित रूप से धर्मांतरण की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं और इस पर तत्काल रोक लगाई जानी चाहिए। प्रतिनिधियों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि यदि किसी संस्था या व्यक्ति द्वारा अवैध गतिविधियां संचालित की जा रही हैं तो उसे तत्काल बंद कराया जाए। बैठक के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी ने प्रदर्शनकारियों की बात सुनी और बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो नियमानुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मैरवा स्टेशन से रेल सिग्नल केबल चोरी करते दो गिरफ्तार, 7 हजार की रेल संपत्ति बरामद

सीवान। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट सीवान एवं अपराध आसूचना शाखा (सीआईबी) छपरा की संयुक्त टीम ने बुधवार को मैरवा रेलवे स्टेशन क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए रेल सिग्नल केबल चोरी कर ले जा रहे दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से करीब 7 हजार मूल्य का रेल सिग्नल का 12-कोर केबल बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार, सहायक उप निरीक्षक नन्द किशोर सिंह के नेतृत्व में आरपीएफ पोस्ट सीवान की टीम मैरवा रेलवे स्टेशन पर रेल संपत्ति सुरक्षा एवं अपराध निरोधक ड्यूटी पर तैनात थी। इसी दौरान सीआईबी छपरा के सहायक उप निरीक्षक ब्रिज सुंदर भी मौके पर पहुंचे। दोनों टीमों ने संयुक्त रूप से प्लेटफॉर्म संख्या-1 एवं मालगोदाम रैक साइडिंग क्षेत्र में निगरानी शुरू की। निगरानी के दौरान मालगोदाम रैक साइडिंग के जिरादेई छोर की ओर दो व्यक्तियों को गले में रेल सिग्नल केबल लपेटकर ले जाते हुए देखा गया। संदेह होने पर संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। तलाशी में उनके पास से दो टुकड़ों में रेल सिग्नल का 12-कोर केबल बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मैरवा थाना क्षेत्र के मैदनीय वार्ड संख्या-5 निवासी 35 वर्षीय उमेश साह तथा गुठनी थाना क्षेत्र निवासी 20 वर्षीय विजय राजभर के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान दोनों बरामद रेल संपत्ति के संबंध में कोई वैध दस्तावेज या स्वामित्व का प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके। आरपीएफ ने दोनों के विरुद्ध रेल संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम की धारा 3 के तहत आरपीएफ पोस्ट सीवान में कांड संख्या 08/2026 दर्ज किया है। मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय को सौंपी गई है।

विश्व बाघ दिवस पर चर्चा में वाल्मीकि टाइगर रिजर्व, 60 के पार पहुंचने का अनुमान बाघों का कुनबा

बगहा। विश्व बाघ दिवस के अवसर पर बिहार का एकमात्र वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का केंद्र बना हुआ है। पिछले एक दशक में वन विभाग द्वारा किए गए संरक्षण उपायों का सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। विभागीय आकलन और कैमरा ट्रैप से मिले संकेतों के अनुसार वीटीआर में बाघों की संख्या 70 के पार पहुंचने का अनुमान है। हालांकि वर्ष 2026 की आधिकारिक बाघ गणना के आंकड़े अभी भारत सरकार द्वारा जारी नहीं किए गए हैं। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व देश का 18वां तथा बिहार का एकमात्र टाइगर रिजर्व है, जिसका कुल क्षेत्रफल लगभग 899 वर्ग किलोमीटर है। इसमें करीब 598.45 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र कोर जोन तथा 300.93 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र बफर जोन में शामिल है। कोर जोन में मानवीय गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध है, जबकि बफर जोन में नियंत्रित गतिविधियों और इको-टूरिज्म की अनुमति दी जाती है। वर्ष 2010 में वीटीआर में बाघों की संख्या घटकर लगभग 8 से 10 रह गई थी। इसके बाद वन विभाग ने शिकार पर रोक, नियमित गश्ती, एंटी-पोचिंग कैंप, आधुनिक कैमरा ट्रैप निगरानी और जंगल में प्राकृतिक संसाधनों के विकास जैसे कई कदम उठाए। इसका परिणाम यह हुआ कि वर्ष 2014 में बाघों की संख्या बढ़कर 28 हो गई। वर्ष 2018 में यह आंकड़ा 31-32 तक पहुंचा, जबकि वर्ष 2022-23 की आधिकारिक गणना में वीटीआर में 54 बाघ दर्ज किए गए थे। अब नए आकलन में यह संख्या 60 से अधिक बताई जा रही है और हाल के वर्षों में जन्मे शावकों को जोड़ने पर कुल संख्या 70 से अधिक होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

ब्रह्मकुमारी आश्रम में महोत्सवपूर्ण मनाया गया गुरु पूर्णिमा

प्रात: किरण संवाददाता

रक्सौल। गुरु पूर्णिमा के दिन बहुत बड़ा महत्व होता है, जो संसार में राजा से लेकर तपस्वी से लेकर सभी को गुरु की आवश्यकता होता है, तो आए हम सभी मिलकर के उस सतगुरु के श्री चरणों में शत-शत प्रणाम करें, सबसे पहला गुरु जन्म देने वाला मां होती है, उसके पीछे बाकी सब गुरु है, लेकिन सब गुरुओं का भी परम सतगुरु भगवान परमेश्वर है। उक्त महोत्सव नागा रोड, शिवपुरी स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय आश्रम में श्रद्धा एवं आध्यात्मिक उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आश्रम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाई-बहनों ने उपस्थित होकर आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया तथा गुरु के प्रति अपनी आस्था एवं सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम में आश्रम की मुख्य संचालिका ज्ञानु दीदी जी ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में परमपिता परमात्मा शिव ही प्रथम गुरु हैं।

शिवबाबा ही सत्य ज्ञान के सागर, पतित-पावन एवं समस्त आत्माओं के सद्गुरु हैं। उनके श्रीमत पर चलकर ही मनुष्य जीवन को श्रेष्ठ, सुखमय एवं सफल बनाया जा सकता है। ज्ञानु दीदी जी ने सभी भाई-बहनों को नियमित राजयोग ध्यान, मुरली अध्ययन तथा श्रेष्ठ संस्कारों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सच्ची गुरु पूर्णिमा तभी है, जब हम परमात्मा शिव से प्राप्त ज्ञान को अपने जीवन में धारण कर समाज में शांति, प्रेम और सद्भाव का संदेश फैलाएँ। कार्यक्रम के दौरान सभी आए हुए आत्माओं का शब्द पुष्प से स्वागत अभिनंदन ममता बहन जी ने किया और कहां की गुरु वह होता है जो सत राह दिखाएं, सत्कर्म सिखाये,सत मार्ग पर चलने का शक्ति भरे, विश्व कल्याण के लिए राजयोग मेडिटेशन एवं विशेष योग का अभ्यास किया। पूरा आश्रम आध्यात्मिक उमंग, खुशी और दिव्य वातावरण से सराबोर दिखा।

गुरु पूर्णिमा पर निकली भव्य शाही शोभायात्रा हजारों संत-श्रद्धालु हुए शामिल

रक्सौल। हर साल की तरह गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर बुधवार को रक्सौल के काली नगरी स्थित सेवक संजय नाथ तांत्रिक काली मंदिर से भव्य शाही शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें भारत और नेपाल से आए हजारों साधु-संत, नागा बाबा, बैरागी, उदासी, गोरखपंथी संतों सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सुबह गुरु दीक्षा, दर्शन एवं विशेष पूजन के बाद दोपहर एक बजे शोभायात्रा मंदिर के पीठाधीश्वर जगद्गुरु वामाचार्य सेवक संजय नाथ के नेतृत्व में प्रारंभ हुई। चांदी का त्रिशूल धारण किए पीठाधीश्वर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हुए आगे बढ़े। शोभायात्रा आश्रम रोड, बैंक रोड, पटेल पथ, पोस्ट ऑफिस रोड, थाना परिसर एवं मुख्य मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पहुंची। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर संतों का स्वागत किया। "जय मां काली", "जय गुरुदेव" और "गुरु की जय हो" के जयघोष से नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा। त्रिशूल, डमरू, भभूत और रुद्राक्ष से सुसज्जित संतों की पारंपरिक वेशभूषा आकर्षण का केंद्र रही, जबकि महिलाओं ने कलश यात्रा व भक्ति गीतों से आयोजन को और भव्य बनाया। गुरु अखाड़ा के पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने व्यवस्था संभाली। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल तैनात रहा तथा नगर परिषद ने स्वच्छता और यातायात की विशेष व्यवस्था की थी।

निर्वाचन साक्षरता क्लब के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया। भावी, नवमतदाता एवं युवा मतदाताओं में निर्वाचन संबंधी जागरूकता एवं साक्षरता विकसित करने के उद्देश्य से आज राज्य संपोषित बालिका विद्यालय, बेतिया में निर्वाचन साक्षरता क्लब के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के बीच चित्रकला प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी (क्विज), भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन सहित अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से छात्राओं को लोकतांत्रिक मूल्यों, निर्वाचन प्रक्रिया तथा मतदाता के अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में पश्चिम चंपारण के मास्टर ट्रेनर उपेन्द्र शुक्ला ने छात्राओं को मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया, मतदान की संपूर्ण प्रक्रिया तथा निर्वाचन संबंधी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी, सदर, बेतिया विकास कुमार अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक की निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे जागरूक एवं सशक्त मतदाता बनकर राष्ट्र के भविष्य के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में उप निर्वाचन पदाधिकारी, पश्चिम चंपारण लाल बहादुर राय भी उपस्थित रहे। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन संबंधी जागरूकता एवं मतदाता सहभागिता बढ़ाने के लिए संचालित विभिन्न पहलों की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से मतदान के प्रति उदासीनता को त्यागकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर अवर निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर निर्वाचन साक्षरता क्लब के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्राओं को सम्मानित कर पुरस्कार प्रदान किए गए।

कथित झोलाछाप महिला डॉक्टर की लापरवाही से नवजात की मौत, प्रसूता की हालत गंभीर

बगहा। पश्चिम चंपारण के रामनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत नारायणपुर वार्ड-8 स्थित एक निजी क्लीनिक में कथित झोलाछाप महिला डॉक्टर की लापरवाही से नवजात की मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद प्रसूता की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि क्लीनिक संचालित करने वाली महिला के फरार होने की चर्चा है। घटना को लेकर इलाके में आक्रोश व्याप्त है। जानकारी के अनुसार, गोवर्धन थाना क्षेत्र के पथरी गांव निवासी धनु चौधरी अपनी गर्भवती पत्नी मिन्की देवी को प्रसव पीड़ा होने पर कथित रूप से दलालों के माध्यम से नारायणपुर स्थित महिला डॉक्टर दीपिका देवी उर्फ "देवी जी" के निजी क्लीनिक में लेकर पहुंचे थे। परिजनों का आरोप है कि प्रसव के कुछ घंटे बाद नवजात की मौत हो गई। वहीं, प्रसूता की हालत भी लगातार बिगड़ने लगी, जिससे परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों का आरोप है कि क्लीनिक में पर्याप्त चिकित्सा सुविधा और विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध नहीं थे। समय पर उचित इलाज नहीं मिलने के कारण नवजात की जान चली गई और प्रसूता की स्थिति भी गंभीर हो गई। घटना की सूचना मिलने पर डायल-112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने परिजनों से रामनगर थाना में लिखित शिकायत देने को कहा है। घटना के बाद से क्लीनिक बंद है और संचालिका के फरार होने की बात कही जा रही है।

आग से सुरक्षा के बारे में बड़ा मॉक ड्रिल का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

मोतिहारी। जिला अग्निशमन पदाधिकारी तृप्ति सिंह के आदेश प्राप्त होने पर अनुमंडल अग्निशमल्य पदाधिकारी मोतिहारी(वर्तमान में प्रभार में अंबिका कुमारी के स्थान पर अशोक कुमार के द्वारा माउंट लिटरा जी स्कूल ढाका रोड भारोलिया, मोतिहारी पूर्वी चंपारण में आग से सुरक्षा के बारे में जानकारी देते हुए एक बड़ा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल के माध्यम से यह दशार्या गया कि गैस सिलेंडर में आग लग जाने पर आपातकालीन स्थिति में कैसे आग को काबू किया जा सकता है। किसी भवन या बहुमंजिली ईमारत में यदि आग लग जाए तो उस स्थिति में कैसे रेस्क्यू के माध्यम से जान मल को सुरक्षित बचाया जा सकता है। मॉक ड्रिल के सफल आयोजन मै प्रधान अग्निक पिन्टु राय अग्निक चालक सुनील कुमार यादव अग्निक मुकेश पंडित और बिहार होम गार्ड के कर्ण कुमार तथा कमलेश कुमार भी उपस्थित रहे। अग्निशमन पदाधिकारी द्वारा किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए जिला अग्निशमन विभाग मोतिहारी के दो दूरभाष नंबर 7485805980/7485805981 को साझा किया गया इसके अलावा 101/112 डायल कर भी किसी भी आपातकालीन स्थिति में जरूरी मदद प्राप्त की जा सकती है।

आर्किटेक्ट रितु रानी को मिली मास्टर ऑफ डिजाइन की उपाधि

प्रात: किरण संवाददाता

रक्सौल। सोनीपत, हरियाणा के ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी कैंपस में आयोजित 15 वें दीक्षांत समारोह में आर्किटेक्ट रितु रानी को एआई में विशेषज्ञता के साथ मास्टर ऑफ डिजाइन की पोस्ट ग्रेजुएट उपाधि प्रदान की गई। कार्यक्रम में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा, ऑकलैंड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) डॉन फ्रेशवाटर, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका के लेमन प्रोफेसर डॉ. तरुण खन्ना और सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता और संसद सदस्य (राज्यसभा) डॉ. अभिषेक एम. सिंहवी सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट छात्र छात्राओं को अवॉर्ड माननीय सांसद व यूनिवर्सिटी के चांसलर नवीन जिंदल ने प्रदान किया। श्री जिंदल ने अपने संबोधन में अवॉर्ड पाने वाले सभी छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए उन्हें अपने पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में सत्यनिष्ठा, करुणा, नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। गौरतलब है कि "बैचलर ऑफ आर्किटेक्ट" की डिग्री हिमगिरी जी यूनिवर्सिटी, देहरादून से हासिल करने के बाद रितु रानी काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर की सदस्य बनीं। हैदराबाद की कॉग्निटो क्यूब नामक कंपनी में बतौर यूएक्स डिजाइनर अपने कैरियर की शुरूआत की। बालाजी टेलीफिल्म्स, मुंबई में बड़े अच्छे लगते हैं... सीरियल में प्रोडक्शन डिजाइनर के रूप में काम करने का अवसर मिला।

विश्व बाघ दिवस पर मंगूराहा रेंज में जुटे वीटीआर के आठों रेंज के अधिकारी, बाघ संरक्षण का लिया संकल्प

- बढ़ते बाघों के कुनबे को संरक्षण प्रयासों की बड़ी सफलता बताया

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। विश्व बाघ दिवस के अवसर पर वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के मंगूराहा रेंज परिसर में मंगलवार को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वीटीआर के सभी आठ रेंज के वन पदाधिकारी, वनकर्मी, छात्र-छात्राएं, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। इस दौरान बाघ संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और विश्व बाघ दिवस के उद्देश्य पर आधारित संबोधन के साथ हुई। अधिकारियों ने कहा कि बाघ केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि पूरे जंगल के पारिस्थितिक संतुलन का आधार हैं। बाघ सुरक्षित रहेंगे तो जंगल सुरक्षित रहेगा और जंगल सुरक्षित रहेगा तो पर्यावरण एवं मानव जीवन भी सुरक्षित रहेगा। इस अवसर पर वीटीआर के सभी आठों रेंज में आयोजित निबंध, चित्रकला, प्रश्नोत्तरी एवं जागरूकता प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण का संदेशवाहक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में पिछले कुछ वर्षों में बाघों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

नियमित गश्ती, एंटी-पोचिंग अभियान, कैमरा ट्रैप निगरानी, प्राकृतिक जल स्रोतों के विकास और शिकार प्रजातियों के संरक्षण जैसे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है।

वाल्मीकिनगर अस्पताल की टूटी चारदीवारी बनी खतरा, स्वास्थ्य केंद्र परिसर में घूम रहे जंगली जानवर

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। पर्यटन नगरी वाल्मीकिनगर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे है। अस्पताल परिसर की चारदीवारी का एक बड़ा हिस्सा वर्षों से टूटा हुआ है, जिसके कारण वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) से निकलकर जंगली जानवर अक्सर अस्पताल परिसर में प्रवेश कर जाते हैं। इससे रात में इलाज के लिए आने वाले मरीजों, उनके परिजनों तथा अस्पताल कर्मियों की सुरक्षा पर लगातार खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार टूटी हुई चारदीवारी के रास्ते हिरण,तेंदुआ,भालू,जंगली सूअर,सियार,बंदर समेत अन्य वन्यजीव कई बार अस्पताल परिसर में देखे जा चुके हैं। वन क्षेत्र से सटे होने के कारण कभी भी कोई हिंसक वन्यजीव परिसर में पहुंच सकता है, जिससे किसी बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। रात्रि के समय अस्पताल में भर्ती मरीजों और ड्यूटी पर तैनात स्वास्थ्यकर्मियों को हर समय भय के माहौल में काम करना पड़ता है। कई बार जंगली जानवरों के परिसर में आने से अफरा-तफरी की स्थिति भी बन चुकी है। इसके बावजूद अब तक चारदीवारी की मरम्मत या पुनर्निर्माण की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अस्पताल की टूटी चारदीवारी का मुद्दा कई बार अखबारों की सुर्खियां बन चुका है। जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग के अधिकारियों का ध्यान भी इस ओर आकृष्ट कराया गया, लेकिन वर्षों बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। क्षेत्रवासियों ने स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन से अस्पताल परिसर की चारदीवारी का अविलंब पुनर्निर्माण कराने व सुरक्षा व्यवस्था कायम करने की मांग की है।

मंगलपुर पुल पर मरम्मति कार्य को लेकर 30 जुलाई से यातायात रहेगा बंद

बेतिया। अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर विकास कुमार ने बताया कि गंडक नदी पर स्थित मंगलपुर पुल पर मरम्मति कार्य के मद्देनजर दिनांक 30 जुलाई 2026 को प्रातः 5:00 बजे से अगले आदेश तक पुल पर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन पूर्णतः बंद रहेगा। उन्होंने बताया कि गोपालगंज की ओर जाने वाले वाहन चालकों एवं आमजनों के लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में अरेराज मार्ग का उपयोग करना होगा। वहीं, नौतन प्रखंड अंतर्गत मछरगावा चौक से यातायात को जगदीशपुर की ओर डायवर्ट किया जाएगा। अनुमंडल पदाधिकारी ने आमजनों एवं वाहन चालकों से अपील की है कि मंगलपुर पुल पर मरम्मति कार्य के दौरान निर्धारित वैकल्पिक मार्ग का ही उपयोग करें तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

परिवार नियोजन के 'इम्प्लान्ट' साधन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया। राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (जी.एम.सी.एच.), बेतिया के सभागार में मंगलवार को परिवार नियोजन के नवीन गर्भनिरोधक साधन "सबडर्मल कॉन्ट्रासेप्टिव इम्प्लान्ट" पर एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला पी.एस. आई. इंडिया के तकनीकी सहयोग से आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जी.एम.सी.एच. के अधीक्षक प्रो. डॉ. अनिल कुमार ने की। कार्यक्रम में उपाधीक्षक डॉ. डी. के. मिश्रा एवं अस्पताल प्रबंधक विशाल कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य: इस प्रशिक्षण का मुख्य ध्येय अस्पताल की स्टाफ नर्सों और ममता कार्यकताओं की तकनीकी क्षमता को सुदृढ़ करना, योग्य लाभार्थियों की समयबद्ध स्क्रीनिंग और प्रभावी परामर्श सुनिश्चित करना था, ताकि अधिक से अधिक पात्र दंपतियों तक इस आधुनिक साधन की पहुँच बनाई जा सके।

तकनीकी पहलुओं पर दी गई जानकारी: प्रशिक्षण के दौरान पी.एस.आई. इंडिया के प्रतिनिधि अमित कुमार एवं प्रताप सिंह कोशियारी ने प्रतिभागियों को इम्प्लान्ट की प्रभावशीलता, पात्र लाभार्थियों के चयन, क्लाइंट स्क्रीनिंग, सेवा-पूर्व एवं सेवा-पश्चात परामर्श, संभावित दुष्प्रभावों के प्रबंधन और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा देने के तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया। अधिक्षक प्रो. डॉ. अनिल कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि इम्प्लान्ट एक अत्यंत सुरक्षित, प्रभावी और दीर्घकालिक प्रतिवर्ती गर्भनिरोधक साधन है। यह महिलाओं को लगातार तीन वर्षों तक अनचाहे गर्भ से सुरक्षा प्रदान करता है। सही परामर्श के जरिए इसे जन-जन तक पहुँचाना हमारी प्राथमिकता है। उपाधीक्षक डॉ. डी. के. मिश्रा ने नर्सों से अपील करते हुए कहा कि "स्टाफ नर्स परिवार नियोजन के अस्थायी साधनों, विशेषकर इम्प्लान्ट, के प्रति जागरूकता फैलाएँ।

महिला स्वाभिमान बटालियन परिसर में हुआ पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

- प्रगाश इकोलॉजिकल ग्रीनवे फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में कमांडेंट निर्मला कुमारी ने लगाया पौधा

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रगाश इकोलॉजिकल ग्रीनवे फाउंडेशन के तत्वावधान में महिला स्वाभिमान बटालियन परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला स्वाभिमान बटालियन की कमांडेंट सुश्री निर्मला कुमारी ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर फाउंडेशन के सदस्यों, महिला बटालियन के अधिकारियों एवं जवानों ने भी परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। कार्यक्रम के दौरान सभी ने पौधों की नियमित देखभाल करने तथा अधिक से अधिक लोगों को पौधरोपण के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। कमांडेंट सुश्री निर्मला कुमारी ने कहा कि पेड़-पौधे प्रकृति की अमूल्य धरोहर हैं।

पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण देने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी सुरक्षा और देखभाल भी हमारी जिम्मेदारी है। प्रगाश इकोलॉजिकल ग्रीनवे फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि संस्था लंबे समय से पर्यावरण संरक्षण, हरित अभियान और जनजागरूकता के क्षेत्र में कार्य कर रही है। संस्था का उद्देश्य अधिक से अधिक पौधे लगाकर हरित आवरण बढ़ाना और लोगों को प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।

काठमांडू में मानव तस्करी रोकने पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार आयोजित, सामूहिक प्रयासों पर जोर

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर बुधवार को नेपाल की राजधानी काठमांडू स्थित द ब्लू पैविलियन, नेपाल पुलिस क्लब में मानव तस्करी की रोकथाम विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय "Trapped Behind the Scam – A Collective Response to Combat Humnf Trafficking in Nepal–2026" रखा गया, जिसमें नेपाल पुलिस, सरकारी निकायों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों तथा सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नेपाल पुलिस के महानिरीक्षक (आईजीपी) दान बहादुर कार्की ने कहा कि मानव तस्करी आज केवल सीमा पार होने वाला अपराध नहीं, बल्कि साइबर माध्यमों, फर्जी रोजगार, ऑनलाइन ठगी और संगठित अपराध से जुड़ी गंभीर चुनौती बन चुकी है। उन्होंने कहा कि अपराधी लगातार अपने तरीके बदल रहे हैं, इसलिए सुरक्षा एजेंसियों को भी आधुनिक तकनीक और प्रभावी सूचना तंत्र के साथ काम करना होगा।

आईजीपी कार्की ने कहा कि मानव तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए नेपाल पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल, आप्रवासन विभाग, स्थानीय प्रशासन तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में खुफिया सूचना नेटवर्क को मजबूत करने, संदिग्ध गतिविधियों की समय पर निगरानी करने और पीड़ितों के त्वरित संरक्षण पर विशेष बल दिया।

कार्यक्रम के अंत में मानव तस्करी के विरुद्ध सामूहिक अभियान चलाने, सीमा पार सहयोग बढ़ाने, आधुनिक तकनीक के उपयोग तथा युवाओं और समुदायों को जागरूक करने का संकल्प लिया गया। सेमिनार में नेपाल पुलि

नेपाल: लुम्बिनी प्रदेश सरकार से नेपाली कांग्रेस बाहर, पांच मंत्रियों का सामूहिक इस्तीफा

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल के लुम्बिनी प्रदेश में बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। नेपाली कांग्रेस ने लुम्बिनी प्रदेश सरकार से अपना समर्थन वापस लेते हुए सरकार से बाहर होने का फैसला किया है। इसके साथ ही कांग्रेस कोटे के पांचों मंत्रियों ने सामूहिक रूप से मुख्यमंत्री चेत नारायण आचार्य को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। बताया गया है कि नेपाली कांग्रेस संसदीय दल की मुख्य सचेतक धनलक्ष्मी श्रेष्ठ ने मुख्यमंत्री को समर्थन वापसी का पत्र और पांचों मंत्रियों के सामूहिक इस्तीफे का पत्र सौंपा। इस्तीफा देने वाले मंत्रियों में शहरी विकास एवं खानेपानी मंत्री सरोज थापा, आर्थिक मामिला तथा योजना मंत्री धनेन्द्र कार्की, उद्योग, पर्यटन एवं यातायात मंत्री प्रचण्ड विक्रम न्यौपाने, सामाजिक विकास मंत्री जन्मजय तिमिल्सिना तथा वन एवं वातावरण मंत्री देवकरण प्रसाद कलवार शामिल हैं। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, काठमांडू में बदले सत्ता समीकरण के बाद नेपाली कांग्रेस ने प्रदेश सरकारों में भी अपनी रणनीति बदल दी है। इसी क्रम में लुम्बिनी प्रदेश सरकार से कांग्रेस ने समर्थन वापस लेकर अपने मंत्रियों को इस्तीफा देने का निर्देश दिया। बतादें,कांग्रेस के सरकार से बाहर होने के बाद अब लुम्बिनी प्रदेश में नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) यानी एमाले और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के बीच नई गठबंधन सरकार बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। दोनों दलों के बीच मंत्रिमंडल विस्तार और विभागों के बंटवारे को लेकर बातचीत चल रही है।

विश्व बाघ दिवस पर निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन, मेधावी छात्र-छात्राएं हुए सम्मानित

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। विश्व बाघ दिवस के अवसर पर वाल्मीकिनगर,गानौली, बगहा,मदनपुर समेत लगभग सभी रेंज मे स्थित राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय में निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में बाघ एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना था। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों, स्थानीय पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों की उपस्थिति में विजेता प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बाघों के संरक्षण, जंगलों के महत्व तथा जैव विविधता को बचाने में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। रेंजर सत्यम कुमार, श्रीमान मलाकार,राजकुमार पासवान एवम नसीम अहमद ने बताया की प्रथम,द्वितीय एवम तृतीय स्थान विभिन्न आयोजित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। वन अधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बाच्चों में रचनात्मकता के साथ-साथ प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करती हैं।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, गुरूवार,30 जुलाई 2026

संक्षिप्त खबरें

घर में घुसकर चोरी, 50 हजार नगदी और सामान लेकर फरार

मुंगेर। मुफस्सिल थाना क्षेत्र में चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। ताजा मामला शरण सिंह टोला से सामने आया है, जहां तीन अज्ञात बदमाशों ने एक घर में घुसकर नगदी और कीमती सामान लूट लिए।लगभग 2:00 बजे रात घर में घुसे थे बदमाश : शरण सिंह टोला निवासी प्रीति देवी, पति शशि पासवान ने बताया कि मंगलवार की रात लगभग 2:00 बजे तीन अज्ञात बदमाश घर में घुस आए। हथियार का भय दिखाकर बदमाशों ने घर से 50,000 नगदी, 2 मोबाइल, गैस सिलेंडर और डीजे की 2 मशीन सहित अन्य सामान उड़ा लिए और मौके से फरार हो गए।पीड़ित परिवार ने इस घटना की लिखित सूचना मुफस्सिल थाना अध्यक्ष विपिन कुमार सिंह को दी और न्याय की गुहार लगाई है।थाना अध्यक्ष विपिन कुमार सिंह ने बताया की आवेदक के आवेदन के आलोक में पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इलाके में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से लोगों में दहशत है। स्थानीय लोगों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और गश्ती दल को सक्रिय करने की मांग की है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में लापरवाही, 22 बीएलओ को कारण बताओ नोटिस

दारौंदा (सीवान)। मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत प्रपत्र-6 के सत्यापन में लापरवाही बरतने वाले 22 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी सिम्पी कुमारी ने संबंधित बीएलओ को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है।जारी नोटिस में कहा गया है कि मतदान केंद्र संख्या 245, 250, 252, 261, 270, 292, 297, 298, 300, 303, 305, 316, 319, 342, 354, 356, 359, 364, 369, 370 एवं 375 के बीएलओ ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रपत्र-6 का सत्यापन समय पर पूरा नहीं किया। जबकि प्रखंड कार्यालय की ओर से व्हाट्सएप ग्रुप में लंबित प्रपत्रों की रिपोर्ट नियमित रूप से साझा की गई थी तथा कई बार दूरभाष के माध्यम से भी सत्यापन कार्य शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया गया था।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित 24 घंटे के भीतर संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं मिलने पर निर्वाचन कार्य में लापरवाही के आरोप में नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने सभी बीएलओ को निर्वाचन आयोग के निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए लंबित सत्यापन कार्य तत्काल पूरा करने का निर्देश दिया है।

तीन वारंटियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा जेल

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। हवेली खड़गपुर थाना पुलिस ने फरार चल रहे तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। गिरफ्तार वारंटियों की पहचान दरियापुर निवासी अवधेश मंडल, महादेवपुर निवासी राजेश मंडल एवं दरियापुर निवासी घनश्याम पासवान के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, तीनों के विरुद्ध न्यायालय से वारंट निर्गत था ।

ग्रामीणों को वज्रपात से बचाव का देंगे संदेश, प्रशिक्षित किए गए स्वयंसेवक

जन-जागरूकता कार्यक्रम विषय पर एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

सासाराम। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निदेशानुसार बुधवार को सासाराम स्थित डीआरडीए सभागार में जिला पदाधिकारी दीपक कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन के तहत वज्रपात से बचाव हेतु ग्राम स्तरीय जन-जागरूकता कार्यक्रम विषय पर एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पदाधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी ने कहा कि वज्रपात प्राकृतिक आपदाओं में ऐसी घटना है, जिससे हर वर्ष बड़ी संख्या में जन-धन की क्षति होती है। उन्होंने कहा कि समय रहते जागरूकता और सही जानकारी के माध्यम से अधिकांश दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। उन्होंने प्रशिक्षित स्वयंसेवकों से अपील की कि वे अपने-अपने गांवों में लोगों को वज्रपात से बचाव के उपायों की जानकारी दें तथा मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों का पालन करने के लिए प्रेरित करें।

जिला पदाधिकारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जन-जागरूकता अभियान को प्रभावी बनाने के लिए स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक भागीदारी से ही इसे सफल बनाया जा सकता है।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने वज्रपात की वैज्ञानिक पृष्ठभूमि, इसके होने के प्रमुख कारणों तथा इससे बचाव के प्रभावी उपायों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खराब मौसम के दौरान खुले मैदान, ऊंचे पेड़ों, बिजली के खंभों तथा जलाशयों के आसपास जाने से बचना चाहिए तथा सुरक्षित भवनों में शरण लेना सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने प्रतिभागियों को आपदा के समय अपनाई जाने वाली सावधानियों एवं प्राथमिक सुरक्षा उपायों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के परियोजना पदाधिकारी श्री संदीप शर्मा ने ग्राम स्तरीय जन-जागरूकता अभियान की कार्ययोजना, प्रशिक्षण मॉड्यूल तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय तक वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक जानकारी पहुंचाना है, ताकि वज्रपात जैसी प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली जनहानि को न्यूनतम किया जा सके।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता सह अपर जिला दंडाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के परियोजना पदाधिकारी, एनसीसी एवं भारत स्काउट एंड गाइड के प्रतिनिधि, कैडेट्स उपस्थित रहे।

दुमका-पटना एक्सप्रेस से अंग्रेजी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

- जमालपुर स्टेशन पर जांच के दौरान बैग से बरामद हुई 3 बोतल रॉयल स्टैग व्हिस्की

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर । जमालपुर स्टेशन पर चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के दौरान रेल पुलिस ने दुमका-पटना एक्सप्रेस से एक युवक को अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया। उसके पास से रॉयल स्टैग डिलक्स व्हिस्की की 750 एमएल की तीन बोतल* बरामद की गई।

बैग की तलाशी में मिली शराब :

रेल थानाध्यक्ष ने बताया कि गाड़ी संख्या 13333 दुमका-पटना एक्सप्रेस की जांच के दौरान एक संदिग्ध युवक की तलाशी ली गई। जांच में उसके बैग से तीन बोतल अंग्रेजी शराब मिली। गिरफ्तार युवक की पहचान सोनू कुमार के रूप में हुई है। वह बांका जिले के मजलिसपुर गांव का निवासी है और वर्तमान में मुंगेर जिले के नया रामनगर थाना क्षेत्र के मिल्कीचक में रह रहा है। पूछताछ के बाद रेल पुलिस ने शराब जब्त कर युवक को हिरासत में ले लिया। बरामद शराब की कीमत का आकलन किया जा रहा है।

मद्य निषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई :

मामले में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आगे की कार्रवाई के लिए युवक को उत्पाद विभाग को सौंप दिया गया है।अधिकारियों ने बताया कि ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर अवैध शराब की तस्करी रोकने के लिए नियमित रूप से सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। यात्रियों से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल रेल पुलिस को दें।

अजगैविनाथ धाम में बुद्ध पूर्णिमा के दिन लाखों कांवड़िया उत्तरवाहिनी गंगा में लगाई डुबकी

- हर हर महादेव के जयकारे से अजगैविनाथ धाम हुए गुंजायमान

प्रातः किरण संवाददाता

भागलपुर सुल्तानगंज* विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला की आगाज मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के करने के बाद आज बुध्द पुर्णिमा के दिन बिहार, झारखंड, राजस्थान,असम सहित देश विदेश के कांवड़ियों की भीड़-भाड़ दिन प्रतिदिन उमड़ने लगी/आज हजारों राजस्थान के डाक कांवड़ियों ने उत्तरवाहिनी गंगा घाट पर गंगा में डुबकी लगाते हुए गंगा जल लेकर पूजा अर्चना करते हुए हर हर महादेव के जयकारे लगाते हुए बैधनाथ धाम के लिए रवाना हुए/इस दौरान राजस्थान के डाक कांवड़ियों ने बताया कि बाबा भोलेनाथ हम सबों की सारी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

इस लिए हर वर्ष की भार्ती इस वर्ष भी बाबा भोलेनाथ को जल चढ़ाने के लिए अजगैविनाथ धाम पहुंचे हैं 17एंव 18घंटा में बाबा बैद्यनाथ धाम में बाबा भोलेनाथ को जल चढ़ाएंगे की बात कही/साथ ही पैदल व वाहन से भी हजारों कांवड़िया अजगैविनाथ धाम से बैधनाथ धाम के लिए हर हर महादेव के नारे लगाकर रवाना हुए।

इस लिए जिला प्रशासन के दिशा-निर्देश पर गंगा घाट से लेकर कच्ची कांवड़िया पथ तक सुरक्षा व्यवस्था,साफ सफाई,का पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

सावन को लेकर पंच मुखी महादेव मंदिर में तैयारियां अंतिम दौर में

- श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने बनाई व्यापक कार्ययोजना

प्रातः किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। सावन मास शुरू होने में अब कुछ ही समय शेष रह गया है। इसे लेकर जिले के प्रसिद्ध पंच मुखी महादेव मंदिर में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। सावन के दौरान यहां जिले के अलावा आसपास के कई जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव के जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। खासकर प्रत्येक सोमवारी को श्रद्धालुओं की भीड़ कई गुना बढ़ जाती है। इसे देखते हुए प्रशासन और मंदिर प्रबंधन समिति ने श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को लेकर व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य केवल भीड़ को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित तरीके से दर्शन कराना है। हाल के दिनों में आयोजित संयुक्त बैठकों में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, स्वास्थ्य सुविधा, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और कतार प्रबंधन समेत अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। साथ ही संबंधित अधिकारियों और कर्मियों के बीच जिम्मेदारियों का भी निर्धारण किया गया है।प्रशासन की ओर से इस बार व्यवस्था में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए जा रहे हैं, ताकि श्रद्धालुओं को लंबी प्रतीक्षा, भीड़ और अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। मेले और मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं का संचालन विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ किए जाने की तैयारी है।

पंच बदन महादेव मंदिर जिले के प्राचीन और प्रसिद्ध शिवधामों में शामिल है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार मंदिर में भगवान शिव पंचमुखी स्वरूप में विराजमान हैं, जिन्हें सृष्टि के पांच स्वरूपों का प्रतीक माना जाता है। वर्षों से यह मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है । मान्यता है कि सावन मास में यहां श्रद्धापूर्वक जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और पूजा-अर्चना करने से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी आस्था और विश्वास के कारण सावन के महीने में मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। मंदिर प्रबंधन को उम्मीद है कि इस बार बेहतर सुरक्षा और सुविधाओं के बीच श्रद्धालुओं को सुगम एवं सुरक्षित दर्शन का लाभ मिलेगा।

चेहल्लुम पर्व को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट

- चेहल्लुम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर । मुंगेर, त्योहारों का शहर है और यहां की गंगा जमुनी तहजीब ही है जो इस जिले के प्रत्येक पर्व त्योहार शांति एवं सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में संपन्न होते हैं। पहलाम समिति हो या विसर्जन समिति, सभी सदस्य एक दूसरे के साथ भाईचारे के साथ मिलकर पूरे पर्व त्योहार को शांतिपूर्ण संपन्न कराने में जिला एवं पुलिस प्रशासन को अहम योगदान देते हैं। यह अत्यंत ही सराहनीय पहल एवं प्रयास है। उक्त बातें जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर ने बुधवार संग्रहालय सभागार में चेहल्लुम 2026 पर्व को लेकर आयोजित शांति समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कही। बैठक में पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद, नगर आयुक्त पार्थ गुप्ता, सदर अनुमंडल पदाधिकारी कुमार अभिषेक, सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अभिषेक आनंद सहित शांति समिति एवं पहलाम समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे।जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं शांति समिति सदस्यों से कहा कि चुंकि अब पर्व त्योहार का मौसम प्रारंभ होने वाला है, तो जिला एवं पुलिस प्रशासन के साथ-साथ शांति एवं पहलाम समिति सदस्यों का भी एक दूसरे का सहयोग अपेक्षित है। सभी पर्वों को पूर्व की तरह ही शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में पूरे भाईचारे एवं गंगा जमुनी तहजीब के साथ ही संपन्न कराना जिला एवं पुलिस प्रशासन का मुख्य उद्देश्य होगा। चेहल्लुम पर्व की शुरूआत 2 अगस्त की रात से ही प्रारंभ हो जाएगी जो 05 अगस्त को पहलाम के साथ संपन्न होगी, इसे सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना हमारा लक्ष्य होगा। इसके लिए सभी संवेदनशील एवं अति संवेदनशील स्थलों का चयन कर वहां पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति रहेगी। साथ ही कौड़ा मैदान स्थित गढैया मार्केट से ताजिया जुलूस एकत्रित होकर निर्धारित रूट के अनुसार पूरे शहर का भ्रमण करेगी। इसके लिए जिलाधिकारी ने सभी जुलूस के साथ संबंधित क्षेत्र के थानाध्यक्ष, दण्डाधिकारी एवं पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति का निदेश दिया।

जुलूस में कोई असामाजिक तत्व कोई गलत हरकत न करे इसके लिए वीडियोग्राफी के साथ साथ ड्रोन कैमरे से भी जुलूस की निगरानी की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्व के सभी पर्व त्योहारों में शांति एवं पहलाम समिति के सदस्य स्वयं से जुलूस के साथ भ्रमण किया।

विधायक प्रोफेसर ललित नारायण मंडल ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को जनहित की योजनाओ के घोषणा पर आभार व्यक्त किया

भागलपुर सुल्तानगंज। विधायक प्रोफेसर ललित नारायण मंडल ने कहा कि पुर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं वर्तमान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अजगैविनाथ धाम में पांच हजार करोड़ रुपए का लागत से ग्रीन फिल्ड हवाई अड्डा, बनेगी , तीन हजार एकड़ क्षेत्रफल में बनेगा जो , बिहार का दुसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा,गंगा रिवर फ्रंड बनने से उत्तरवाहिनी गंगा हो जाएगा,एक सौ 26 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा ,जो नमामि गंगा घाट की तरह बनेगा, हरिद्वार की तर्ज पर अजगैविनाथ गंगा घाट विकसित होगा, बढुआ जलासय 18 सौ करोड़ की लागत से तारापुर, अमरपुर,बेलहर सहित पांच विधानसभा क्षेत्र के किसानों को फाइदा होगा, शाहकुणण्ड में आठ पंचायत में किसानों को फाइदा नहीं होने पर पनसल्ला नदी से बेलासी नदी में जोड़ने पर सभी किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होगा इसके लिए मुख्यमंत्री ने स्वृकृति दे दिया ,और कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने श्रावणी मेला उदघाटन के दौरान सुल्तानगंज से देवघर तक फोरलेन बनने की घोषणा करने पर मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिये और कहा कि अगुवानी घाट से बाबा अजगैविनाथ पर्वत तक रोली बनाने की घोषणा मुख्यमंत्री उदघाटन के दौरान किये और सुल्तानगंज से देवघर तक रेल लाईन बनने के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य तेजी से हो रहा है इन सभी कार्य के लिए पुर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं वर्तमान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी धन्यवाद देते हुए इन सभी कार्य की सराहना किये/इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि पवन केसान सहित दर्जनों कार्यकर्ता गण मौजूद थे

गायत्री शक्तिपीठ में गुरु पूर्णिमा महोत्सव संपन्न

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। अषाढ़ पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को नगर स्थित गायत्री शक्तिपीठ में श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में गायत्री परिजनों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लेकर विधि-विधानपूर्वक यज्ञ में आहुति अर्पित की।कार्यक्रम का शुभारंभ परिव्राजक आशुतोष शर्मा के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच मुख्य यजमान विनीता केसरी द्वारा देव पूजन के साथ हुआ। यज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं ने विश्व शांति, मानव कल्याण एवं समाज में सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर परिव्राजक आशुतोष शर्मा ने गुरु की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु अपनी तप-साधना और ज्ञान के माध्यम से शिष्य के जीवन के अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर उसे प्रकाश की ओर ले जाता है। गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि गुरु के प्रति श्रद्धा, विश्वास और समर्पण व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि गुरु को केवल एक व्यक्ति समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। गुरु ईश्वरीय शक्ति का संवाहक होता है, जो शिष्य के जीवन में ज्ञान और संस्कार का प्रकाश भरकर उसके व्यक्तित्व को नई दिशा प्रदान करता है। गुरु सत्ता के मार्गदर्शन से साधारण मनुष्य भी अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाकर महामानव बनने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।उन्होंने गायत्री परिवार के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके द्वारा रचित 3200 से अधिक जीवनोपयोगी पुस्तकें आज भी समाज को सही दिशा देने और मानव जीवन के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ में दीक्षा संस्कार, विद्यारंभ संस्कार, नामकरण संस्कार सहित विभिन्न संस्कार निःशुल्क संपन्न कराए गए। कार्यक्रम में सैकड़ों गायत्री परिजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शराब के नशे में हुड़दंग मचा रहे युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा जेल

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। हवेली खड़गपुर थाना पुलिस ने शराब के नशे में हुड़दंग मचा रहे एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। गिरफ्तार युवक की पहचान राजदूत बिंद के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, युवक शराब के नशे में महकोल क्षेत्र में हंगामा और हुड़दंग कर रहा था। सूचना मिलने के बाद हवेली खड़गपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा जांच किए जाने के बाद शराब पीने की पुष्टि हुई। इसके बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार युवक को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

संग्रामपुर में जीविका महिला स्वावलंबी समिति की वार्षिक आम सभा आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर । मुंगेर जिले के संग्रामपुर प्रखंड अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड, कुसमार की वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक आम सभा का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया।

आम सभा में समिति के पिछले एक वर्ष के कार्यों एवं उपलब्धियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि समिति ने वित्तीय वर्ष में 4,91,888 की शुद्ध आय अर्जित की है। यह सफलता सदस्यों के सामूहिक प्रयास और बेहतर वित्तीय प्रबंधन का परिणाम है। कार्यक्रम में आगामी वर्ष की कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा हुई। आजीविका संवर्धन, वित्तीय सशक्तिकरण और विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों को और प्रभावी बनाने पर सहमति बनी।

मुख्य अतिथियों ने की सराहना

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जिला से प्रबंधक गैर कृषि श्रीमती पूजा चंद्रा और बिहार ग्रामीण बैंक संग्रामपुर के शाखा प्रबंधक बेद प्रकाश उपस्थित थे।

मुख्य अतिथियों ने समिति के उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए महिलाओं से आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर कार्य करने का आह्वान किया।

उत्कृष्ट समूहों को किया गया सम्मानित :

कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ग्राम संगठन एवं स्वयं सहायता समूहों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।आम सभा में बड़ी संख्या में जीविका दीदियों, समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया।

विद्यालय विकास एवं शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर हुई विस्तृत चर्चा

प्रातः किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। बुधवार को सुभाष चंद्र कादंबरी साहा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, झील पथ, हवेली खड़गपुर में प्रबंधकारिणी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक विद्यालय के समग्र विकास, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार तथा भावी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को ध्यान में रखते हुए आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह ने की, जबकि प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा की गरिमामयी उपस्थिति ने बैठक को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया। बैठक के दौरान विद्यालय के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। विशेष रूप से आचार्य विकास, शिक्षण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, आधुनिक एवं प्रभावी बनाने, तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु आवश्यक संसाधनों और गतिविधियों को बढ़ाने पर गहन विचार-विमर्श किया गया। विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता को और ऊँचे स्तर पर ले जाने, अनुशासन को मजबूत करने तथा विद्यार्थियों में नैतिक एवं संस्कार आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रस्तुत किए गए। इसके साथ ही भविष्य की कार्ययोजना, आधारभूत संरचना के विकास तथा शैक्षणिक वातावरण को और अधिक अनुकूल बनाने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर विद्यालय के उपाध्यक्ष शिव प्रकाश मोदी, सचिव राकेश चंद्र सिन्हा, सदस्य विवेक कुमार केशरी, प्रधानाचार्य अजय कुमार एवं सदस्य प्रियंवदा शर्मा उपस्थित रहीं। साथ ही बांका जिला के विभाग निरीक्षक ब्रह्मदेव प्रसाद, प्रधानाचार्य मिथलेश कुमार एवं संस्कार केंद्र प्रमुख परमेश्वर जी की उपस्थिति ने बैठक को और अधिक सार्थक एवं मार्गदर्शक बनाया।

आईसीआईसीआई प्रू लाइफ ने पहली तिमाही में दर्ज की 27.8% की लाभ वृद्धि

दुगार्पुर। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने 6 जून को समाप्त तिमाही के लिए कर पश्चात लाभ (पीएटी) में साल-दर-साल 27.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 386 करोड़ रुपये दर्ज किए हैं, जबकि इसके खुदरा सुरक्षा (टर्म प्लान) व्यवसाय ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के दौरान 60.4 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की। कंपनी ने यह भी घोषणा की कि उसके निदेशक मंडल ने नियामक अनुमोदनों के अधीन, बीमाकर्ता का नाम बदलकर आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।बीमाकर्ता ने कहा कि उसने तिमाही के दौरान ग्राहकों को 4,666 करोड़ रुपये के कुल लाभ का भुगतान किया, जिसमें मृत्यु दावों के लिए 1,306 करोड़ रुपये तथा परिपक्वता और जीवन रक्षा लाभ के रूप में 3,360 करोड़ रुपये शामिल हैं। उसने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 99.3 प्रतिशत का उद्योग-अग्रणी दावा निपटान अनुपात भी बनाए रखा, जिसमें गैर-जांच वाले दावों के लिए औसतन एक दिन का समय लगा। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान, कंपनी ने मृत्यु दावों में 5,149 करोड़ रुपये का निपटान किया और परिपक्वता व जीवन रक्षा लाभ के रूप में 15,363 करोड़ रुपये वितरित किए।प्रबंध निदेशक और सीईओ अनुप बागची ने कहा कि कंपनी दक्षता और ग्राहक अनुभव में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी, एआई और डिजिटल क्षमताओं में निवेश के साथ ग्राहक-प्रथम रणनीति पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

सेविकाओं की शिकायत पर प्रशासन का एक्शन, सीडीपीओ कार्यालय में छापेमारी, 10 हजार नकद बरामद

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी। आंगनबाड़ी सेविकाओं से अवैध वसूली की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद प्रशासन ने बुधवार को आमस स्थित सीडीपीओ कार्यालय में संयुक्त छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की। शेरघाटी अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार और एसडीपीओ संदीप कुमार के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई के दौरान एक कथित दलाल के पास से करीब 10 हजार नकद बरामद किए गए। मामले को गंभीर मानते हुए संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध आमस थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, कई आंगनबाड़ी सेविकाओं ने प्रशासन से शिकायत की थी कि सीडीपीओ कार्यालय का सेवानिवृत्त परिचारी गणेश झा विभिन्न सरकारी कार्यों, भुगतान और अन्य प्रक्रियाओं के नाम पर उनसे रुपये की अवैध वसूली करता है। शिकायतों के सत्यापन के बाद प्रशासन ने योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने गणेश झा के पास रखे एक पैकेट की तलाशी ली, जिसमें लगभग 10 हजार नकद मिले। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ की गई और पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाई गई। बरामद नकदी को जांच के दायरे में लेते हुए आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

एसडीओ मनीष कुमार ने कहा कि सरकारी कार्यालयों में दलालों की सक्रियता और किसी भी प्रकार की अवैध वसूली को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सीडीपीओ को निर्देश दिया कि संबंधित व्यक्ति के खिलाफ आमस थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई जाए तथा मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि प्रशासन सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भविष्य में भी इस तरह की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी और दलालों तथा अवैध वसूली करने वालों के विरुद्ध सख्त अभियान लगातार जारी रहेगा।

हाजत में कैदी की मौत पर उत्पाद थानाध्यक्ष समेत चार पर गिरा गाज

अरवल। उत्पाद विभाग अरवल उत्पाद थाने की हाजत में हैबतपुर गांव निवासी कैदी अनिल सिंह उर्फ टुनटुन कुशवाहा की मौत के मामले मैं उत्पाद विभाग मुख्यालय (पटना) ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने त्वरित संज्ञान लेते हुए अरवल उत्पाद थानाध्यक्ष परशुराम यादव, अवर निरीक्षक रजिता कुमारी, निरीक्षक जय लक्ष्मी और उत्पाद सिपाही मोहित कुमार को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर पटना मुख्यालय तलब कर लिया है। इसके अलावा ड्यूटी पर तैनात दो होमगार्ड जवानों को भी हटा दिया गया है। मद्य निषेध अधीक्षक नित्यानंद प्रसाद ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि विभागीय निर्देशों के आलोक में यह कदम उठाया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि पूरे मामले की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए दो अलग-अलग स्तरों पर जांच चल रही है। अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि जांच प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष रहे, इसी उद्देश्य से थानाध्यक्ष सहित संबंधित पदाधिकारियों व जवानों को हटाया गया है। दोनों जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों पर आगे की सख्त कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार इस बड़ी कार्रवाई के बाद अरवल मद्य निषेध विभाग के अधिकारियों व जवानों में हड़कंप मच गया है। जांच रिपोर्ट के संभावित परिणामों को लेकर महकमे में अफरा-तफरी और डर का माहौल बना हुआ है। इधर नये थानाध्यक्ष के रुप में तत्काल प्रभाव से कुमार गौरव को कमान सौंपी गई है। आदेश मिलने के बाद नये थानाध्यक्ष ने उत्पाद विभाग का कार्य संभाल लिया है।

सीबीएससी कलस्टर बास्केट बॉल प्रतियोगिता संपन्न

डेहरी (रोहतास)। डेहरी प्रखंड के जमुहार स्थित नारायण वर्ल्ड स्कूल, द्वारा आयोजित और गोपाल नारायण सिंह यूनिवर्सिटी द्वारा प्रायोजित सीबीएसई क्लस्टर-3 गेम्स के तहत बास्केटबॉल प्रतियोगिता संपन्न हो गया। फाइनल मुकाबले बेहद रोमांचक और जोश से भरे रहे। अंडर-19 लड़कों की श्रेणी में, के पी एस स्कूल ने डी पी एस रांची को हराकर जीत हासिल की, जबकि धनबाद पब्लिक स्कूल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

संक्षिप्त खबरें

18वां रणधीर वर्मा इंटर स्कूल अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट की आयोजन समिति का हुआ गठन

मुकाबला 1 अगस्त से

पटना :- गोपाल विद्यार्थी. 18वें रणधीर वर्मा इंटर स्कूल अंडर-13 क्रिकेट टूनार्मेंट के सफल संचालन के लिए सात सदस्यीय आयोजन समिति का गठन कर दिया गया है। यह निर्णय बुधवार को आयोजन समिति की बैठक में लिया गया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की जिम्मेदारी सरदार पटेल स्पोर्ट्स फाउंडेशन को सौंपी गई है ।मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए प्रतियोगिता की तिथि में बदलाव किया गया है। अब यह टूनामेंट 25 जुलाई के बदले 1 अगस्त से श्रीकृष्णा क्रिकेट मैदान, खेमनीचक में खेला जाएगा। पूर्व आईपीएस रणधीर वमार्फाउंडेशन के संस्थापक-सह-सचिव एवं भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सतीश राजू ने समिति के गठन और तैयारियों की आधिकारिक जानकारी साझा की।

पंजीकरण और संपर्कःटूनार्मेंमें भाग लेने की इच्छुक स्कूल टीमें और प्रतिभागी अधिक जानकारी व पंजीकरण के लिए सरदार पटेल स्पोर्ट्स फाउंडेशन के संतोष तिवारी से उनके मोबाइल नंबर 9386962380 पर सीधे संपर्क कर सकते हैं।

साई अंगना मंदिर में भक्तिमय वातावरण में पूजा श्रद्धा पूर्वक मनाया गया

दानापुर। नगर के अंतर्गत बुधवार को गुरू पुर्णिमा महाउत्सव साई अंगना मंदिर में भक्तिमय वातावरण में श्रद्धा पूर्वक मनाया गया।अहले सुबह श्रद्धालुओं ने कचहरी घाट से गंगा जल लेकर मंदिर पहुंचे।बाबा का जलाभिषेक व मंगल स्नान के साथ पूजन की शुरूआत हुई। बाबा का विशेष श्रृंगार व पूजन किया गया। उसके बाद 56 छप्पन भोग लगाया गया। मुख्य यजमान संजीव श्रीवास्तव, दिप्ती श्रीवास्तव थे। पुजारी दयानंद पांडेय व चितरंजन बाबा थे।भंडारे का शुभारंभ छावनी परिषद के अधिशासी अधिकारी वरुण कुमार ने किया।भजन संध्या में सांई गीतों में श्रद्धालु घंटों झुमते रहे।

भंडारा में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे। जो देर रात तक चलेगा। भंडारा को अरविंद किराना,संजय यादव,अमन सोनी,सामने,शानू,सोनू बाबा, दीपू,गुड्डू,पप्पू, धीरज समेत अन्य सेवकों ने मिलकर सफल बनाया।

हत्याकांड का खुलासा करते हुए घटना में शामिल आधा दर्शन बदमाशों को किया गया गिरफ्तार

दानापुर । थाना क्षेत्रके अंतर्गत पिस्तौल की विवाद को लेकर सोनू कुमार की हत्या हुई थी। बुधवार को पुलिस ने इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए घटना में शामिल आधा दर्शन बदमाशों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इसके निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त एक कट्टा एक खोखा जप्त किया। इसके साथ ही एक देशी पिस्तौल एवं तीन जिंदा कारतूस बरामद किया। पुलिस ने सभी पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेजदिया। एसडीपीओ वन अजीत कुमार ने बताया कि परसा बाजार के सिपारा निवासी स्व रामबाबू का पुत्र सोनू कुमार 30 एम एम का देसी पिस्टल दानापुर के कागजी मोहल्ला निवासी राजू उर्फ कालिया को दिया था। वह कालिया से पिस्टल या उसका पैसा मांग रहा था। इसी को लेकर राजू उर्फ कालिया से इसका विवाद हो गया था। इस मामले को लेकर 24 जुलाई को संध्या में ईमलीतल के पास पोस्ट ऑफिस गली में सोनू को गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में मृतक की मां के बयान पर मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि कांड की गंभीरता को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक दानापुर-01 के नेतृत्व में थानाध्यक्ष प्रशांत भारद्वाज द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए एक एसाईटी का गठन किया गया। टीम ने वैधानिक अनुसंधान एवं तकनीकी साक्ष्य के आधार पर घटना मुख्य अभियुक्त राजू कुमार उर्फ कालिया को गिरफ्तार किया गया। उससे पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर घटना में शामिल शाहपुर के चांदमारी निवासी नारायण कुमार, इमली टालनी मासी बंटी कुमार, भट्टी पर निवासी बिट्टू कुमार, कागजी मोहल्ला निवासी सूरज कुमार एवं बिट्टू गुप्ता को गिरफ्तार किया गया। इनके निशानदेही पर अवैध हथियार 01 देशी पिस्टल, 01 देशी कट्टा, 03 जिंदा कारतूस एवं 07 मोबाईल फोन बरामद किया गया। एसडीपीओ वन ने बताया कि सोनू और राजू दोनों का आपराधिक इतिहास है दोनों पहले एक दूसरे के दोस्त थे। राजू उर्फ कालिया के विरुद्ध दानापुर थाना में पूर्व से तीन मामले दर्ज हैं अन्य थानों में पता लगाया जा रहा है। वही सोनू के विरुद्ध भी परसा बाजार दानापुर थाने में आपराधिक मामले दर्ज है।

288 नल-जल योजना व 280 चापाकल खराब, डीएम ने मांगा स्पष्टीकरण

लापरवाह संवेदको पर प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। जिले में खराब पड़े नल-जल योजनाओं एवं चापाकलो को लेकर जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा ने गंभीर नाराजगी जताई है। उन्होंने 288 खराब नल-जल योजनाओं एवं 280 चापाकलो की स्थिति पर लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) के कार्यपालक अभियंता से स्पष्टीकरण तलब किया है।

डीएम ने सभी खराब पेयजल स्रोतों को युद्धस्तर पर दुरुस्त करने तथा पंचायत स्तर पर नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने निर्देश दिया कि जिन संवेदकों की लापरवाही से नल-जल योजनाएं बंद है, उनके विरुद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा-56 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाए।

आर्ट ऑफ लिविंग का संकल्प: गाँव-गाँव पहुँचेगा योग व प्राणायाम

पटना में गुरु पूर्णिमा स्पेशल सत्संग का हुआ भव्य आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना ।विश्वविख्यात आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की संस्था ह्यआर्ट ऑफ लिविंग द्वारा पटना के दादी जी मंदिर (गांधी मैदान) में ह्यगुरु पूर्णिमा महोत्सव पूरे उल्लास के साथ मनाया गया . इस अवसर पर भावपूर्ण सत्संग का भव्य एवं गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ। भक्ति, ज्ञान और संगीत से सराबोर इस पावन संध्या में सैकड़ों श्रद्धालुओं एवं स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। इस विशेष अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, सांसद रविशंकर प्रसाद जी तथा बिहार के महाधिवक्ता एस डी संजय विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा समाज कल्याण, नशामुक्ति और स्वास्थ्य संवर्धन के लिए चलाए जा रहे अभियानों की सराहना की।आर्ट ऑफ लिविंग एक तनावमुक्त, भयमुक्त, खुशी से भरपूर और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए पूरी तरह से संकल्पित होकर कार्य कर रहा है।

सभी स्वस्थ रहें और सुखी रहेंह्न- यही आर्ट ऑफ लिविंग का मूलभूत सिद्धांत और मुख्य उद्देश्य है ।गुरु पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग बिहार इकाई द्वारा यह विशेष संकल्प लिया गया कि योग, ध्यान और प्राणायाम की जीवनदायिनी पद्धति को बिहार के प्रत्येक गाँव और जन-जन तक पहुँचाया जाएगा, ताकि हर व्यक्ति शारीरिक व मानसिक रूप से सशक्त बन सके ।बिहार वासियों के कल्याण, सुख, शांति, सुदृढ़ स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना के साथ आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा इस पूरे सावन मास में प्रतिदिन विशेष रुद्राभिषेक पूजा का आयोजन किया जाएगा ।आज के कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः 6:30 बजे विशेष लंबी सुदर्शन क्रिया से हुई। तत्पश्चात संध्या काल में वैदिक गुरु पूजा और प्रसिद्ध गायक अश्विन अग्रवाल के सुमधुर भजनों पर श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर झूमते नजर आए। कार्यक्रम का समापन गुरु की कथाओं एवं महा प्रसाद (डिनर) के वितरण के साथ हुआ।

कार्यक्रम में अतिथियों के अलावा आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ सदस्य, शिक्षक, समर्पित स्वयंसेवकगण तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप क्षेत्रों में भूमि के क्रय-विक्रय व हस्तांतरण का मार्ग होगा प्रशस्त

- विकास योजना के अंतिम प्रकाशन के बाद हटेगी रोक, सुनियोजित शहरी विकास को मिलेगी गति

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राज्य सरकार ने ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप क्षेत्रों के सुनियोजित एवं संतुलित विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सक्षम प्राधिकार के अनुमोदन के उपरांत अधिसूचित ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप क्षेत्रों में भूमि के क्रय-विक्रय एवं हस्तांतरण पर लगी रोक को विकास योजना के अंतिम प्रकाशन के बाद हटाने का निर्णय लिया गया है। इससे आम नागरिकों, भू-स्वामियों तथा निवेशकों को बड़ी राहत मिलेगी और सैटेलाइट शहरों के विकास को नई गति प्राप्त होगी।

ज्ञातव्य है कि नगर विकास एवं आवास विभाग ने राज्य के 11 ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप क्षेत्रों में मास्टर प्लान (पटना के लिए जोनल प्लान) अधिसूचित किए जाने तक भूमि के क्रय-विक्रय, हस्तांतरण, भूमि विकास तथा भवन निर्माण पर रोक लगाई गई थी। इसके बाद भू-स्वामियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 19 जून 2026 के विभागीय संकल्प द्वारा बिहार राज्य आवास बोर्ड को भू-स्वामियों से भूमि क्रय करने के लिए अधिकृत किया गया।

वर्तमान में राज्य सरकार इन सैटेलाइट शहरों के मास्टर प्लान को अंतिम रूप देने के साथ-साथ विकास योजना (डेवलपमेंट प्लान) तैयार करने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कर रही है। विकास योजना के अंतिम प्रकाशन के बाद भूमि उपयोग, आधारभूत संरचना, सार्वजनिक स्थलों के विकास तथा भवन निर्माण से संबंधित सभी गतिविधियाँ सुव्यवस्थित रूप से संचालित होंगी।

प्रस्तावित बिहार नगर विकास प्राधिकरण विकास योजना एवं विकास नियंत्रण विनियमन (डीसीआर) के अनुरूप भूमि विकास एवं भवन निर्माण गतिविधियों का नियमन करेगा। साथ ही, विकास योजना लागू होने के साथ ही सरकार द्वारा भू-अर्जन, भूमि क्रय तथा लैंड पुलिंग जैसी प्रक्रियाएँ भी प्रारंभ की जाएंगी। इस कारण भूमि के क्रय-विक्रय एवं हस्तांतरण पर लगी रोक हटने से सैटेलाइट शहरों के विकास में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

निर्णय के अनुसार अधिसूचित ग्रीनफील्ड सैटेलाइट शहरों में विकास योजना के अंतिम प्रकाशन के पश्चात भूमि के क्रय-विक्रय एवं हस्तांतरण पर लगी रोक समाप्त कर दी जाएगी। यदि प्रारूप विकास योजना के प्रकाशन के बाद यह पाया जाता है कि रोक हटाने से विकास कार्यों में कोई व्यावहारिक बाधा नहीं आएगी, तो बिहार नगर विकास प्राधिकरण अंतिम प्रकाशन से पूर्व भी इस संबंध में आवश्यक निर्णय ले सकेगा।

राज्य सरकार का यह निर्णय सुनियोजित शहरीकरण, पारदर्शी भूमि प्रबंधन तथा आधुनिक आधारभूत संरचना के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।इससे भू-स्वामियों के हितों की रक्षा होने के साथ-साथ निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और बिहार के प्रस्तावित सैटेलाइट शहरों के समग्र एवं सतत विकास का मार्ग और अधिक सुगम होगा।

शिक्षा के मंदिर में शर्मनाक बवाल रोहतास के चंदनपुरा विद्यालय का कथित मारपीट का वीडियो हुआ वायरल

रोहतास। जिले के तिलौथू प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय चंदनपुरा का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में विद्यालय परिसर के भीतर दो शिक्षकों के बीच मारपीट,गाली-गलौज और हंगामे जैसी स्थिति दिखाई दे रही है। हालांकि हम इस वायरल वीडियो की सत्यता, समय और परिस्थितियों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करते है ।वायरल वीडियो को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि मारपीट करने वाले दोनों व्यक्ति मध्य विद्यालय चंदनपुरा के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार और शिक्षक संतोष कुमार हैं। वीडियो में दोनों के बीच तीखी नोकझोंक के बाद हाथापाई होती दिखाई देती है। इस दौरान विद्यालय के अन्य शिक्षक बीच-बचाव करते नजर आते हैं।

अधिक से अधिक युवाओं को दिलाएं मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना का लाभ

पटना। राज्य के अधिक से अधिक युवाओं को मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना का लाभ दिलाया जाएगा। इसके लिए शिक्षा विभाग और युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा ।इस महत्वाकांक्षी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से बुधवार को विकास भवन में शिक्षा विभाग के सभी निदेशालयों के निदेशकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों को बताया गया कि इस योजना के तहत 18 से 28 वर्ष के युवाओं को सरकारी, गैर-सरकारी और निजी संस्थानों में इंटर्नशिप का अवसर उपलब्ध कराया जाता है। इंटर्नशिप के दौरान युवाओं को डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खाते में नियमित स्टाइपेंड भी दिया जाता है। बिहार में इंटर्नशिप करने पर 6000 से 8000 रुपए तथा बिहार के बाहर इंटर्नशिप करने पर 9000 से 11000 तक की राशि दी जाती है ।बैठक में योजना के उद्देश्य, प्रमुख विशेषताओं और इसके प्रभावी क्रियान्वयन की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों से कहा गया कि वे अपने-अपने स्तर पर योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार और सफल क्रियान्वयन में सक्रिय सहयोग सुनिश्चित करें ताकि राज्य के अधिक से अधिक युवा इस योजना से जुड़कर कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें।

दुल्हिनबाजार : बीस सूत्री बैठक में विभागीय कार्यों की हुई समीक्षा

दुल्हिनबाजार :- गोपाल विद्यार्थी. प्रखंड स्तरीय बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक बुधवार को प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित सभागार में बीडीओ अनिरुद्ध पांडे व बीस सूत्री अध्यक्ष यशवंत कुशवाहा की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा के साथ जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में पुलिस, श्रम, कृषि, शिक्षा, मत्स्य, जीविका, स्वास्थ्य, राजस्व, नल-जल, आरटीपीएस समेत अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक कर योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों को सरकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाने के निर्देश दिए गए ।बीडीओ अनिरुद्ध पांडे ने कहा कि समीक्षा बैठक सफल रही। सभी विभागों के कार्यों का मूल्यांकन किया गया तथा जहां भी कमियां पाई गईं, उन्हें तत्काल दूर करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक सरल एवं प्रभावी तरीके से पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। जिला उपाध्यक्ष रवि शंकर कुशवाहा ने पंचायत स्तरीय खेल मैदानों की व्यवस्था पर सवाल उठाया । वहीं उन्होंने कहा कि सीओ की अनुपस्थिति जमीन सम्बन्धी सरकारी योजनाओं का समाधान नहीं हो सका, इस दौरान उन्होंने लोगों से जमीन संबंधी किसी भी समस्या के समाधान के लिए जनता दरबार में आवेदन देकर निष्पादन कराने की अपील की। बैठक में ई रिजवान आजम, रवि शंकर कुशवाहा, यशवंत कुशवाहा, अंजली कुमारी, अमित कुमार, मुकेश कुमार, उपाध्यक्ष इंद्रजीत कुमार व सीमा देवी आदि मौजूद रहे.

अमर्यादित आचरण के आरोप में दो शिक्षक निलंबित

पटना। अमर्यादित आचरण व अनुशासनहीनता के आरोप में पश्चिम चम्पारण में दो शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया है। बुधवार को माननीय शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी के निर्देश पर डीईओ ने यह कार्रवाई की। विभाग ने दोनों शिक्षकों के कृत्य को पद की गरिमा और सरकारी सेवक के आचरण नियमों का उल्लंघन माना है ।निलंबित की गई विशिष्ट शिक्षिका गीतांजलि देवी और विशिष्ट शिक्षक रामप्रवेश पासवान नरकटियागंज प्रखंड के बरवा-2 स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत थे। विभाग द्वारा दोनों से स्पष्टीकरण मांगा गया था। तय अवधि तक उत्तर नहीं मिलने पर निलंबन की कार्रवाई की गई।

24 घंटे बाद भी लापता किसान का सुराग नहीं,सोन नदी हादसे एसडीआरएफ के स्थायी तैनाती पर सवाल

- अकबरपुर में सोन नदी के तेज बहाव में बहे किसान योगेंद्र पासवान की तलाश जारी,देर से शुरू हुए रेस्क्यू अभियान पर उठे सवाल

प्रातः किरण संवाददाता

रोहतास जिले के चेनारी विधानसभा क्षेत्र के नगर पंचायत अकबरपुर में सोन नदी के तेज बहाव में बह गए किसान योगेंद्र पासवान का घटना के 24 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं मिल पाया है। लगातार खोजबीन के बावजूद राहत एवं बचाव दल को अब तक सफलता हाथ नहीं लगी है जिससे परिजनों की चिंता और बढ़ गई है।

घटना के बाद प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव कार्य के लिए रउफ्रक्रकी टीम को बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। लेकिन समाचार लिखे जाने तक लापता किसान का पता नहीं चल सका ।इस बीच राहत एवं बचाव अभियान की शुरूआत में हुई देरी को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसे के लगभग 24 घंटे बाद रउफ्रक्रटीम घटनास्थल पर पहुंची।

चूंकि टीम भोजपुर से अकबरपुर पहुंची और दोनों स्थानों के बीच लगभग 120 किलोमीटर की दूरी है ऐसे में समय पर रेस्क्यू शुरू नहीं हो सका। लोगों का मानना है कि आपदा की स्थिति में इतनी देरी गंभीर चिंता का विषय है और इसकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। चेनारी विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी एवं भीम आर्मी के पूर्व जिला प्रभारी अमित पासवान सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों ने एक बार फिर सोन नदी के तटीय क्षेत्रों में स्थायी रउफ्रक्रटीम की तैनाती की मांग दोहराई है। उनका कहना है कि रोहतास जैसे बड़े जिले में बार-बार नदी में डूबने की घटनाएं सामने आती रही हैं लेकिन अब तक स्थायी राहत एवं बचाव व्यवस्था नहीं की जा सकी है ।उल्लेखनीय है कि इससे पहले रोहतास प्रखंड के तुंबा में छह बच्चों की डूबने से मौत हो चुकी है।

इसके अलावा बोकनौरा सहित सोन नदी के विभिन्न घाटों पर भी कई दर्दनाक हादसे हो चुके हैं। बावजूद इसके स्थायी रउफ्रक्र कैंप की व्यवस्था नहीं होने से हर बार राहत कार्य प्रभावित होता है ।स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और राज्य सरकार से मांग की है कि डिहरी, तिलौथू, रोहतास और नौहट्टा के मध्य किसी उपयुक्त स्थान पर स्थायी रउफ्रक्रटीम की तैनाती की जाए। ताकि भविष्य में किसी भी आपदा की स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर लोगों की जान बचाई जा सके।

वंदे मातरम विधेयक का राज्यसभा से पारित होना राष्ट्रीय अस्मिता और सांस्कृतिक गौरव की ऐतिहासिक उपलब्धि : चिराग

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने राज्यसभा में ह्यवंदे मातरम्ह्न विधेयक, 2026 के पारित होने का स्वागत करते हुए इसे भारत की राष्ट्रीय अस्मिता, स्वाभिमान और सांस्कृतिक विरासत के सम्मान की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। श्री चिराग पासवान ने कहा कि ह्यवंदे मातरम्ह्न केवल एक गीत नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की देशभक्ति, त्याग, बलिदान और स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा का प्रतीक है। यह हमारी राष्ट्रीय चेतना और मातृभूमि के प्रति अटूट समर्पण की भावना को अभिव्यक्त करता है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र के सम्मान से जुड़ी हमारी अमूल्य धरोहरों की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने वाला यह निर्णय स्वागत योग्य है। ऐसे प्रयास भारत की गौरवशाली परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को और सशक्त करेंगे।

चिराग पासवान ने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) सदैव देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रहित से जुड़े विषयों के प्रति प्रतिबद्ध रही है और इस महत्वपूर्ण निर्णय का पार्टी पूर्ण समर्थन एवं स्वागत करती है।

दिवंगत पत्रकारों की स्मृति में जीजे कॉलेज में समारोह, मेधावी विद्यार्थी हुए सम्मानित

प्रातः किरण संवाददाता

बिहटा । स्थानीय जी.जे. कॉलेज में बीते दिन प्राचार्य डॉ. अरविंद प्रसाद सिन्हा के नेतृत्व में क्षेत्रीय दिवंगत पत्रकार डॉ प्रवीण कुमार, किशोर चौहान एवं कुणाल कुमार की स्मृति में एक समारोह आयोजित हुई. मौके पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कॉलेज के दर्जनों छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ दिवंगत पत्रकार के तैल चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात एनसीसी से अंजली कृति, स्पोर्ट्स से पूजा कुमारी, बीसीए से नंदनी कुमारी, मनोविज्ञान से रंजिता शर्मा, फिजिक्स से लवली कुमारी, राजनीति शास्त्र से मनीष कुमार, इतिहास से विश्ववर्णा सहित विभिन्न संकायों एवं विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दर्जनों मेधावी छात्रों को प्रशस्ति पत्र, मेडल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। मौके पर प्राचार्य डॉ. अरविंद प्रसाद सिन्हा ने कहा कि दिवंगत पत्रकार निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता के प्रतीक थे।उनकी स्मृति में मेधावी छात्रों को सम्मानित करना गर्व की बात है। ऐसे आयोजन छात्रों को जीवन में आगे बढ़ने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने की प्रेरणा देते हैं। जीजे कॉलेज प्रतिभाओं को मंच देने के लिए हमेशा तत्पर है। वही बिहटा पब्लिक स्कूल के प्राचार्य डॉ. उदय कुमार सिन्हा ने कहा कि दिवंगत पत्रकार सच्ची और जनहित की पत्रकारिता के प्रतीक थे। उनकी स्मृति में मेधावी छात्रों को सम्मानित करना एक सराहनीय पहल है। ऐसे आयोजनों से छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे भविष्य में समाज और राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का संचालन अमित्रजीत, अध्यक्षता रवि शंकर एवं धन्यवाद ज्ञापन बीस सूत्री अध्यक्ष मॉन्टी गुप्ता ने किया ।मौके पर रवि प्रकाश, मृत्युंजय कुमार, अभिमन्यु कुमार, अविनाश तिवारी,

महर्षि अंजनेश आश्रम में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

प्रातः किरण संवाददाता

सासाराम। ताराचण्डी धाम स्थित महर्षि अंजनेश आश्रम में बुधवार को गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर हजारों की संख्या में संत, श्रद्धालु, शिष्य एवं भक्त उपस्थित होकर गुरु परंपरा के प्रति अपनी अटूट आस्था व्यक्त की। आश्रम के मीडिया प्रभारी रजनीश कुमार वर्मा ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर जगतगुरु कौलाचार्य ब्रह्मलीन महर्षि अंजनेशानंद सरस्वती जी महाराज की समाधि स्थल पर स्थापित प्रतिमा का वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। विदित हो कि महर्षि अंजनेशानंद सरस्वती जी महाराज 14 मई 2025 को ब्रह्मलीन हुए थे तथा 15 मई 2025 को आश्रम परिसर में उनकी समाधि स्थापित की गई थी। इसके उपरांत महर्षि विश्वामित्र मुनि गुरुपीठ की व्यास गद्दी पर विराजमान स्वामी रणजीतेशानंद जी महाराज का शिष्यों एवं भक्तों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन-अर्चन किया गया।

श्रद्धालुओं ने गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्रसाद ग्रहण किया। अपने आशीर्वचन में स्वामी रणजीतेशानंद जी महाराज ने गौ, गीता एवं गंगा के संरक्षण तथा उनके आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति की आत्मा इन सनातन मूल्यों में निहित है। उन्होंने मातृशक्ति की महत्ता पर विशेष बल देते हुए युवाओं से संस्कारयुक्त, अनुशासित एवं आध्यात्मिक जीवन अपनाने तथा राष्ट्रहित में सकारात्मक योगदान देने का आह्वान किया।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव में रोहतास के जिलाधिकारी दीपक मिश्रा, अनुमंडल पदाधिकारी (सासाराम) डॉ. नेहा कुमारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विप्लव कुमार, सासाराम नगर थाना प्रभारी शिवेंद्र कुमार सहित जिला प्रशासन के अनेक पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

कच्ची तालाब स्थित श्री शिर्डी साई मंदिर में धूमधाम से मना गुरु पूर्णिमा महोत्सव

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। गर्दनीबाग के कच्ची तालाब स्थित श्री शिर्डी साईं मंदिर में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, हर्षोल्लास और आध्यात्मिक माहौल के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह से ही मंदिर परिसर साईं बाबा के जयकारों और ह्यओम साईं राम के भजनों से गुंजायमान रहा। गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर प्रातः काल साईं बाबा का विशेष मंगल स्नान एवं अभिषेक कराया गया। इसके उपरांत, विभिन्न प्रकार के सुगंधित पुष्पों और मनमोहक वस्त्रों से बाबा का भव्य एवं दिव्य श्रृंगार किया गया। महाआरती के समय मंदिर का वातावरण पूरी तरह से भक्तिमय हो उठा, जहाँ हजारों श्रद्धालुओं ने एक साथ बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद पूरे दिन साईं बाबा के दर्शन-पूजन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। शिविरआध्यात्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ मंदिर समिति की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 500 से अधिक स्थानीय नागरिकों एवं श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की जांच की गई और उन्हें उचित चिकित्सीय परामर्श दिया गया। साथ ही जरूरतमंदों को मुफ्त में दवा भी दिया गया। शिविर में सेवाएं देने वाले चिकित्सकों में डॉ. संजीव कुमार, डॉ. जयप्रकाश, डॉ. स्मृति पांडेय, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. रंजना कुमार, डॉ. प्रेमजीत सहित अन्य डॉक्टरों को मंदिर के व्यवस्थापक ऋषिकेश रंजन झा उर्फ रून्ना बाबा ने अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और उनके इस सेवाकार्य को सराहा।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496